रांची एवं पटना से प्रकाशित * * * * रांची • सोमवार, 23 अक्टूबर 2023 • आश्विन शुक्ल पक्ष 09, संवत 2080 • पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 6 • वर्ष : 1, अंक : 188 आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

जानिए मां की आराधना पर कहां कितनी राशि हो रही खर्च... (अनुमानित)

रांची :	50 करोड़
धनबाद :	40 करोड़
जमशेदपुर:	48 करोड़
अन्य जिले:	60-70 करोड़
कुल : करीब 208 करोड़	

महाअष्टमी पर मां दुर्गा के आठवें स्वरूप महागौरी की भक्तों ने की पूजा-अर्चना

208 करोड़ से मां की आराधना

कोरोना संक्रमण काल के तीन साल बाद बड़े स्तर पर राज्य भर में मां दुर्गा की आराधना की जा रही है. भव्य पंडाल और प्रतिमाएं बनाकर मां की पूजा-अर्चना की जा रही है. सूबे में करीब 200 करोड़ खर्च कर मां की आराधना की जा रही है. राजधानी रांची, जमशेदपुर, धनबाद, बोकारो, हजारीबाग सहित अन्य जिलों के पूजा पंडालों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा है. राजधानी रांची के शहरी इलाके (नगर निगम क्षेत्र) में ही 150 से अधिक छोटे-बड़े पंडाल बनाए गए हैं, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में भी आकर्षक पंडाल बना कर मां की आराधना की जा रही है. इसके बाद जमशेदपुर, धनबाद, बोकारो, हजारीबाग जैसे शहरों में बड़े स्तर पर पंडाल तैयार कर पूजा का आयोजन कर मां की आराधना की जा रही है. जमशेदपुर-धनबाद में ही पूजा पर (पंडाल, मूर्ति,लाइटिंग, साज-सज्जा) पर 100 करोड़ खर्च का अनुमान है. वहीं विजयादशमी के मौके पर राज्य भर में 5 करोड़ के खर्च से रावण दहन किया जाएगा. कुछ जगहों पर रावण के साथ मेघनाद व कुंभकर्ण के पुतलों को भी दहन होगा. राजधानी रांची में ही सबसे ज्यादा 8 जगहों पर रावण दहन कार्यक्रम पर 50 लाख से ज्यादा खर्च किए जा रहे हैं. -फोटो : रमीज

॥ महानवमी आज ॥

मां सिद्धिदात्री की पूजा

सूबे में ₹ 5 करोड़ के खर्च से जलेगा रावण

पूरा देश बुराई के प्रतीक दशानन को खत्म करने के लिए तैयार है. झारखंड में भी रावण दहन की तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं. विजयादशमी के मौके पर राजधानी रांची सहित राज्य भर में 5 करोड़ के रावण जलेंगे. कुछ जगहों पर रावण के साथ मेघनाद व कुंभकर्ण के पुतलों का भी दहन होगा. सिर्फ राजधानी रांची में ही 8 जगहों पर रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है, जिसपर करीब 50-60 लाख रुपये खर्च होंगे. राज्य के बड़े जिलों व शहरों में 5 से 7 लाख रुपये रावण दहन कार्यक्रम पर खर्चे जा रहे हैं. वही छोटे-छोटे जिलों में 1 लाख से से 3.5 लाख तक खर्चे जा रहे हैं. सूबे के कई जिलों में छोटे-छोटे स्तर पर कई जगहों पर बुराई के प्रतीक रावण का दहन किया जा रहा है. रावण दहन व दशहरा आयोजन समितियों ने रावण के 50 से 70 फीट ऊंचे पुतले बनवाए हैं. राज्य में रावण दहन का मुख्य कार्यक्रम रांची के मोरहाबादी मैदान में होगा. यहां राज्य के सबसे ऊंचे 70 फीट के रावण के पुतले का दहन होगा. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन यहां रिमोट कंट्रोल के जरिए रावण दहन करेंगे.

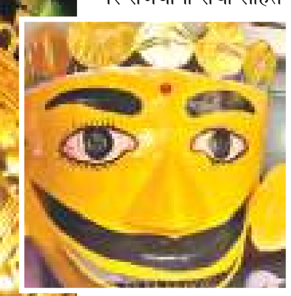

इस बार के झारखंड स्थापना दिवस को सरकार बनाएगी खास

सौगातों की होगी बारिश

अबुआ आवास, अपोलो अस्पताल, अबुआ वीर दिशोम अभियान का होगा शुभारंभ

सत्य शरण मिश्रा। रांची

15 नवंबर को झारखंड स्थापना दिवस के मौके पर हेमंत सरकार एक बार फिर सौगातों की बारिश करने वाली है. इसी दिन सरकार झारखंड के गरीब तबके के लोगों के लिए अबुआ आवास योजना शुरू करेगी. रांची स्मार्ट सिटी में अपोलो ग्रुप के मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल की नींव रखी जाएगी. आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तीसरे चरण का शुभारंभ किया जाएगा.

15 नवंबर को झारखंड सरकार और अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी के बीच एमओयू भी हो सकता है. एक रुपये की दर से एक किलो दाल वितरण की भी योजना इसी दिन शुरू हो सकती है. बता दें कि अगले साल होनेवाले लोकसभा चुनाव से पहले राज्य सरकार कई जनकल्याणकारी योजनाओं का श्रीगणेश करके जनता में अपनी पैठ बनाने की भरपूर कोशिश करेगी. मिशन 2024 के तहत मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने सहयोगी मंत्रियों और नौकरशाहों को विकास योजनाओं का निर्देश पहले ही दे चुके हैं. सरकार पूरे राज्य में स्थापना दिवस से विकास की गंगा बहाने का संकल्प ले चुकी है.

▪अबुआ आवास योजना

इस योजना के तहत झारखंड सरकार राज्य के 8 लाख गरीब जरूरतमंदों को मुफ्त में पक्का आवास उपलब्ध कराएगी. 16320 करोड़ रुपए की लागत से तीन चरणों में आवास निर्माण किया जाएगा. पहले चरण में वित्तीय वर्ष 2023-24 में 2 लाख, 2024-25 में 3 लाख 50 हजार और 2025-26 में 2 लाख 50 हजार मकान बनाए जाएंगे. मकान तीन कमरों का होगा, जिसका कुल क्षेत्रफल 31 वर्गमीटर होगा. इस योजना की शुरुआत झारखंड स्थापना दिवस से होने की संभावना है.

▪अपोलो अस्पताल

रांची के स्मार्ट सिटी एडीबी एरिया में चेन्नई के अपोलो ग्रुप का मल्टी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल खोला जाएगा. 2.75 एकड़ जमीन पर 250 बेड का अस्पताल बनाया जाएगा. पहले चरण में यहां ओपीडी की शुरुआत होगी. अस्पताल में इमरजेंसी सेवा, रेडियोलॉजी, पैथोलॉजी, ईनटी सेवा समेत कई तरह की सुविधाएं उपलब्ध होगी. अस्पताल की आधारिशला भी 15 नवंबर को जाएगी.

▪एक रुपये किलो दाल

सरकार ने खाद्य सुरक्षा योजना से जुड़े 65 लाख लाभुकों को प्रति परिवार एक रुपए की दर से प्रतिमाह प्रति व्यक्ति एक किलो दाल उपलब्ध कराने की योजना बनाई है. बजट में इसके लिए 55 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है.

▪आपकी सरकार आपके द्वार

15 नवंबर को आपकी सरकार आपके द्वार अभियान के तीसरे चरण की भी शुरुआत की जाएगी. इसके तहत पंचायत स्तर पर शिविरों का आयोजन करके लोगों के बीच सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को रखा रखा जाएगा. शिविर में आने वाले लोगों की समस्याओं का त्वरित निदान करने की दिशा में पहल होगी. इसमें कोशिश की जाएगी कि क्षेत्र के जनप्रतिनिधि भी इन शिविरों में मौजूद रहें.

▪अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय

अजीम प्रेमजी फाउंडेशन झारखंड में अपना विश्वविद्यालय खोलेगा. यूनिवर्सिटी में झारखंड के छात्रों को विश्व स्तरीय शिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी. अजीम प्रेमजी विवि एक ही कैंपस में तकनीकी और मेडिकल सुविधाएं भी छात्रों को उपलब्ध कराएगी. इसकी आधारशिला राज्य के स्थापना दिवस के दिन ही रखी जा सकती है.

आंगनबाड़ी केंद्रों में अंडा

सरकार अपने वादे के मुताबिक राज्य के स्थापना दिवस के मौके पर आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों के लिए सप्ताह में पांच दिन अंडा स्कीम की घोषणा भी कर सकती है. संभावना है कि नवंबर या दिसंबर महीने से आंगनबाड़ी में पढ़ने वाले बच्चों को अंडा मिलने लगे.

इजराइल ने फिलिस्तीनी नागरिकों को जारी की अंतिम चेतावनी, कहा

जो गाजा से नहीं हटा, वो आतंकी

एजेंसियां। तेल अवीव

इजराइल-हमास के बीच रविवार को 16वें दिन भी जंग जारी है. इजराइल ने अब गाजा पट्टी पर हमले और तेज कर दिए हैं. ऐसे में आम नागरिकों को ज्यादा नुकसान नहीं हो, इसको ले इजराइल ने फलस्तीनियों को गाजा को छोड़ कर दक्षिण की ओर जाने के लिए चेतावनी जारी की है. इजराइली सेना की ओर से जारी इस चेतावनी में साफ कर दिया गया है कि अगर कोई ऐसा नहीं करता है, तो उसको आतंकियों का मददगार या आतंकी समझा जाएगा.

रॉयटर्स के मुताबिक इजराइली सेना की ओर से जारी मैसेज को इजराइली रक्षा बलों और लोगो के साथ चिह्नित किया गया है. इतना ही नहीं, इस तरह का संदेश गाजा पट्टी में ऑडियो मैसेजों के जरिए भी सर्कुलेट किया गया है. इन संदेशों में कहा गया है, 'वादी गाजा के नॉर्थ में आपकी मौजूदगी खतरे में डाल सकती है. अगर कोई उत्तरी गाजा को छोड़ दक्षिण की ओर मूव नहीं करता है, तो उसको आतंकी संगठन के सहयोगी के रूप में देखा जा सकता है.'

भारत ने गाजा के लिए भेजी राहत सामग्री

नई दिल्ली। इजराइल-हमास जंग के बीच भारत ने रविवार को गाजा के लोगों के लिए मानवीय सहायता भेजी है. भारत ने मदद के लिए हाथ आगे बढाते हुए राहत सामग्री भेजी है. यह जानकारी विदेश मंत्रालय की तरफ से दी गई. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने अरिंदम बागची ने ट्वीट कर कहा कि भारत ने गाजा के लोगों के लिए मिस्र के रास्ते मदद भेजी है. प्रवक्ता ने बताया,फिलिस्तीन के लोगों के लिए 6.5 टन मेडिकल हेल्प और 32 टन राहत सामग्री लेकर आईएएफ सी C-17 विमान मिस्र के एल-अरिश हवाई अड्डे के लिए रवाना हुआ है. गाजा के लिए भेजी गई मदद में जीवन रक्षक दवाएं, सर्जिकल सामान, तंबू, स्लीपिंग बैग, तिरपाल, स्वच्छता सुविधाएं, पानी को शुद्ध करने वाली टैबलेट समेत अन्य आवश्यक वस्तुएं शामिल हैं. बता दें कि गाजा में मदद पहुंचाने के लिए मिस्र की तरफ से राफाह बॉर्डर खोला जा चुका है.

फिलिस्तीन में 5300 से ज्यादा की मौतें

हालांकि फ़िलिस्तीनी रेड क्रिसेंट सोसाइटी का कहना है कि गाजा में मानवीय सहायता भेजा जाना उम्मीद की एक स्वागत योग्य झलक है, लेकिन यह मामूली सहायता समुद्र में एक बूंद का बराबर है. अब भारत ने भी मदद का हाथ आगे बढ़ते हुए राहत सामग्री गाजा के लिए भिजवाई है.

रांची पहुंची जापान की टीम, ढोल-नगाड़ों के साथ स्वागत

वीमेंस एशियन हॉकी चैंपियनशिप के लिए रविवार को जापान की टीम रांची पहुंची. एयरपोर्ट पर ढोल-नगाड़ों के साथ टीम का जोरदार स्वागत किया गया. आयोजकों ने खिलाड़ियों को पारंपरिक गमछा और बुके देकर स्वागत किया. इस दौरान ढोल-नगाड़ों की थाप पर जापान की खिलाड़ी भी थिरकती नजर आयीं. इसके बाद जापानी टीम खिलाड़ियों को कड़ी सुरक्षा के बीच एयरपोर्ट से होटल चाणक्या बीएनआर पहुंचाया गया. विशेष आयोजन 8-9 पर

अब कमेटी तय करेगी गैरमजरुआ जमीन पर किसका है अधिकार

संवाददाता। रांची

» राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग लैंड रिफॉर्म एक्ट 1950 के तहत इस समिति का गठन करेगा

» मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कमेटी बनाने को लेकर विभाग को निर्देश दे दिया है

झारखंड में गैरमजरुआ जमीन की परिभाषा जल्द ही तय होने की संभावना है. गैरमजरुआ जमीन पर किसका अधिकार होगा, यह अब कमेटी तय करेगी. राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग लैंड रिफॉर्म एक्ट 1950 के तहत इस समिति का गठन करेगा. यह कमेटी तय करेगी की जमीन पर दावेदार का हक है या फिर सरकार का. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कमेटी बनाने को लेकर विभाग को निर्देश दे दिया है. यह कमेटी दो महीने में विभाग को अपनी रिपोर्ट देगी. दरअसल गैरमजरुआ आम और खास भूमि के संबंध की राज्य में कोई स्पष्ट परिभाषा नहीं है. छोटानागपुर टेनेंसी एक्ट (सीएनटी) और संथाल परगना टेनेंसी एक्ट (एसपीटी) में भी गैरमजरुआ जमीन को लेकर स्पष्ट तौर पर कुछ नहीं कहा गया है. इस कारण इसे लेकर भ्रम की स्थिति बनी हुई है. गैरमजरुआ भूमि विवाद के हजारों मामले अदालतों में लंबित हैं.

छुट्टी की सूचना

दुर्गा पूजा और दशहरा के उपलक्ष्य में शुभम संदेश और लगातार.इन का कार्यालय 23 और 24 अक्टूबर को बंद रहेगा. अतः अखबार का अगला अंक 26 अक्टूबर को आएगा. शुभम संदेश के सभी सुधि पाठकों, विज्ञापनदाताओं और शुभचिंतकों को इस पावन महापर्व की हार्दिक बधाई.

-संपादक

सर्राफा

सोना (बिक्री)	56,900
चांदी (किलो)	74,500

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	31.6	20.0
जमशेदपुर	31.6	19.8
डालटनगंज	32.4	17.5

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

मौसम का हाल दुर्गा पूजा में नहीं होगा बारिश का व्यवधान, झारखंड में छाए रह सकते हैं बादल

रेड अलर्ट : एक साथ तटीय राज्यों में आ रहे दो तूफान

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय मौसम विभाग ने अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में एक साथ उठे तूफान को लेकर अलर्ट जारी किया है. तूफान की गति को देखते हुए समुद्रतटीय इलाकों में अलर्ट जारी किया गया है. अरब सागर से उठे तूफान का नाम ''तेज'' तो बंगाल की खाड़ी से उठे तूफान का नाम ''हामून'' रखा गया है. इससे पहले 2018 में एक साथ दो तूफान आए थे. मौसम विभाग ने बताया है कि तूफान ''तेज'' अब भीषण तूफान में बदल गया है. ''हामून'' को लेकर फिलहाल कोई खतरा नहीं है. दोनों तूफानों के कारण कुछ प्रदेशों में बारिश की संभावना है.

झारखंड के भी कुछ हिस्सों में बारिश की संभावना

इधर, झारखंड में दुर्गापूजा के दौरान राज्य के कुछ इलाके में बारिश का पूर्वानुमान लगाया गया है. हालांकि अभी इसकी संभावना काफी कम है. बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्व व ईस्ट सेंट्रल के सीमावर्ती क्षेत्रों में निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है. इस वजह से बारिश की आशंका जताई जा रही है. मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक दो दिन बारिश के आसार हैं. बारिश राज्य के उत्तर-पूर्वी, दक्षिण-पूर्वी और पूर्व व मध्य हिस्से में हो सकती है.

24 को राजधानी में छाएंगे बादल

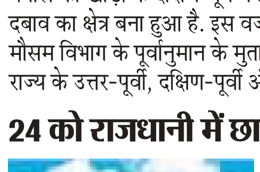

मौसम केंद्र रांची ने पूर्वानुमान के मुताबिक रांची समेत आसपास के क्षेत्रों में 22-23 अक्टूबर को आसमान साफ रहेगा, जबकि 24 - 25 अक्टूबर को आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं. वहीं बारिश की बात करें, तो 24 अक्टूबर को राज्य के उत्तर-पूर्वी व दक्षिण-पूर्वी भागों व 25 अक्टूबर को राज्य के पूर्वी व निकटवर्ती मध्य भागों में कुछ स्थानों पर हल्की बारिश होने की संभावना जताई गई है.

26-27 अक्टूबर को आसमान रहेगा साफ

मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो 26 और 27 को आसमान साफ रहेगा. मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के मुताबिक बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्व व ईस्ट सेंट्रल के सीमावर्ती क्षेत्रों में निम्न दाब क्षेत्र बना हुआ है. अब यह सिस्टम उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा है और डिप्रेशन में परिवर्तित होगा. इसके बाद यह सिस्टम आगामी तीन दिनों में उत्तर से उत्तर-पश्चिम होते हुए बांग्लादेश व पश्चिम बंगाल के तटीय सीमावर्ती क्षेत्र की ओर बढ़ेगा.

24 को पारादीप पहुंच सकता है हामून

इस बीच, मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार को कहा कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना दबाव 24 अक्टूबर तक कम तीव्रता वाला चक्रवाती तूफान बन सकता है. आईएमडी ने एक बुलेटिन में कहा कि दबाव ओडिशा के पारादीप से लगभग 610 किमी दक्षिण में केंद्रित है. इसमें कहा गया है, "अगले 24 घंटों में सिस्टम के गहरे दबाव में और तेज होने की संभावना है. यह अगले 12 घंटों में उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ेगा और फिर अगले तीन दिनों में बांग्लादेश-पश्चिम बंगाल तटों की ओर बढ़ेगा. हालांकि इसके हामून चक्रवाती तूफान बनने की संभावना है, लेकिन यह एक बहुत कमजोर प्रणाली का हो सकता है. इसका ओडिशा पर मामूली प्रभाव पड़ेगा, जिससे हल्की से मध्यम बारिश होगी. मछुआरों को 24-25 अक्टूबर तक समुद्र में न जाने की चेतावनी दी गई है क्योंकि हालात खराब रहेंगे. आईएमडी ने किसानों को 23 अक्टूबर तक परिपक्व धान की फसल काटने के लिए आगाह किया है क्योंकि तटीय ओडिशा के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है. सिस्टम के प्रभाव से 23 अक्टूबर को तटीय ओडिशा में कुछ स्थानों पर और 24-25 अक्टूबर को कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है.

बाज नहीं आ रहा चीन

एलएसी पर बनाए हेलीपैड, बिछाया सड़कों का जाल

नई दिल्ली। सीमा पर चीन नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा. अमेरिकी रक्षा विभाग विभाग पेंटागन की रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि चीन ने एलएसी पर 2022 में बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य किए और अपनी सेना की तैनाती को भी बढ़ा दिया. रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के साथ तनाव के बीच चीन ने डोकलाम के पास नई सड़कें, बंकर, पैंगोंग झील पर दूसरा पुल और एलएसी के पास हवाई अड्डा और कई हेलीपैड तैयार किए हैं.भारत और चीनी सैनिकों के बीच बीते तीन साल से टकराव बना हुआ है. पेंटागन ने मिलिट्री एंड सिक्योरिटी डेवलेपमेंट्स इन्वोल्विंग द पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना'' नाम से यह रिपोर्ट जारी की है.

परंपरा : विविध आस्था के संग दुर्गा पूजा के कई रंग

काली बाड़ी की प्रतिमा

- अति प्राचीन प्रजनन पंथ से जुड़ा है शारदीय नवरात्र का त्योहार
- लक्ष्मी पूजा तक बंगाली मनाते हैं विजयादशमी, नवरात्र में मायके आ जाती हैं देवी

बंगाली दुर्गा पूजा पंडाल की प्रतिमा

अमरनाथ पाठक। हजारीबाग

विविध आस्था के संग नवरात्र-दशहरा के कई रंग बिखरे पड़े हैं. विभिन्न जगहों पर भिन्न-भिन्न तरीके से मां दुर्गा की पूजा की जाती है. नवरात्र पर्व भले एक है, लेकिन इससे जुड़ी अनेक आस्था हैं. संथाली नौ दिनों तक देवी इरा की पूजा करते हैं और इसे अतिप्राचीन प्रजनन पंथ से जुड़ा त्योहार मानते हैं.

वहीं बंगाली समाज में लक्ष्मी पूजा तक विजयादशमी मनाने का विधान है. बंगालियों में यह मान्यता है कि विजयादशमी में देवी अपनी मायके आ जाती हैं. वहीं सनातन धर्मावलंबी असत्य पर सत्य का विजय के प्रतीक के रूप में दशहरा मनाते हैं. लंका में रावण पर भगवान श्रीराम के विजयोत्सव को दशहरा मानते हैं.

शुभ शक्ति के रूप में मां दुर्गा का अवतरण

मार्कण्डेय पुराण के अनुसार शुभ शक्ति के रूप में मां दुर्गा के अवतरण की बात कही गई है. नौ दिनों तक नौ रूप धारण कर माता पृथ्वी पर असुरों से मुक्ति दिलाई थीं. इतिहास के जानकार शुभाशीष दास बताते हैं कि संथाली नवरात्र को 'दस' और 'इरा' के रूप में देखते हैं. 'इरा' संथालों की देवी हैं और दशहरा में देवी 'इरा' के अलग-अलग दस स्वरूपों की पूजा दस दिनों तक की जाती है. विष्णु पुराण के अनुसार महर्षि कश्यप की कई पत्नियों में एक पत्नी 'इरा' हैं. इसे संथाली सदियों से देवी के रूप में पूजते चले आ रहे हैं.

नौ दिनों तक स्थापित कलश मातृगर्भ की निशानी

इतिहासकार डीडी कौशांबी के अनुसार नवरात्र का त्योहार अतिप्राचीन प्रजनन पंथ से जुड़ा है. नौ दिनों तक स्थापित कलश मातृगर्भ की निशानी है. नबावगंज निवासी बुबू दास कहती हैं कि बंगालियों में यह मान्यता है कि नवरात्र के पहले दिन ही माता अपने मायके आ जाती हैं और लक्ष्मी पूजा में वापस जाती हैं.

शारदीय नवरात्र पर डांडिया नाइट, गानों की धुन पर थिरके लोग

डांडिया की धूम, संगीत पर थिरके भक्त

संवाददाता। लातेहार

शारदीय नवरात्र पर लातेहार में डांडिया की धूम मच रही है. विभिन्न पूजा संघ डांडिया नाइट का आयोजन कर रहे हैं. शहर के वैष्णव दुर्गा मंदिर परिसर में भी बच्चों के लिए डांडिया प्रतियोगिता आयोजित किया गया. कार्यक्रम का उदघाटन मंदिर समिति के संरक्षक अभिनंदन प्रसाद, अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता, सचिव आशीष कुमार टैगोर, उपाध्यक्ष शशिभूषण पांडेय, कन्हाई प्रसाद अग्रवाल, रंजीत कुमार, रविंद्र प्रजापति आदि ने दीप प्रज्वलित कर किया.

कार्यक्रम में बच्चों के जूनियर एवं सीनियर ग्रुप ने एक से बढ़ कर एक कार्यक्रम प्रस्तुत कर लोगों का खूब मनोरंजन किया. कार्यक्रम का संयोजन कोरियाग्राफर मुन्ना देवा ने किया. सचिव आशीष टैगोर ने बताया कि प्रतियोगिता के विजेताओं को नवमी के दिन पुरस्कार दिया जायेगा. मौके पर दीपक विश्वकमा, प्रदीप प्रसाद, आकाश कुमार जायसवाल, संतोष दुबे आदि मौजूद थे.

कई जगहों पर डांडिया नाइट का हुआ आयोजन : महासप्तमी के अवसर प्रखंड सह वन कार्यालय परिसर में सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति ने डांडिया का आयोजन किया. इसमें बड़ी संख्या में महिला, पुरूष व बच्चों ने भाग लिया.

मौके पर रूद्र प्रताप, वारिश सिंह व अनंजय कुमार के अलावा पूजा समिति के कई सदस्य आदि उपस्थित रहे. शहर के बजरंग होटल में भी एनवीसी एकेडमी ने डांडिया का आयोजन किया. इसमें प्रशांत कुमार प्रिंस व दीपक पांडेय समेत कई लोग शामिल हुए. यहां ऋषिका रंजन ने अपना कार्यक्रम प्रस्तुत कर लोगों का खूब मनोरंजन किया.

महाष्टमी पर श्रद्धा का संचार पंडालों में उमड़ी भक्तों की भीड़

संवाददाता। बहरागोड़ा

बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के सभी पूजा पंडाल में महाष्टमी पूजा को लेकर सुबह से ही पूजा पंडालों में भक्तों की भीड़ उमड़ रही है. महाअष्टमी पर श्रद्धालुओं ने बहरागोड़ा के सात पूजा पंडालों में पूजा अर्चना की. इस दौरान पुजारी ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ श्रद्धालुओं को पुष्पांजलि कराई. सभी ने मां दुर्गा की पूजा अर्चना कर अपने घर-परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की. इसके तत्पश्चात भक्तों के बीच खिचड़ी भोग वितरण किया गया. महाअष्टमी पूजा को लेकर युवाओं खासा उत्साह देखने को मिला. सभी ने पारंपरिक परिधान पहनकर पूजा अर्चना की. इस दौरान काफी संख्या में महिलाएं भी मौजूद रहीं.शाम को सभी पूजा पंडाल में संधि पूजा आयोजित की गई.इस दौरान पंडाल में काफी भीड़ देखी गई.

जमशेदपुर में धूमधाम से मनी महाअष्टमी

जमशेदपुर । नवरात्रि में महाअष्टमी का बड़ा महत्व है. महाअष्टमी के दिन माता के महागौरी स्वरूप की पूजा की जाती है. अष्टमी के दिन श्रद्धालु अपने परिवार के लिए सुख शांति समृद्धि के लिए व्रत रखते है. महाअष्टमी के अवसर मां दुर्गा की पूजा अर्चना व पुष्पांजलि करने और माता की दर्शन के लिए शहर के पूजा पंडाल में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी है. शहर के कई पूजा पंडाल के कन्या पूजन का आयोजन भी किया. वहीं जमशेदपुर के बिष्टुपुर स्थित गुजराती सनातन समाज द्वारा नवरात्रि के अवसर पर गुजराती परंपरा के अनुसार डांडिया एवं गरबा का आयोजन किया जाता है. साथ ही सदस्यों के लिए गुजराती व्यंजन का आयोजन किया जाता है.

आदित्यपुर में थाल पूजन, उमड़े श्रद्धालु

आदित्यपुर। शारदीय नवरात्र की महाष्टमी को शहर के दुर्गा मंदिरों में पूजा के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी. पंडाल आयोजक और प्रशासन ने भी सुरक्षा का पुख्ता बंदोबस्त किया था. अहले सुबह से ही श्रद्धालु व भक्तगण माता की पूजा-अर्चना और दर्शन के लिए पहुंचने लगे थे.

आरएसएस ने मनाया विजयादशमी उत्सव

संवाददाता। जमशेदपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की जमशेदपुर महानगर इकाई ने एग्रिको स्थित ट्रांसपोर्ट मैदान में विजयदशमी उत्सव मनाया, जिसमें संघ के स्वयंसेवकों ने पथ संचलन भी किया. गणवेश में लगभग 500 स्वयंसेवकों ने पथ संचलन में हिस्सा लिया, जिनका स्वागत स्थानीय लोगों द्वारा पुष्प वर्षा से किया. सबसे पहले एग्रिको ट्रांसपोर्ट मैदान में शहर भर के स्वयंसेवक जुटे जहां संस्थापक डॉ केशव बलिराम हेडगेवार के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर यहां से पथ संचलन शुरू हुआ. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ नागेन्द्र कुमार दास उपस्थित थे. बौधिककर्ता के रूप में आरएसएस के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य बी भगैया मौजूद थे.

दिखाई दिया अनुशासन : कार्यक्रम का शुभारंभ प्रार्थना से हुआ, जिसके बाद पदाधिकारियों ने स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन किया. पथ संचलन भुइयांडीह, भालूबासा होते हुए वापस ट्रांसपोर्ट मैदान पहुंच कर समाप्त हुई. इस मौके पर आरएसएस कार्यकर्ताओं का अनुशासन देखते ही बन रहा था. सफेद शर्ट, खाकी पैंट, सर में टोपी और हाथ में डंडा लिए शहर भ्रमण किया.

ज्ञानपीठ मैथिली सलाहकार समिति के सदस्य बने अशोक

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर के करनडीह स्थित एलबीएसएम कॉलेज के प्राचार्य डॉ अशोक कुमार झा "अविचल" को भारत की सर्वोच्च पुरस्कार प्रदाता भारतीय ज्ञानपीठ का मैथिली सलाहकार समिति सदस्य बनाया गया है. बता दें कि डॉ झा मैथिली, हिंदी साहित्यकार, साहित्य अकादमी के उत्तर पूर्वी क्षेत्र के पूर्व निदेशक एवं कार्यकारी सदस्य भी रहे हैं. डॉ अविचल को तीन वर्ष के लिए इस महत्वपूर्ण समिति का सदस्य बनाया गया है.

भारतीय ज्ञानपीठ प्रत्येक भारतीय भाषाओं के लिए दो-दो सदस्यों को पुरस्कार की अनुशंसा एवं अन्य कार्यों के लिए नामित करता है.

करीब दो दर्जन से अधिक पुस्तकें लिख चुके डॉ अविचल इससे पूर्व वर्ष 2012 से 2017 तक साहित्य अकादमी के एडवाइजरी बोर्ड के सदस्य एवं मार्च 2022 तक मैथिली एडवाइजरी बोर्ड के को-ऑर्डिनेटर भी रह चुके हैं. उनकी उपलब्धि के लिए कोल्हान विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ जयंत शेखर, वित्त पदाधिकारी डॉ बीके सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ एके चौधरी समेत एलबीएसएम कॉलेज के सभी शिक्षकों व शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने बधाई दी है.

सीआईआरडी स्कूली बच्चों में आत्म विश्वास विकसित करने के दिए गए टिप्स

'आई कैन' में दिखी स्कूली बच्चों की बौद्धिक क्षमता

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर के सर्किट हाउस एरिया स्थित आत्मीय वैभव विकास केंद्र (सीआईआरडी) में रविवार को स्कूली बच्चों में आत्म विश्वास विकसित करने के उद्देश्य से "आई कैन" (मैं कर सकता हूं) कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यशाला में विभिन्न विद्यालयों के 10 से 15 आयु वर्ग के 42 बच्चों ने उत्साह पूर्वक हिस्सा लिया. इस कार्यशाला का संचालन सीतालक्ष्मी ने किया. वह मूलतः मलेशिया निवासी हैं.

वहां उन्होंने इस प्रकार की कार्यशालाओं के माध्यम से बच्चों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया है. सीतालक्ष्मी स्वामी भूमानंद तीर्थ की शिष्या हैं और उनकी प्रेरणा से ही उन्होंने इस कार्यशाला का आयोजन किया. उनके साथ स्नेहा, श्वेता रॉय, लक्ष्मीनारायण, सीमा चक्रवर्ती, संजय चक्रवर्ती, डॉ मीरु एवं डॉ अरविंदन समेत अन्य ने सहयोग किया.

कार्यशाला में शामिल बच्चे.

कार्यशाला में बच्चों को कई प्रकार के कार्य करने के लिए दिये गये. इसमें एक धातु के पिन को जल में तैराना, अपनी कल्पना से कोई चित्र बनाना, मिट्टी से विभिन्न प्रकार के आकार बनाना आदि शामिल था. बच्चों ने अपनी बुद्धि और समझ से प्रयास किया. उसके बाद उन्हें बताया गया कि किसी भी कार्य को करने के लिए यदि हमें सही तकनीक पता हो तो हम उसे सरलता से कर सकते हैं. उसके लिए हमें अपनी बुद्धि पर जोर डालना चाहिए और स्वयं पर विश्वास होना चाहिए कि मैं इसे कर सकता हूं. हमारी बुद्धि की क्षमता अपार है. हमारा मस्तिष्क एक सुपर ब्रेन है. जैसे एक मिट्टी के लोंदे से हम अनगिनत आकार बना सकते हैं, उसी प्रकार अपने मस्तिष्क का प्रयोग कर हम अनंत कार्य कर सकते हैं.

सीतालक्ष्मी ने बच्चों को बताया कि जिस प्रकार इस मिट्टी का उपयोग यदि हम नहीं करेंगे तो यह सूख कर कठोर हो जाएगी, उसी प्रकार यदि हम अपने मस्तिष्क का भी प्रयोग नहीं करेंगे तो यह ख़राब हो जाएगा. इसलिए इसका उपयोग कर अपने जीवन को हमें अच्छा बनाना है. कार्यशाला में स्वामी निर्विशेषानंद तीर्थ स्वयं उपस्थित थे.

खास बातें

- कार्यशाला में 42 से अधिक छात्रों ने शिरकत की
- कार्यशाला में बच्चों ने आनंदपूर्वक हिस्सा लिया

वीमेंस यूनिवर्सिटी के लर्निंग सपोर्ट सेंटर में बीएड की कार्यशाला

समावेशी शिक्षा पर दिया गया बल

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी के लर्निंग सपोर्ट सेंटर में आयोजित इग्नू बीएड की कार्यशाला-2 के चौथे दिन के सत्र की इग्नू को-ऑर्डिनेटर डॉ त्रिपुरा झा एवं नेहा सुरुचि मिंज ने प्रार्थना सभा के साथ शुरुआत की. रिसोर्स पर्सन के रूप में उपस्थित कोल्हान विश्वविद्यालय शिक्षाशास्त्र विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ मनोज कुमार ने कार्यशाला का प्रथम एवं द्वितीय सत्र का संचालन किया. उन्होंने समावेशी शिक्षा विषयक व्याख्यान के द्वारा महत्व को रेखांकित किया एवं विभिन्न प्रकार से विद्यार्थियों के बारे में चर्चा करते हुए एक ज्ञानवर्धक पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन दिया.

उन्होंने दिव्यंगता के विभिन्न आयामों पर चर्चा करते हुए यह समझाने का प्रयत्न किया कि यह सभी हमारे समाज एवं देश का अंग हैं. इनको सामान्य व्यक्तियों की भांति सम्मान का अधिकार है. इसलिए आजकल समावेशी शिक्षा को पठन-पाठन का एक महत्वपूर्ण अंग बनाना चाहिए. आज प्रशिक्षुओं को समूह में विभाजित किया गया. सभी समूह में लगभग छह प्रशिक्षुओं ने हिस्सा लिया एवं समावेशी शिक्षा पर विभिन्न प्रकार की प्रस्तुति दी. तीसरी एवं चौथे सत्र का संचालन करीम सिटी कॉलेज शिक्षा संकाय की प्राचार्य डॉ सुचेता भुइयां ने किया. उन्होंने समावेशी शिक्षा के महत्व गुण एवं विभिन्न प्रकार की शैक्षिक प्रणाली पर चर्चा की. सत्र के संचालन में नेहा सुरुचि मिंज, उपेंद्र कुमार, इग्नू को-ऑर्डिनेटर डॉ त्रिपुरा झा समेत सभी प्रशिक्षुओं की सराहनीय भूमिका रही.

शारदीय नवरात्र
नवमं सिद्धिदात्री

सिद्धगन्धर्वयक्षाद्यैरसुरैरमरैरपि। सेव्यमाना सदा भूयात् सिद्धिदा सिद्धिदायिनी।।

शारदीय नवरात्र के नौवें दिन महागौरी की पूजा-अर्चना का विधान किया गया है. इनकी कृपा से सम्पूर्ण सिद्धिया प्राप्त हो जाती है, फिर कुछ भी असंभव नहीं रह जाता.

विग्रहः मां सिद्धिदात्री कमल के फूल पर विराजमान हैं और उनकी चार भुजाएं हैं. मां सिद्धिदात्री की सवारी सिंह हैं. देवी ने सिद्धिदात्री का यह रूप भक्तों पर अनुकम्पा बरसाने के लिए धारण किया है. देवता, ऋषि-मुनि, असुर, नाग, मनुष्य सभी मां के भक्त हैं.

पूजा विधिः सबसे पहले मां सिद्धिदात्री के समक्ष दीपक जलाएं. अब मां को लाल रंग के नौ फूल अर्पित करें. कमल का फूल हो तो बेहतर है. इन फूलों को लाल रंग के वस्त्र में लपेटकर रखना चाहिए. इसके बाद माता को नौ तरह के खाद्य पदार्थ चढ़ाएं. अपने आसपास के लोगों में प्रसाद बांटे. साथ ही गरीबों को भोजन कराएं. इसके बाद स्वयं भोजन ग्रहण कर लें.

-डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

राजद नेता ने अनाथाश्रम में वस्त्रों का किया वितरण

संवाददाता । देवघर

प्रदेश राजद के सचिव सह मधुपुर से राजद के पूर्व विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी संजय भारद्वाज ने मां दुर्गा के सप्तम स्वरूप की पूजा अर्चना कर देवघर के नैयाडीह स्थित नारायण सेवा आश्रम में कन्या पूजा की. इस अवसर पर भारद्वाज ने अनाथ आश्रम में रहने वाली कन्याओं के बीच नए वस्त्रों का वितरण भी किया.

इस अवसर पर भारद्वाज ने कहा कि नारी शक्ति की पूजा सृष्टि के आरंभ से ही होती आ रही है. निश्छल बच्चों और विशेषकर कन्याओं की प्रसन्नता से माता दुर्गा प्रसन्न होती हैं और हमें आत्मिक सुख मिलता है. धर्म हमें मानव सेवा की प्रेरणा देता है, जिससे भावी पीढ़ी में संस्कारों का सृजन होता है. इसलिए हमें नौजवानों और बच्चों को भी ऐसे धर्मार्थ और सामाजिक कार्यों के लिए प्रेरित करना चाहिए. भारद्वाज ने कहा कि वे वर्ष 2010 से ही नवरात्र में गरीब कन्याओं के बीच बिना किसी भेदभाव के नए वस्त्रों का वितरण करते आए हैं. इसी क्रम में महाष्टमी के अवसर पर देवीपुर प्रखंड के बाघमारी ग्राम तथा मधुपुर विधानसभा क्षेत्र की मलिन बस्तियों में और महानवमी के अवसर पर देवघर के शहरी क्षेत्र की बस्तियों में गरीब कन्याओं के मध्य नए वस्त्र वितरित किए जाएंगे. प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी कम से कम 501 कन्याओं को नए वस्त्र पहनाकर उनका आशीर्वाद प्राप्त करेंगे. इस कार्यक्रम में सहयोग देने के लिए शोभानाथ नरोने, अरविंद सिंह यादव, चंदन वर्मा, धीरेंद्र राउत, रवि रमानी, अतिशय भारद्वाज तथा रमन भारद्वाज आदि मौके पर उपस्थित रहे.

खास बातें
- देवघर के नारायण सेवा आश्रम में कन्या पूजा की
- सृष्टि के आरंभ से हो रही है नारी शक्ति की पूजा

आओ जानें

जमशेदपुर पश्चिम से कब कौन जीतकर पहुंचे झारखंड विधानसभा

वर्ष	पार्टी	विधायक
2000	भाजपा	मृगेंद्र प्रताप सिंह
2005	भाजपा	सरयू राय
2009	कांग्रेस	बन्ना गुप्ता
2014	भाजपा	सरयू राय
2019	कांग्रेस	बन्ना गुप्ता

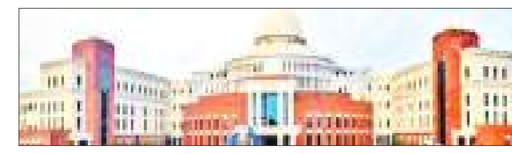

आरएसएस के कार्यक्रम में दो दिग्गज नेता, एक दूसरे को देखकर मुस्कुराए

अर्जुन और सरयू राय ने थामा एक दूसरे का हाथ

संवाददाता । जमशेदपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा एग्रिको में आयोजित विजयादशमी उत्सव में केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय, पूर्व डीआईजी सह भाजपा नेता राजीव रंजन सिंह और पूर्व आईएएस सह भाजपा नेता विजय कुमार उपस्थित थे. सरयू राय को छोड़कर इनमें से कोई गणवेश में भी नहीं थे. कार्यक्रम के बाद अर्जुन मुंडा और सरयू राय के बीच काफी देर तक बातचीत हुई. मैदान में दोनों एक दूसरे का हाथ थामे नजर आए. हालांकि दोनों के बीच क्या खास बातचीत हुई यह तो बताना मुश्किल है, लेकिन दोनों नेता जिस तरह से आपस में मिले, उसे देख राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह की चर्चाओं का बाजार गर्म है. इस दौरान दोनों काफी खुश नजर आए.

अभय सिंह ने भी सरयू से की थी भेंट : बता दें कि शनिवार को ही सरयू राय के घर पर भाजपा नेता अभय सिंह पहुंचे थे. जहां दोनों ने काफी देर बातचीत की थी. हालांकि सरयू राय ने इसे औपचारिक मुलाकात बताया था. कहा गया था कि अभी दुर्गा पूजा है. इस दौरान एक दूसरे से मिलकर शुभकामनाएं और बधाई देने की प्रथा है. अभय सिंह के साथ उनके संबंध बहुत आत्मीय और पुराने हैं.

गोविंदपुर में रावण दहन, अर्जुन होंगे मुख्य अतिथि

जमशेदपुर । छोटा गोविंदपुर स्थित वीर कुंवर सिंह मैदान में इस बार 51 फीट के रावण का पुतला दहन किया जायेगा. आयोजन समिति के संस्थापक अध्यक्ष राधेश्याम सिंह और सह अध्यक्ष कमलेश सिंह ने उक्त जानकारी दी. उन्होंने बताया कि गोविदपुर, गदरा, आसनबनी, डोमझुड़ी, हुडको समेत अन्य जगहों से लोग इस ऐतिहासिक रावण दहन को देखने आते हैं. आयोजक राधेश्याम सिंह और कमलेश सिंह ने बताया कि मुख्य अतिथि अर्जुन मुंडा और प्रमुख समाजसेवी अमरप्रीत सिंह काले के हाथों रावण दहन किया जायेगा. इस अवसर पर करीब दो घंटे की भव्य आतिशबाजी होगी.

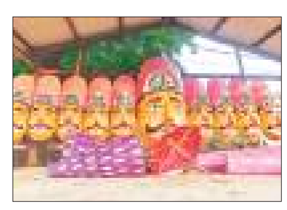

करीब दो घंटे होगी आतिशबाजी : रावण दहन समिति के द्वारा बताया गया कि विजयदशमी के शुभ अवसर पर 24 अक्टूबर को संध्या 6 बजे से रावण दहन कार्यक्रम प्रारंभ होगा. इस बार रावण का पुतला बनाने वाले कारीगर अपना काम कर रहे हैं.

कॉमरेड शफीक खान की पुण्यतिथि मनाई गई

बेरमो । भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी बेरमो शाखा की ओर से मजदूर नेता दिवंगत नेता कॉमरेड शफीक खान की 19 वीं पुण्यतिथि फुसरो के संडे बाजार स्थित स्मृति भवन मनाई गई. पुण्यतिथि के अवसर पर क्षेत्र के कई राजनीतिक दल व ट्रेड यूनियन के नेता शामिल हुए. कॉमरेड चंद्रशेखर झा की अध्यक्षता में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस दौरान कामरेड शफीक खान की तस्वीर पर माल्यार्पण व श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया. समारोह का उद्घाटन एटक के नेता व जेबीसीसीआई सदस्य कामरेड लखन लाल महतो ने किया. उन्होंने शफीक खान के व्यक्तित्व व कृतित्व की चर्चा की गई.

बीएंडके प्रक्षेत्र के महाप्रबंधक एमके राव ने कहा कि कामरेड शफीक खान मानवता के समर्थक होने के साथ साथ कोयला जगत की बेहतरी की चाह रखनेवाले महान पुरुष थे. सीपीएम के कामरेड भागीरथ शर्मा, इंटक के गिरजा शंकर पाण्डेय, श्यामल सरकार, वरुण सिंह, माले के कामरेड विकास सिंह, बेरमो प्रमुख गिरजा देवी, परियोजना पदाधिकारी अरविंद शर्मा, यूसीडब्ल्यू से कमरेड गणेश प्रसाद महतो कामरेड सुजीत कुमार घोष, एटक से आफताब आलम, विजय भोई, जेएमएम से जय नारायण महतो ने सम्बोधित किया.

विहिप और बजरंग दल ने लिया मां का आशीर्वाद

संवाददाता । सिंदरी

शारदीय नवरात्र के महाष्टमी तिथि को विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के जिला और नगर कमेटी ने संयुक्त रूप से सिंदरी के विभिन्न पूजा पंडालों में मां महागौरी रुप का दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया. इस मौके पर बजरंग दल सिंदरी प्रखंड मातृशक्ति दुर्गा वाहिनी द्वारा गौशाला दुर्गा मंदिर में आयोजित शस्त्र पूजन में शामिल हुए.

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल धनबाद जिला मंत्री सोनू गिरी ने बताया कि दुर्गा वाहिनी द्वारा आयोजित शस्त्र पूजन के बाद पद संचलन में भाग लेने का मौका पाकर धन्य हो गया. उन्होंने सिंदरी के विभिन्न पंडाल समितियों के द्वारा विशेष सम्मान के लिए धन्यवाद दिया. उन्होंने इस मौके पर डोमगढ़ शिव मंदिर, आरएमकेफोर तथा नीचे आरएमफोर पंडाल का उद्घाटन किया.

मौके पर ये थे उपस्थित : मौके पर विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल धनबाद महानगर जिला मंत्री विकास गिरी उर्फ सोनू गिरी, विभाग सह संयोजक आनंद महतो, जिला संयोजक सोनू सिंह, प्रखंड मंत्री सिंटू सिंह, प्रखंड उपाध्यक्ष दुलाल महतो व रोहित सिंह, खंड मंत्री नीरज गिरी, जितेंद्र कुमार, जीतू कुमार, दीपक सिंह, धीरज दुबे, रंजीत कुमार निषाद, गोलू कुमार, गणेश रजक, प्रकाश कुमार, करण महतो, कर्णेश, सागर ठाकुर सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे.

आजाद समाज पार्टी पूर्वी सिंहभूम जिला की टीम घोषित

जमशेदपुर । आजाद समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष काशिफ रजा ने रविवार को पूर्वी सिंहभूम जिला के कार्यकारिणी की घोषणा की. जिसमें घाटशिला के दुर्योधन महतो को पूर्वी सिंहभूम का जिला अध्यक्ष बनाया गया है. जबकि नासिक अंसार को महानगर अध्यक्ष एवं मंजीत यादव, सरदार रोहित दीप सिंह, भोला रविदास और शमीम अकरम को उपाध्यक्ष बनाया गया. सिख नेता सरदार सुरजीत सिंह को जिला प्रवक्ता बनाया गया. प्रसिद्ध आदिवासी मनाधिकार कार्यकर्ता सन्नी सामद को जिला महासचिव, जिले के दो युवा चेहरे मजहर खान को युवा अध्यक्ष और मुहम्मद शोएब को जिला संगठन सचिव बनाया गया है. सरदार परमजीत सिंह, वाहिद अली और शिक्षाविद सय्यद खलील अहमद को जिला सचिव बनाया गया है. वहीं दिलशाद अख्तर को कोषाध्यक्ष बनाया गया.

भाई चारा कायम रहे, यही कामना करता हूं: तनवीर

संवाददाता । साहिबगंज

बरहरवा प्रखंड में रविवार को नवरात्रि के महाअष्टमी में कांग्रेस के प्रदेश महासचिव सह पाकुड़ जिला प्रभारी तनवीर आलम ने बरहरवा प्रखण्ड अंतर्गत विभिन्न पंचायतों के करेला, बरारी, गणेशपुर, शुक्रवासिनी, कालू बेलडांगा, रिसोर, ग्रामशीर, , रानी ग्राम, मालीन, चणडीपुर, बरहरवा नगर पंचायत के बंगलीपाड़ा, हाटपाडा, रेलवे कलौनी आदि ग्रामों में स्थित दुर्गापूजा पंडाल का भ्रमण कर माता का दर्शन किया और प्रसाद ग्रहण किया. इस दौरान पंडाल में उपस्थित पूजा कमेटी के सदस्यों एवं बड़े बुजुर्ग से मुलाकात कर हालचाल जाना. इस दौरान उन्होंने कहा कि दुर्गापूजा बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है, क्योंकि यह राक्षस महिषासुर पर देवी दुर्गा की विजय का जश्न है. उन्होंने श्रद्धा का महापर्व दुर्गापूजा पर समस्त झारखंड वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए हर्ष और उल्लास के साथ त्योहार मानने की बात कही.

भाजपा नेता ने पत्रकारों को सम्मानित किया

संवाददाता । पांकी

खास बातें
- अपने आवास पर पत्रकारों को दिए अंग वस्त्र
- कहा - विकासशील देशों में मीडिया की अहम भूमिका

चतरा सांसद सुनील के चतरा लोकसभा के सांसद प्रतिनिधि अमरनाथ गुप्ता ने रविवार को पांकी कर्पूरी चौक स्थित अपने आवास परिसर में पांकी विधानसभा क्षेत्र के पत्रकार बंधुओं को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया. गुप्ता ने कहा कि भाजपा पूरे देश में समाज के सभी वर्गो को मान सम्मान के साथ उनके हक अधिकार लड़ने के लिए हमेशा आगे खड़ी रहती है.

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी वर्गों को राजनीति में हिस्सेदारी देनी शुरू कर दी है. उन्होंने पत्रकारों से कहा कि विकासशील देशों में मीडिया का अहम योगदान है. मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष शत्रुध्न सिंह सांसद प्रतिनिधि चुनमुन पांडेय अरूण सिंह साधु मांझी पांकी पूर्वी पंचायत के मुखिया प्रेम प्रसाद सोनू गुप्ता चंदन गुप्ता पवन गुप्ता बिगू साव पत्रकार शिवशंकर अजित तिवारी मुकेश कुमार अमलेश ठाकुर कमलेश सिंह शाहिद सहित काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्त्ता उपस्थित थे.

मंत्री बेबी देवी ने किया कई पूजा पंडालों का उद्घाटन

संवाददाता । बोकारो

बोकारो के सेक्टर 2 एवं सेक्टर 9 के कई दुर्गा पूजा पंडालों का उद्घाटन झारखंड सरकार के उत्पाद मंत्री बेबी देवी ने फीता काटकर किया. इस दौरान मंत्री ने सभी के सुखमय जीवन व उत्तम स्वास्थ की कामना माता रानी से की. इस मौके पर झारखंड कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, बोकारो उपायुक्त कुलदीप चौधरी, बोकारो एसपी प्रियदर्शी आलोक ने भी पूजा पंडालों का निरीक्षण करते हुए जायजा लिया. बोकारो में महाष्टमी की पूजा अर्चना में हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ बोकारो के विभिन्न पूजा पंडालों में दिखी. इस दौरान मंत्री बेबी देवी ने कहा कि भगवान सबको खुशहाल रखे, यही भगवान से कामना करती हूं. बोकारो उपायुक्त ने कहा कि हर जगह शांति पूर्वक दुर्गा पूजा मनाई जा रही है. बोकारो के एसपी ने कहा कि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं. सभी पंडालों में सीसीटीवी कैमरा लगाए गए हैं ताकि असामाजिक तत्वों पर नकेल कसा जा सके.

लंबोदर ने दर्शन कर माता का आशीर्वाद लिया

संवाददाता । कसमार (बोकारो)

कसमार एवं जरीडीह प्रखंड के विभिन्न गांवों में दुर्गा पूजा की महाष्टमी के अवसर पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी. रविवार सुबह सभी मंदिरों के सामने स्थित जलाशयों से श्रद्धालुओं ने दंड देकर मंदिरों की परिक्रमा की. इसके पश्चात अष्टमी पूजा शुरुआत हुई. इस दौरान गोमिया विधायक डॉ. लंबोदर महतो समेत अन्य प्रतिनिधियों ने कसमार प्रखंड के सभी 19 पूजा पंडालों का दौरा कर देवी दुर्गा माता के चरणों में मत्था टेककर आशीर्वाद लिया. इसके बाद शाम में सभी मंदिरों में अष्टमी की संधि पूजा प्रारम्भ हो गयी.

इस दौरान विधायक ने कसमार बाजार टांड़ स्थित सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति, धधकिया मां, अन्नपूर्णा दुर्गा पूजा समिति, दांतु, सोनपुरा, कसमार चट्टी, कसमार चौबे परिवार, मंजुरा, बगदा, दुर्गापुर, रघुनाथपुर, खैराचातर, सिंहपुर, पिरगुल, कोतोगड़ा, हिसिम समेत कसमार प्रखंड के सभी 19 गांवों में स्थित देवी दुर्गा के मंदिर में दौरा किया.

हाष्टमी पूजा में हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे : इसके अलावा जरीडीह के प्राचीन दुर्गा मंदिर में भी महाष्टमी पूजा में हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे. इस दौरान सभी मंदिरों को आकर्षक तरीके से सजाया गया था. इधर कसमार प्रखंड के पूजा पंडालों में पूर्व मंत्री माधवलाल सिंह, पूर्व विधायक सह मंत्री (दर्जा प्राप्त) योगेंद्र प्रसाद, प्रमुख नियोति दे, जिप सदस्य अमरदीप महाराज, गोमिया के जिप सदस्य आकाश लाल सिंह समेत अन्य प्रतिनिधियों ने मंदिरों में जाकर मत्था टेककर देवी दुर्गा का आशीर्वाद लेकर क्षेत्र की सुख समृद्धि की कामना की.

लातेहार | महायज्ञ के 50 वें अधिवेशन में छऊ नृत्य कार्यक्रम का आयोजन

छऊ नृत्य झारखंड की पहचान है : बैद्यनाथ राम

आशीष टैगोर । लातेहार

विधायक सह श्रीरामचरित मानस नवाह्य परायण पाठ महायज्ञ समिति के मुख्य संरक्षक बैद्यनाथ राम ने कहा है कि छऊ नृत्य झारखंड की पहचान है. छउ नृत्य पौराणिक कथाओं पर आधारित नृत्य शैली होती है. महिषासुर मर्दनी छऊ नृत्य में प्रसिद्ध है. बैद्यनाथ राम श्रीरामचरित मानस नवाह्य परायण पाठ महायज्ञ के 50 वे अधिवेशन में सप्तमी की संध्या आयोजित छऊ नृत्य कार्यक्रम में लोगों को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि शारदीय नवरात्र में देवी दुर्गा के नौ रूपों की पूजा अर्चना की जाती है.

मां दुर्गा का अवतार असुरों का नाश करने के लिए था और छऊ नृत्य के कलाकारों ने बहुत ही जीवंत मंचन किया.

छऊ कलाकारों को विधायक ने सराहा : बाहर से आये कलाकारों का लातेहार में स्वागत करते हुए बैद्यनाथ राम ने कहा कि इन्होंने झारखंड की इस गौरवशाली परंपरा को बचाये रखा है. छऊ नृत्य के कलाकारों ने काफी मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया और लोगों की खूब तालियां बटोरीं. मौके पर मंदिर समिति के अध्यक्ष प्रमोद प्रसाद सिंह, महामंत्री सुदामा प्रसाद गुप्ता, कोषाध्यक्ष विनोद कुमार महलका, प्रवक्ता डा विशाल कुमार, जनसंपर्क प्रमुख चंद्रप्रकाश उपाध्याय, मदन प्रसाद, सुरेश प्रसाद, राजू सिंह, संतोष अग्रवालसुनील शौंडिक, मुकेश कुमार पांडेय, प्रभात कुमार, अंकित पांडेय व विशाल कुमार आदि मौजूद थे.

आज भगवान श्रीराम का राज्याभिषेक

शारदीय नवरात्र के नवमी तिथि को श्रीरामचरित मानस कथा अनुसार भगवान श्रीराम का राज्याभिषेक किया जायेगा. सुबह साढ़े नौ बजे श्रीराम का राज्याभिषेक किया जायेगा. इस मौके पर लोग अबीर गुलाल लगा कर एक दूसरे को बधाई देते हैं. महाप्रसाद का वितरण किया जाता है. कोषाध्यक्ष विनोद कुमार महलका ने मौके पर भाग लेने की अपील की है. उन्होंने बताया कि दशमी तिथि को हवन व पूर्णाहुति की जायेगी. इसके बाद भंडारा का आयोजन किया जायेगा.

अर्जुन मुंडा ने महाष्टमी पर की पूजा-अर्चना

जमशेदपुर । शारदीय नवरात्र के महाअष्टमी तिथि को माता के आठवें स्वरूप महागौरी की पूजा अर्चना का विशेष महत्व माना जाता है. इस कारण आठवें दिन सभी पूजा पंडालों और देवी मंदिरों में मां दुर्गा के अष्टम स्वरूप महागौरी की पूजा धूमधाम से हुई. इधर, केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने भी अपने घोड़ाबांधा स्थित आवास के पास पूजा पंडाल में पत्नी संग पहुंच कर पूजा-अर्चना की एवं मां दुर्गा से सभी के लिए आशीर्वाद मांगा. उन्होंने माता को पुष्पांजलि भी अर्पित की. इस दौरान मां के जयकारे से पूरा पूजा पंडाल गुंजायमान रहा.

अब नंग-धरंग प्रदर्शन करेंगे पंचायत सचिवालय स्वयंसेवक

संवाददाता । रांची

झारखंड पंचायत सचिवालय स्वयं सेवक अपनी अपनी पांच सूत्री मांगों को लेकर राजभवन के समक्ष पिछले 108 दिनों से धरना- प्रदर्शन कर रहे हैं. प्रदेश अध्यक्ष चंद्रदीप कुमार ने कहा कि मंत्री आलमगीर आलम ने वादा किया है. हमारी मांग पूरा नहीं करते हैं, तो दुर्गा पूजा के बाद आलमगीर आलम के आवास के पास नंग- धड़ंग प्रदर्शन किया जाएगा. इसमें 18000 पंचायत सचिवालय स्वयं सेवक के सदस्य उपस्थित रहेंगे . उसके बाद सभी मंत्रियों के आवास के पास भी नंग- धड़ंग प्रदर्शन होगा. फिर भी मांग पूरा नहीं हुई, तो 15 नवंबर को स्थापना दिवस के दिन मोरहबादी मैदान में नंग- धड़ंग प्रदर्शन किया जाएगा. इसकी पूरी जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी. वहीं विवेकानंद चौबे ने कहा कि धरना का आज 108 दिन हो गया.

ब्रीफ खबरें

जान जोखिम में डाल मिस्त्री करते हैं काम

चाईबासा। बिजली हमारी बड़ी जरूरतों में से एक है. लेकिन, बिजली की समस्या को दूर करने में लगे मिस्त्री के हालात पर शायद ही किसी की नजर गयी हो जो हमारी जरूरतों को पूरा करने के लिए जान जोखिम में डालकर काम करते हैं. अगर नहीं, तो जरा उनपर भी नजर डालकर संवेदनशील होने की जरूरत है. पुराना चाईबासा के ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली विभाग के मिस्त्रियों के द्वारा जान जोखिम में डालकर बिजली आपूर्ति को दुरुस्त किया जाता है. उनके पास सीढ़ी भी नहीं होता है. स्थानीय ग्रामीणों ने कहा कि बिजली विभाग को कई बार लिखित शिकायत दिए जाने के बावजूद भी आज तक न कभी खंभों को बदल गया है, और न ही जालीनुमा तारों को दुरुस्त किया गया है. ग्रामीणों का कहना है कि कहीं कोई बड़ी दुर्घटना ना हो जाए.

पेयजल समस्या का निपटारा शीघ्र : दीपक

चाईबासा। सदर प्रखंड अंतर्गत सिम्बिया पंचायत के बारांडेया महिला स्वयं सहायता संगठन की महिलाएं बड़ी संख्या में विधायक दीपक बिरुवा से मिलने सरनाडीह स्थित उनके कार्यालय में रविवार को पहुंची थी. वहां उन्होंने पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की शिकायत की. इसके अलावा अन्य कई बिंदुओं पर अपनी बात रखी. महिलाओं का कहना है कि गांव में चापाकल हैं, पर अधिकतर खराब पड़े हैं. जिसके कारण ग्राम वासियों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है. महिलाओं ने समस्या का समाधान करने की गुहार लगाई. विधायक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए समस्या का निराकरण जल्द कराने का आश्वासन दिया. विधायक ने कहा कि व्यक्तिगत स्वास्थ्य, खुशहाली और समृद्धि के लिए पानी सबसे जरूरी संसाधनों में से एक है.

विधायक मोहंती ने पुष्पांजलि अर्पित की

चाकुलिया। विधायक समीर कुमार मोहंती ने महा अष्टमी के दिन रविवार को पंचायत क्षेत्र के शिल्पी महल परिसर में सार्वजनिन दुर्गा पूजा कमेटी द्वारा निर्मित मां दुर्गा के पूजा पंडाल में श्रद्धा पूर्वक पुष्पांजलि अर्पित की. उन्होंने पूजा अर्चना क्षेत्र की सुख और समृद्धि के लिए शक्ति की देवी मां दुर्गा से प्रार्थना की. ज्ञात हो कि विधायक इस पूजा कमेटी के संरक्षक भी हैं. इस अवसर पर बापी मोहंती, राकेश मोहंती, राजा बारीक, मनिंद्र नाथ पालित, पशुपति बासुरी,गौतम शर्मा, देवाशिष दास, राहुल महतो, अभिलाष पटनायक, बुलबुल मंडल, विस्वजीत भोल उपस्थित थे. इसके बाद विधायक ने ग्रामीण इलाके के पूजा पंडालों में गये और पूजा अर्चना की.

'आप' के प्रदेश संयोजक जागरण में हुए शामिल

गोविंदपुर। दुर्गा पूजा के उपलक्ष्य में गोविंदपुर के साबलपुर रोड बैंक कॉलोनी स्थित शिव मंदिर परिसर में शनिवार की रात भक्ति जागरण का आयोजन किया गया. एसके म्यूजिकल ग्रुप के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से वातावरण भक्तिमय बना दिया. नाम रे सबसे बड़ा तेरा नाम ओ शेरावाली बिगड़ी बना दे मेरा काम, ओ शेरे वाली सबसे बड़ा तेरा नाम...जैसे भजन सुन लोग मुग्ध हो गए. महिला मंडली की अध्यक्ष अर्चना चौधरी व निशा झा की अगुवाई में महिलाओं ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया था. उद्घाटन गोविंदपुर प्रखंड प्रमुख निर्मला सिंह व आम आदमी पार्टी के प्रदेश संयोजक डीएन सिंह ने किया. ग्रुप के कलाकारों ने देर रात तक एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत किए. इस अवसर पर महिलाओं ने डांडिया नृत्य भी किया.

टाटा-कांड्रा मार्ग की स्ट्रीट लाइट की मरम्मत शुरू

आदित्यपुर । टाटा- कांड्रा मुख्य मार्ग एवं सर्विस रोड की सभी बंद पड़ी सोडियम वेपर लाइटों को चालू किए जाने एवं दुर्गा पूजा के दौरान सप्तमी से लेकर दशमी तक स्ट्रीट लाइट हेतु डीजी की व्यवस्था किए जाने की मांग को लेकर 5 दिन पूर्व आदित्यपुर नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष पुरेंद्र नारायण सिंह ने जेआरडीसीएल के जीएम राजीव सिन्हा से मोबाइल पर संपर्क किया था. जीएम ने आश्वासन दिया था कि रांची से सोडियम बल्ब मंगाकर दुर्गा पूजा से पूर्व हाइड्रा की मदद से मुख्य मार्ग के बंद लाइट चालू कर दी जाएगी. साथ ही सप्तमी से लेकर दशमी तक लाइट हेतु डीजी की व्यवस्था की जाएगी.

नई वंदे भारत ट्रेनों की ड्राइविंग सीट को पहले से और बेहतर व सुविधाओं से लैस किया गया

जल्द ही नए मॉडल के इंजन के साथ दौड़ेगी वंदे भारत

संवाददाता। जमशेदपुर

वंदे भारत ट्रेन अब जल्द ही नए मॉडल के डबल इंजन के साथ ट्रैक पर दौड़ेगी. चितरंजन लोकोमोटिव वर्क्स (सीएलडब्ल्यू) ने वंदे भारत ट्रेन के लिए नए मॉडल का इंजन तैयार किया है. वर्तमान में वंदे भारत ट्रेन सेट इंजन से चलती है. डबल इंजन से चलने वाली नई वंदे भारत ट्रेनों की ड्राइविंग सीट को पहले से और बेहतर व सुविधाओं से लैस किया गया है. यह इंजन 100 प्रतिशत स्वदेशी तकनीक से बनी है. इंजन का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है, जल्द ही इसे वंदे भारत में लगाया जाएगा.अभी सेट सिंगल इंजन से यह ट्रेन चलती है, नई ट्रेनों में इंजन व बोगी अलग-अलग होंगे. जानकारी के अनुसार इंजन तैयार होने के बाद इसे इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) भेजा जाएगा, जहां से अपनी सुविधा के अनुसार वंदे भारत के लिए इनका इस्तेमाल होइगा. दो इंजन लगने ने न सिर्फ वंदे भारत की रफ्तार तेज होगी बल्कि वह और अधिक सुरक्षित हो जाएगी.

ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ नियंत्रण के लिए बनी टीम

जमशेदपुर। दुर्गा पूजा में टाटानगर स्टेशन में यात्रियों की काफी भीड़ उमड़ रही है. कोल्हान समेत झारखंड व बंगाल के विभिन्न स्टेशनों में आने-जाने के लिए एक्सप्रेस व पैसेंजर ट्रेनों के यात्री काफी संख्या में यहां पहुंच रहे है. इससे प्लेटफॉर्म के साथ टिकट केंद्र में भीड़भाड़ का माहौल है. इसे नियंत्रित करने के लिए रेलवे ने अलग से वाणिज्य कर्मचारियों की टीम बनाई है. चक्रधरपुर मंडल के आदेश पर वाणिज्य निरीक्षक, स्टेशन उपाधीक्षक, मुख्य टिकट निरीक्षक (सीटीआई) एवं अन्य श्रेणी के सुपरवाइजर को टिकट केंद्र, पूछताछ केंद्र और आरक्षण काउंटर पर ड्यूटी में लगाया गया है ताकि यात्रियों को परेशानी न हो.

दूसरी ओर ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन और यूटीएस ऑन मोबाइल के प्रति यात्रियों को जागरूक किया जा रहा है. ताकि काउंटर में भीड़ कम हो और लोगों को सहूलियत हो सके. इधर, यात्रियों की उमड़ रही भीड़ को देखते हुए टाटानगर स्टेशन और ट्रेनों में जीआरपी और आरपीएफ ने भी सक्रियता बढ़ा दी है, ताकि रेल क्षेत्र में किसी भी प्रकार के अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके. रेलवे द्वारा यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो इसका प्रयास किया जा रहा है.

आओ जानें

महत्वपूर्ण व्यक्ति और उनकी किताबें

पंडित जवाहरलाल नेहरू	डिस्कवरी ऑफ इंडिया
इंडिया गांधी	ईटरनल इंडिया, माय ट्रुथ
लालकृष्ण आडवाणी	माय कंट्री माय लाइफ
डॉ एपीजे अब्दुल कलाम	इगनाइटेड माइंड, विंग्स ऑफ फायर
अटल बिहारी वाजपेई	संसद के तीन दशक
सरोजिनी नायडू	गोल्डन थ्रेसोल्ड, ब्रोकन विंग्स
मोरारजी देसाई	नेचर क्योर
पीवी नरसिम्हा राव	द इनसाइडर
महात्मा गांधी	माय एक्सपेरिमेंट विथ ट्रुथ
नेल्सन मंडेला	लोंग वॉक टू फ्रीडम
नरेंद्र मोदी	एग्जाम वॉरियर्स, ज्योतिपुंज, साक्षीभव
मनमोहन सिंह	चेंजिंग इंडिया
डॉ राजेंद्र प्रसाद	इंडिया डिवाइडेड
मौलाना अबुल कलाम आजाद	इंडिया विंस फ्रीडम
लाला लाजपत राय	अनहैप्पी इंडिया
पॉवर्टी एंड अनब्रिटिश रूल इन इंडिया	दादा भाई नौरोजी
मेरे राष्ट्रपति के वर्ष	आर वेंकटरमन
माई ओन बोसवेल	एम. हिदायतुल्लाह
इंडियन फिलोसॉफिज	डॉ राधाकृष्णन
सिटीजन एंड सोसाइटी	डॉ. हामिद अंसारी
इंडिया अनमेड	यशवंत सिन्हा

मुख्य द्वार पर लगे गेट को ले गए चोर, उद्घाटन को हुए एक साल

33 लाख से बना खेल मैदान कबाड़खाने में हो रहा तब्दील

संवाददाता। चाकुलिया

मैदान बन गया चारागाह

चाकुलिया नगर पंचायत के वार्ड नंबर एक के गोविंदपुर के पास 33 लाख की लागत से खेल मैदान का विकास तो हुआ, मगर इस मैदान में खेल कभी नहीं हुआ. नगर पंचायत प्रशासन ने यहां कभी खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित करने की पहल भी नहीं की. आलम यह है कि खेल का मैदान झाड़ियों में तब्दील हो गया है. घास से भरा विकसित मैदान मवेशियों के लिए चारागाह बन गया है. इतना ही नहीं मैदान में लगा मेन गेट भी चोरी हो गया है. साथ ही दर्शकों के बैठने के लिए बनाये गये बेंच भी टूटने लगे हैं.

मैदान के विकास कार्य के लिए स्वीकृत राशि की हुई बंदरबांट : बता दें कि इस खेल मैदान के विकास का कार्य 15 वें वित्त आयोग के तहत करीब 33 लाख की लागत से हुआ था. इसका उद्घाटन 15 नवंबर 2022 को स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, सांसद विद्युत वरण महतो, विधायक समीर कुमार मोहंती और नगर पंचायत के तत्कालीन जनप्रतिनिधियों ने किया था. उद्घाटन को एक साल होने को है, लेकिन अभी तक इस मैदान में खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित नहीं की गयी. आरोप है कि इस मैदान के विकास कार्य में सरकार स्वीकृत राशि की जमकर बंदरबांट हुई. प्राक्कलन के मुताबिक काम नहीं किया गया. घटिया किस्म की सरिया समेत अन्य सामग्रियों का प्रयोग किया गया. यह योजना सरकारी राशि की दुरुपयोग की एक नमूना है. इसकी उच्चस्तरीय जांच हुई तो कई की गर्दन फंसेगी.

खास बातें

- लाखों की लागत से बने खेल मैदान में कभी नहीं हुआ खेल
- दर्शकों के बैठने के लिए बनाए गए बेंच भी टूटने लगे

दुर्गा पूजा पर खाद्य पदार्थों की हुई जांच

सिमडेगा। उपयुक्त अजय कुमार सिंह के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा प्रधिकारी ने दुर्गा पूजा के मद्देनजर सभी होटलों, रेस्टॉरेंटों, स्ट्रीट वेंडर के खाद्य पदार्थों की जांच की गई. इस दौरान तेलों की गुणवत्ता की जांच की गई. खाद्य सामग्री को बनाने के लिए उपयोग किये जाने वाले जाने वाले तेलों की गुणवत्ता की जांच टीपीएम मशीन से की गयी. 25% से अधिक टीपीएम % पाए जाने वाले होटल संचालकों को हिदायत दी गई. समोसे पकोड़े इत्यादि को पांच बार से अधिक किसी भी तेल में फ्राई न करें.

बदबू से सड़क पर चलना मुश्किल

संवाददाता । जमशेदपुर

बिरसा मुंडा टाउन हॉल के पीछे कचरा का अंबार.

बारीडीह ब्राह्मणि रोड से बिरसा मुंडा टाउन हॉल के पीछे जाने वाली रोड किनारे कचरा का अंबार लगा हुआ है. वहां से कचरा सड़क पर फैल रहा है. वहां कचरे से बदबू बहुत ज्यादा फैल रही है. वहां से गुजरना लोगों को मुश्किल हो गया. राहगीर वहां से गुजरते हैं तो बदबू से उल्टी होने लगती है. दुर्गा पूजा होने के कारण मेन रोड में काफी भीड़ रहती है. इसलिए मजबूरी में लोगों को उक्त सड़क से होकर गुजरना पड़ रहा है. उक्त सड़क पर शौचालय भी बना हुआ है. शौचालय के दोनों तरफ कचरा है.

उक्त कचरा भी जेएनएसी के वाहन द्वारा वहां गिराया जा रहा है. इसकी शिकायत भी जेएनएसी से की है, लेकिन अब तक जेएनएसी ने कचरा नहीं हटाया है. इस संबंध में भाजमो के बारीडीह मंडल अध्यक्ष विजय नारायण ने कहा कि कचरा हटाने के लिए जेएनएसी में शिकायत की गई है, लेकिन रविवार को अष्टमी की सुबह तक हटाया नहीं गया है. उन्होंने कहा कि यदि आज दिन में कचरा नहीं हटाया गया तो जेएनएसी के खिलाफ आंदोलन चलाया जाएगा. जेएनएसी के अड़ियल रवैये के कारण श्रद्धालुओं को कचरा और बदबू के बीच से होकर गुजरना पड़ रहा है.

खास बातें

- जेएनएसी ने नहीं हटाया कचरा, भाजमो करेगा आंदोलन
- बारीडीह मंडल अध्यक्ष ने विशेष पदाधिकारी से भी की शिकायत

साहिबगंज: पूजे में वाहनों के मार्ग में किया गया बदलाव

संवाददाता। साहिबगंज

रविवार को अनुमंडल पदाधिकारी राहुलजी आनंदजी के आदेशानुसार मेले में संभावित भीड़ को देखते हुए आमजन की सुरक्षा एवं सुचारू यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिमा विसर्जन तक सुबह 8 बजे से रात्रि 12 बजे तक साहिबगंज नगर में सभी प्रकार के भारी एवं व्यवसायिक वाहन का प्रवेश वर्जित किया गया है. वहीं संपूर्ण मेला अवधि तक शहर के अंदर छोटे-बड़े वाहन दो पहिया, चार पहिया, ऑटो रिक्शा एवं ई-रिक्शा आदि के लिए मार्ग निर्धारित व प्रतिबंधित किया गया है. वहीं रेलवे स्टेशन से कुलीपाड़ा होकर पूर्वी फाटक की ओर जाने वाले मार्ग से वाहनों का परिचालन बंद रहेगा. ऐसे वाहन का परिचालन स्टेशन के सामने अंडा मार्केट से माल गोदाम होते हुए घाट रोड, संत जेवियर स्कूल किदवई पथ होते हुए किया जाएगा. इसी प्रकार बरतला से स्टेशन की ओर जाने वाली वाहनों का परिचालन चर्च के सामने से माल गोदाम अंडा मार्केट होते हुए किया जाएगा. रेलवे स्टेशन से रेलवे जेनरल इंस्टीच्यूट नॉर्थ कॉलोनी होते हुए होटल कलिंगा के पास निकलने वाला पथ वन वे रहेगा. मजहर टोला से हटिया जाने वाले मार्ग में सभी प्रकार के वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा. प्रखंड कार्यालय व पश्चिम फाटक के पास ड्रॉप गेट रहेगा.

खास बातें

- प्रखंड कार्यालय व पश्चिम फाटक के पास होगा ड्रॉप गेट
- मेले में संभावित भीड़ को देखते हुए लिया गया निर्णय

सार्वजनिक जमीन पर कब्जा करने का आरोप

गावां। प्रखंड अंतर्गत चरकी निवासी सादिर हुसैन पिता इल्यास अंसारी ने गावां थाना को आवेदन देकर सार्वजनिक जमीन पर कब्जा करने का आरोप गांव के ही कुछ लोगों पर लगाया है. आवेदन में कहा गया है कि चरकी में केसरहिंद नाम से आम गैरमजरूआ जमीन है. जमीन पर अंचल कार्यालय के द्वारा मापी कर एक बोर्ड लगा दिया गया था तथा जमीन में किसी प्रकार का कार्य नहीं करने की हिदायत दी गई थी. गांव के ही अमूल पंडित, कृष्णा पंडित, सुनीता देवी, रंजीत पंडित की पत्नी बालेश्वर पंडित की पत्नी एव सुखदेव पंडित सभी ट्रैक्टर से बोर्ड को उखाड़ कर खेत जोतने लगे. पहले भी ये लोग इस प्रकार का कार्य कर चुके हैं. जब इसकी सूचना हल्का कर्मचारी को फोन पर दी गई तो सभी लोग भद्दी-भद्दी गालियां देने लगे. उन्होंने घर आकर सबको जान से मारने की धमकी भी दी है. त्यौहार के समय ये सभी माहौल को बिगाड़ने का प्रयास कर रहे हैं.

आईएएस-आईपीएस ने संभाली कमान

संवाददाता। पाकुड़

पाकुड़ जिले में कुल 121 जगहों पर दुर्गापूजा पंडाल लगाया गया है. जिसे लेकर दंडाधिकारी एवं पुलिस बल द्वारा विशेष निगरानी की जा रही है. दुर्गापूजा को लेकर पाकुड़ में वरिष्ठ आईएएस अधिकारी शशि प्रकाश झा और वरिष्ठ आईपीएस अश्विन कुमार सिन्हा ने कमान संभाल ली है. रविवार को दोनों अधिकारियों ने पाकुड़ में प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की. बैठक में दुर्गापूजा को लेकर कई बिंदुओं पर समीक्षा की और अधिकारियों को जरूरी दिशा दिए. दोनों अधिकारियों ने पाकुड़ में दुर्गापूजा पंडाल, ट्रैफिक रूट चार्ट, फोर्स तैनाती समेत कई बिंदुओं पर जानकारी ली. इस दौरान कहा कि विसर्जन के दिन बिजली आपूर्ति बंद रहेगी और सभी जगहों पर ड्रोन से निगरानी की जाएगी. दरअसल, राज्य सरकार ने दुर्गा पूजा को लेकर सभी जिलों में वरिष्ठ आईएएस और आईपीएस अधिकारियों की तैनाती की है. पाकुड़ में सीनियर आईएस और आईपीएस को तैनात किया गया है. बैठक में उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल, पुलिस अधीक्षक एच.पी. जनार्दनन, अनुमंडल पदाधिकारी हरिवंश पंडित, मुख्यालय डीएसपी वैद्यनाथ प्रसाद, पाकुड़ एसडीपीओ अजीत कुमार विमल समेत कई अधिकारी मौजूद थे.

खास बातें

- ट्रैफिक रूट चार्ट, फोर्स तैनाती समेत कई बिंदुओं पर की चर्चा
- विसर्जन के दिन शहर में बिजली आपूर्ति बंद रहेगी

शराब भट्ठी बंद करने की मांग, सौंपा मांग पत्र

चांडिल। नीमडीह थाना क्षेत्र के जुगीलौंग गांव में बड़े पैमाने पर अवैध शराब भट्ठी संचालित हो रहे हैं. बताया जा रहा है कि जुगीलौंग गांव में दो दर्जन से भी ज्यादा अवैध तरीके से शराब भट्ठियां संचालित हो रहे हैं. इससे गांव के साथ आसपास के क्षेत्र में सामाजिक वातावरण दूषित हो रहा है. शराब का सेवन करने के कारण क्षेत्र में पारिवारिक कलह भी बढ़ रहे हैं. दूसरी ओर इस वजह से बच्चों का पठन-पाठन भी बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है. ग्रामीणों ने क्षेत्र में गैरकानूनी रूप से चल रहे शराब भट्ठियों को बंद कराने की मांग की है. सामाजिक कार्यकर्ता संदीप मंडल ने चांडिल के अनुमंडल पदाधिकारी के नाम पत्र सौंपकर गैरकानूनी रूप से संचलित शराब भट्ठियों को अविलंब बंद कराने की मांग की है. अनुमंडल मुख्यालय में एसडीएम की अनुपस्थिति में उनके प्रधान सहायक को एक सूत्री मांग पत्र सौंपा गया गया.

हादसा 12 घंटे बाद भी बेपटरी हुए बोगी को पटरी पर लाने के लिए नहीं पहुंची ईआरटी वैन

जारंगडीह रेलवे साइडिंग में कोयला रैक की 5 बोगी हुई बेपटरी

संवाददाता। कथारा

सीसीएल कथारा क्षेत्र के जारंगडीह परियोजना के जारंगडीह रेलवे साइडिंग प्लेटफॉर्म नंबर 2 में 21 अक्टूबर की रात को कोयला लदे रेलवे रैक की 5 बोगी बेपटरी हो गई है. कोयला लदा रेलवे रेक को बाहर भेजा जा रहा था. उसी क्रम में पांच बोगी बेपटरी हो गई है. लगभग 12 घंटा बीत जाने के बाद भी बेपटरी हुए बोगी को पटरी पर लाने के लिए ईआरटी वैन नहीं पहुंचा. इस संदर्भ में कांटा बाबू संतोष कुमार गुप्ता ने बताया कि उक्त घटना के बाद बोगी को पटरी पर लाने के लिए संबंधित विभाग को जानकारी दी गई है.

सीसीएल को लाखों का नुकसान की संभावना : सीसीएल कथारा क्षेत्र के जारंगडीह परियोजना के जारंगडीह रेलवे साइडिंग में इस घटना से सीसीएल प्रबंधन को लाखों के नुकसान की संभावना जताई जा रही है. घटना के कारणों की पता लगाया जा रहा है. घटना के संबंध में जारंगडीह परियोजना के पीओ परमानंद गुइन ने बताया कि रेलवे के अधिकारियों से बात की जा रही है.

क्वार्टर और गांव के बीच में है रेलवे ट्रैक : घटना के बाद बाबू क्वार्टर,16 नंबर कॉलोनी तथा मांझी टोला जाने वाली मुख्य सड़क बाधित हो गई. मुख्य सड़क के बाधित होने से राहगीरों तथा कॉलोनी वासियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा. वहीं जारंगडीह अस्पताल जाने के लिए भी अस्पताल कर्मियों तथा मरीजों को परेशानी उठानी पड़ी.

आद्रा रेल मंडल में आज से सात दिवसीय लाइन ब्लॉक

जमशेदपुर। आद्रा रेल मंडल में सोमवार से सात दिवसीय लाइन मरम्मत कार्य शुरू होगा. इसके लिए दक्षिण पूर्व रेलवे जोन से लाइन ब्लॉक का आदेश जारी हुआ है. यह ब्लॉक 29 अक्टूबर तक चलेगा. इस संबंध में रेलवे की ओर से पत्र जारी हो चुका है. लाइन ब्लॉक के कारण टाटानगर की भी दो ट्रेनों का परिचालन प्रभावित होगा. इससे 25 और 27 अक्टूबर को टाटा-हटिया को चांडिल से बदले मार्ग में गुंडा बिहार स्टेशन होकर चलने का आदेश है. जबकि आसनसोल, पुरुलिया, मिदनापुर, खड़गपुर, गोमोह और हटिया मार्ग की ट्रेनों का भी परिचालन लाइन ब्लॉक के कारण प्रभावित होगा. ट्रेनों का परिचालन प्रभावित होने से बंगाल-झारखंड के सैकड़ों यात्रियों को पूजा के दौरान आवागमन में दिक्कत होगी.

पारा शिक्षकों का धरना जारी उग्र आंदोलन की चेतावनी

संवाददाता। रांची

दुर्गा पूजा के दौरान भी टेट पास सहायक अध्यापकों (सहायक अध्यापक समन्वय समिति) का बेमियादी धरना जारी है. राजभवन के सामने इनका आमरण अनशन सह धरना प्रदर्शन 62वें दिन भी जारी रहा. प्रदेश संरक्षक प्रमोद कुमार ने बताया कि दुर्गा पूजा में भी हम आंदोलन करने में विवश हैं. बिहार में गठबंधन सरकार ने वेतनमान के बाद 4 लाख पारा शिक्षकों को राज्यकर्मी की दर्जा देने की घोषणा कर दी है. परंतु झारखंड में वही गठबंधन की सरकार वेतनमान देने पर आनाकानी कर रही है. पलामू जिला महासचिव निर्मल कुमार गुप्ता ने कहा कि सरकार की तरफ से अब तक कोई सुधी नहीं ली गयी है. 15 नवंबर से पहले हमारी मांग पूरी नहीं हुई, तो उग्र आंदोलन करेंगे. प्रदेश के सदस्य मुख्तार अंसारी ने कहा कि सरकार हर जगह यह कहती फिरती है कि पारा शिक्षकों की सारी समस्या दूर कर ली गयी है, जो केवल बकवास है. पारा शिक्षकों का आरोप है कि सरकार अल्पसंख्यक विद्यालय के शिक्षकों को तोहफा पे तोहफा दे रही है, जबकि हमारे 3 से 4 हजार लोग अल्पसंख्यक भी हैं और टेट पास भी हैं. 19 - 20 वर्षों से कार्य भी कर रहे हैं. फिर हमें क्यों नजरअंदाज किया जा रहा है. गढ़वा जिला के राकेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि केवल आश्वासन देकर मंत्री-विधायक कन्नी काट लेते हैं. मां दुर्गा सरकार को सद्बुद्धि दें.

मेले में अधिक रेट के कारण लोगों की रुचि भी घटी, खरीदारी करने के कई ऑनलाइन ऑप्शन, सिकुड़े मैदान

दुर्गा पूजा के मेले से गायब हो रहे मीना बाजार और सर्कस

संवाददाता। धनबाद

विगत दो दशक में समाज में आए बदलाव के कारण दुर्गा पूजा का रंग फीका हो चुका है. पूजा को लेकर भव्य पंडाल और लाइटिंग तो आज भी हो रही है, लेकिन पूजा के आसपास लगाने वाला मेला छोटा हो गया है. मीना बाजार और सर्कस भी मेले से गायब हो चुके हैं. स्टिलगेट में मेला संचालक ने बताया कि मेला छोटा होने के कई कारण है. मेले के लिए मिलने वाली जगह काफी महंगी हो चुकी है. मोटी रकम चुकानी पड़ती है, उस हिसाब से मेले में खेल, खिलौने और अन्य चीजों की कीमत तय की जाती है. कीमत बढ़ाने से आमदनी कम होती है. कई बार तो घाटे का समाना भी करना पड़ता है. इसके अलावा मेले से जुड़े लोग भी अब अलग-अलग धंधों से जुड़ रहे है. जनता के पास भी खरीदारी करने ऑनलाइन ऑप्शन कई सारे हो गए है. जमीन की कमी भी मेला छोटा होने का एक बड़ा कारण है.यही वजह है कि मेले में पहले जैसा बाजार नहीं लगता है और सर्कस तो खत्म ही हो चुका है.

खास बातें

- कई बार दुकानदारों को करना पड़ता है घाटे का भी समाना
- मेले से जुड़े लोग भी अब अलग-अलग धंधों से जुड़े

खाली जमीन पर हो चुके है कई निर्माण

बढ़ती आबादी के साथ धनबाद शहर का खाली मैदान अब खत्म होने के कगार पर पहुंच चुका है. कोहिनूर मैदान में भी कभी मीना बाजार लगाया था, अब उसकी जगह सरकारी भवन और मार्केट कॉम्पलेक्स खुल चुके है. यह मैदान अब पूरी तरह खत्म हो चुका है. यही हाल गोल्फ ग्राउंड का भी है, जहां 2005 तक हर साल दुर्गा पूजा के समय सर्कस लगता था. आसपास के जिले के लोग सर्कस देखने आते थे. डेढ़ से दो माह तक लोग इस मनोरंजन का लुफ्त उठाते थे लेकिन अब यह मैदान भी छोटा गया है. इसके आधे हिस्से में नगर निगम का पार्क संचालित हो रहा है.

मनमाने रेट के कारण भी मेले की रौनक घटी

धनबाद में पहले शहरी इलाकों से लेकर कोलियरी क्षेत्र और ग्रामीण इलाकों में मीना बाजार और सर्कस की खूब चर्चा होती थी. मीना बाजार में सुई से लेकर बेलन चकिया, घरेलू साज सज्जा के समाना, कपड़े, श्रृंगार और खाने-पीने का सामान मिलता था. इसके अलावा भालू, बंदर सहित अन्य मनोरंजन के साधन भी शामिल रहते थे. इनमें से कई चीजे अभी भी मेले में देखने को मिल जाती है लेकिन अब यह मीना बाजार जैसा नहीं है. अभी के मेले में हर चीज का रेट मनमाने तरीके से लिया जाता है. वस्तुओं की कीमतें कम होने की कोई गुंजाइश भी नहीं रहती है. रेट अधिक होने के कारण ज्यादातर लोग खरीदारी नहीं कर पाते है. सर्कस तो अब आता ही नहीं है.

आओ जानें

भारत के प्रमुख हवाई अड्डे

हवाई अड्डे का नाम	शहर
इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा	नई दिल्ली
छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा	मुंबई
बाबासाहेब आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा	नागपुर
राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा	हैदराबाद
केंपागौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा	बेंगलुरु
मंगलौर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा	मंगलौर
चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा	लखनऊ
लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा	वाराणसी
नेताजी सुभाष चंद्र बोस हवाई अड्डा	कोलकाता
बागडोगरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा	सिलीगुड़ी
गुरु रामदास अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा	अमृतसर
देवी अहिल्या बाई होलकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा	इंदौर
सरदार वल्लभभाई पटेल हवाई अड्डा	अहमदाबाद
सूरत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा	सूरत
वीर सावरकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा	पोर्ट ब्लेयर
लोकप्रिय गोपीनाथ बोर्दोलोई हवाई अड्डा	गुवाहाटी
बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा	भुवनेश्वर
कालीकट अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा	कोझीकोड
कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा	कोच्चि
त्रिवेंद्रम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा	तिरुअनंतपुरम
कन्नूर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा	कन्नूर
सांगानेर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा	जयपुर
चेन्नई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	चेन्नई
तिरुचिरापल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा	तिरुचिरापल्ली
कोयंबटूर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा	कोयंबटूर
मदुरई इंटरनेशनल एयरपोर्ट	मदुरई
जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा	पटना
गया इंटरनेशनल एयरपोर्ट	गया
डाबोलिम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा	डाबोलिम

ब्रीफ खबरें

दिसंबर में प्रदेश के चालक करेंगे हड़ताल

जोड़ापोखर। डिगवाडीह गुरुद्वारा के सभागार में ऑल ड्राइवर वेलफेयर एसोसिएशन सब चालक कल्याण संघ की बैठक का आयोजन प्रदेश अध्यक्ष अवतार सिंह की अध्यक्षता में किया गया. जिसमें एक प्रस्ताव पारित किया गया की एक दिसंबर से देश के 22 करोड़ चालक हड़ताल पर चले जाएंगे. जिसमें देश भर के चालकों का समर्थन प्राप्त हो गया है. केंद्र एवम् राज सरकार को 29 सूत्री मांग पत्र दिया है. जिसपर सरकार ने अभी तक सुधि नहीं ली है. मुख्य मांगो में शामिल हैं, चालकों का एक आयोग बनाया जाये या फिर राज्यसभा, लोकसभा में प्रतिनिधि बैठाया जाये. वर्ष में एक दिन राष्ट्रीय चालक दिवस मनाया जाये.

तीन चिकित्सकों का वेतन रोकने का आदेश

धनबाद। दुर्गा पूजा को लेकर उपायुक्त वरुण रंजन पूरे एक्शन में है, ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर लगातार कार्यवाई कर रहे है. रविवार को शहर के स्टील गेट के पूजा पंडाल में डॉ. नंदन कुमार, भूली ए ब्लॉक में डॉ. आर.के. सिंह तथा भूली बी ब्लॉक में डॉ. चंडी दास तिवारी अपनी ड्यूटी से गायब मिले. चिकित्सकों की अनुपस्थिति पर डीसी ने भारी नाराजगी जताते हुए उनके एक दिन का वेतन रोकने और अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का आदेश दिया है. ज्ञात हो कि जिले के सभी पूजा पंडालों में नोडल पदाधिकारी, दंडाधिकारी के साथ पुलिस फोर्स तथा एमरजेंसी मेडिकल एसिस्टेंस नियुक्त किए गए है. लोगों की समस्या का समाधान करने के लिए सेंट्रलाइज्ड कंट्रोल रूम की स्थापना की है.

जल संसाधन सचिव ने ली तैयारी की जानकारी

धनबाद। जल संसाधन सचिव सह धनबाद जिले के प्रभारी प्रशांत कुमार ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर उपायुक्त वरुण रंजन से दुर्गा पूजा को लेकर जिले में की गई तैयारियों के बारे में जानकारी ली. उन्होंने सेंट्रलाइज्ड कंट्रोल रूम के साथ वॉट्सएप हेल्पलाइन नंबर की प्रशंसा की. साथ ही सभी पूजा पंडाल में नोडल पदाधिकारी, दंडाधिकारी, पुलिस फोर्स के साथ-साथ चिकित्सकों की टीम, लोगों के सुगम परिवहन के लिए यातायात प्लान, पूजा पंडालों के साथ अस्पताल व एंबुलेंस की टैगिंग, किसी विपरीत परिस्थिति से निपटने के लिए सार्वजनिक व निजी संस्थाओं की एंबुलेंस एवं अग्निशमन वाहन की जानकारी ली. साथ ही उन्होंने विधि व्यवस्था, प्रतिमा विसर्जन का रूट, दंडाधिकारी व बलों की प्रतिनियुक्ति इत्यादि की समीक्षा की.

जमशेदपुर में दो ग्रुप में निकला फ्लैग मार्च

जमशेदपुर। जमशेदपुर में दुर्गा पूजा को लेकर फ्लैग मार्च निकाला गया. इस दौरान दो ग्रुप में फ्लैग मार्च निकला. पहले ग्रुप में डीएसपी लॉ एंड आर्डर सुमित अग्रवाल, डीएसपी साइबर जयश्री कुजुर, डीएसपी मुख्यालय 1 विरेंद्र राम, प्रशिक्षु डीएसपी अकरम रजा, प्रशिक्षु डीएसपी सन्नी वर्धन के नेतृत्व में सिदगोड़ा, गोलमुरी, टेल्को, बर्मामाइंस, परसुडीह, बागबेड़ा, जुगसलाई, बिरसानगर और गोविंदपुर के थाना प्रभारी मौजूद थे. इसके अलावा 7 पीसीआर, टाईगर मोबाइल, क्यूआरटी और आरएएफ मौजूद रहे. वहीं ग्रुप 2 में डीएसपी सीसीआर अनिमेश गुप्ता, डीएसपी पटमदा सुमित कुमार, प्रशिक्षु डीएसपी रोहित कुमार साव नेतृत्व कर रहे थे.

जमशेदपुर एसएसपी सड़कों पर निकले, सुरक्षा का लिया जायजा

लोगों को ना हो परेशानी : एसएसपी

सीसीटीवी से नजर रखते एसएसपी किशोर कौशल.

रोहित कुमार। जमशेदपुर

जमशेदपुर में दुर्गा पूजा को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये है. वहीं ट्रैफिक को लेकर भी प्रशासन तैयार है. एसएसपी किशोर कौशल भी शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर नजर बनाये हुए हैं. इसी कड़ी में वो शनिवार देर रात शहर की सड़कों पर निकले और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया.

उन्होंने पुलिस कंट्रोल रूम से भी शहर में लगे सीसीटीवी के माध्यम से नजर रखी. मौके पर किशोर कौशल ने कहा कि दुर्गा पूजा में लोगों को किसी तरह की परेशानी ना हो, इसका खास ख्याल रखा जा रहा है. इसको लेकर पूजा के पूर्व ही सारी तैयारियां पूरी कर ली गयी थी. पंडालों के आस-पास व मुख्य सड़क को वन वे कर दिया गया, ताकि लोगों की भीड़ जमा ना हो सके. इसके अलावा वोलेंटियर का भी सहयोग लिया जा रहा है.

खास बातें

- पंडालों के आस-पास व मुख्य सड़क को किया वन वे
- पुलिस कंट्रोल रूम से भी शहर पर रखी नजर

महिलाओं की सुरक्षा पहली प्राथमिकता : एसएसपी किशोर कौशल ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा उनकी पहली प्राथमिकता है. महिलाओं सुरक्षा के लिए एक महिला विंग को तैयार किया गया है, जो हर पंडाल में मौजूद हैं. सभी को सिविल ड्रेस में तैनात किया गया है. कहा कि महिलाओं से छिनतई या छेड़खानी का प्रयास करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी. इसके अलावा सभी पंडालों में भी एक कंट्रोल रूम बनाया गया है, जहां पंडालों में लगे सीसीटीवी से नजर रखी जा रही है.

तिसरी में डीएसपी के नेतृत्व में निकाला गया फ्लैग मार्च

तिसरी । प्रखंड मुख्यालय सहित आसपास के इलाकों में दुर्गापूजा के दरम्यान विधि-व्यवस्था बनाए रखने एवं असामाजिक तत्वों पर नकेल कसने के उद्देश्य से रविवार को डीएसपी मुकेश कुमार महतो के नेतृत्व में पुलिस प्रशासन द्वारा तिसरी चौक से दुर्गा मंडप तक फ्लैग मार्च निकाला गया. फ्लैग मार्च के दौरान तिसरी चौक स्थित दारू दुकान में सीसीटीवी नहीं लगा था, तत्पश्चात विदेशी शराब दुकान में सीसीटीवी जल्द लगवाने के लिए कहा गया.

इस दौरान डीएसपी मुकेश कुमार महतो ने कहा कि दुर्गा पूजा के मद्देनजर सभी वर्ती महिलाएं उपवास करके पूजा कर रही हैं. मीडिया के माध्यम से उन्होंने सर्वप्रथम प्रखंड के सभी लोगों को दुर्गा पूजा की बधाई दी. कहा कि पूरे अनुमंडल क्षेत्र में शांति समिति की बैठक के बाद लगातार फ्लैग मार्च हो रहा है. जिसमें पुलिस प्रशासन के लोग पूरी मुस्तैदी से जुटे हुए हैं. दुर्गा पूजा को लेकर विसर्जन का जो रूट है उसका फिजिकल वेरिफिकेशन किया गया है. पूरी तरह से पुलिस प्रशासन मुस्तैद है कि किसी प्रकार की कोई अनहोनी ना हो. उन्होंने झारखंड और पूरे देशवासियों को दुर्गा पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं दी.

डीएसपी ने पूजा पंडाल का भ्रमण भी किया. मौके पर तिसरी पुलिस इंस्पेक्टर वीरेंद्र टोप्पो, तिसरी थाना प्रभारी प्रदीप कुमार, मनसाडीह ओपी प्रभारी अभिषेक कुमार रंजन सहित पुलिस जवान मौजूद थे.

एसपी ने किया पूजा पंडालों का निरीक्षण, दिए कई निर्देश

संवाददाता। चतरा

जिला के एसपी राकेश रंजन ने कई दुर्गा पूजा पंडालों का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने पूजा समिति के सदस्यों को कई दिशा-निर्देश भी दिए. एसपी ने पूजा पंडाल की विधि व्यवस्था, सुरक्षा इंतजाम, यातायात, पंडालों में सुरक्षा मानकों की वस्तुस्थिति का जायजा लिया. साथ ही विसर्जन से पूर्व बिजली के तारों को हटाने और विसर्जन जुलूस तय रूट में निकालने के लिए कहा गया है. पंडालों में सीसीटीवी कैमरे लगाने, बिजली और फायर एनओसी लेने, महिलाओं के लिए अलग से व्यवस्था करने, पर्याप्त संख्या में वालंटियर तैनात रखने के निर्देश दिए गए हैं.

एसडीएम व एसडीपीओ ने दुर्गा पूजा स्थलों का किया निरीक्षण

असामाजिक तत्वों को सख्त चेतावनी

संवाददाता। गावां

प्रखंड में दुर्गा पूजा और दशहरा को सकुशल संपन्न कराने हेतु रविवार को खोरीमहुआ एसडीएम मनोज कुमार, एसडीपीओ मुकेश कुमार, भाजपा नेता सह पूर्व आईजी लक्ष्मण सिंह, बीडीओ महेंद्र रविदास, सीओ अविनाश रंजन व थाना प्रभारी सनी सुप्रभात, गावां मुखिया कन्हाय राम ने संयुक्त रूप से प्रखंड के विभिन्न स्थानों पर बने दुर्गा पूजा पंडालों का निरीक्षण किया और माता रानी के सामने मत्था टेक कर आशीर्वाद लिया.

इस दौरान पूजा पंडाल के आयोजकों को आवश्यक निर्देश दिए गए, साथ ही विधि-व्यवस्था का भी गंभीरता से जायजा लिया गया. एसडीएम मनोज कुमार ने आयोजकों से कहा की दुर्गा पूजा पंडाल को लेकर इस बात का ध्यान रखा जाए कि आवागमन बाधित न हो. वहीं एसडीपीओ मुकेश कुमार ने दुर्गा पूजा के मद्देनजर सांप्रदायिक भावना भड़काने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की चेतावनी देते हुए सचेत किया. पुलिस लगातार सोशल मीडिया को हैंडल कर रही है. कोई भी गलत अफवाह पर ध्यान ना दें अगर कहीं किसी तरह की कोई बात होती है तो पुलिस को तुरंत सूचित करें. सूचना पर पुलिस तुरंत कार्रवाई करेगी. पूर्व आईजी लक्ष्मण सिंह ने शास्त्रोक्त विधि से देवी दुर्गा की पूजा-अर्चना की और क्षेत्र की सुख-शांति कामना की. मौके पर गावां कालीमण्डा प्रबंधन ने पूर्व आईजी लक्ष्मण सिंह का अभिनंदन किया.

पुलिस अधीक्षक ने मिर्जा चौकी पंडाल का फीता काटकर उद्घाटन किया

साहिबगंज। रविवार को जिला के मिर्जाचौकी हाट बाजार स्थित दुर्गा पूजा पर लगने वाले भव्य मेला का साहिबगंज पुलिस अधीक्षक नौशाद आलम ने उद्घाटन किया. साथ ही पूजा पंडाल का निरीक्षण भी किया. वहीं उन्होंने बताया कि जिले भर में जितने भी पूजा पंडाल बने हैं उनमें से सुंदर, भव्य और आकर्षक पंडाल की श्रेणी में यह पंडाल है. यहां की व्यवस्था काफी सराहनीय है.

पुलिस अधीक्षक ने मेले को लेकर विधि-व्यवस्था से संबंधित कई आवश्यक दिशा-निर्देश भी पूजा समिति को दिए. वहीं उन्होंने बताया कि कोई भी पर्व भाईचारे का संदेश देता है. त्योहार शांतिपूर्ण और हर्षोल्लास के साथ मनाए जाने का आह्वान किया.

वहीं पुलिस परिवार की ओर से भी जिले के तमाम लोगों को दुर्गा पूजा की शुभकामनाएं भी दीं.

दशमी तक साफ हो जाएंगे घाट : सचिव

संवाददाता। जमशेदपुर

झारखंड सरकार के पेयजय एवं स्वच्छता विभाग के सचिव मनीष रंजन रविवार को जमशेदपुर पहुंचे. इस दौरान आईजी (मानवाधिकार) अखिलेश झा भी मौजूद रहे. सचिव ने उपायुक्त कार्यालय के सभागार में उपायुक्त, एसएसपी और आरएएफ के अधिकारियों के साथ बैठक कर दुर्गा पूजा के दौरान सुरक्षा से जुड़ी जानकारी ली. बैठक के बाद उन्होंने पुलिस कंट्रोल रूम में लगे सीसीटीवी कैमरों के बारे में भी जानकारी हासिल की. इसके बाद उन्होंने स्वर्णरेखा नदी में विसर्जन घाटों का भी निरीक्षण किया.

साथ ही उन्होंने साकची आम बगान में बने दुर्गा पूजा पंडाल में दुर्गा मां की पूजा-अर्चना भी की. सचिव ने बताया कि पूजा सीजन के दौरान लोगों को किस तरह की सुविधा और सुरक्षा मुहैया कराई जा रही है. इसको लेकर आज उन्होंने उपायुक्त और एसएसपी समेत रैफ के अधिकारियों के साथ बैठक की. उन्होंने कहा कि जिला पुलिस और प्रशासन ने समन्वय स्थापित कर काफी अच्छा काम किया है. प्रशासन ने हर एक पहलू की जांच कर उसे निपटाने का प्रयास किया है. उन्होंने कहा कि उन्हें काफी खुशी है कि शहर में लगे कैमरों की मदद से शहर की सुरक्षा पर नजर रखी जा रही है. जिला पुलिस टेक्नोलॉजी का काफी अच्छा इस्तेमाल कर रही है. उन्होंने शहर के लोगों को दुर्गा पूजा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि लोग खुशहाली से दुर्गा पूजा का आनंद ले. अन्य धर्मों के लोग भी इसमें शामिल होकर भाईचारे की मिसाल बने ताकि सौहार्दपूर्वक दुर्गा पूजा मनाया जाए. उन्होंने कहा कि महादशमी तक घाटों की साफ सफाई कर ली जाएगी.

अफरा-तफरी गैलेक्सी अपार्टमेंट की घटना, फायर सेफ्टी यंत्र के सहारे लोगों ने खुद पाया काबू

कन्या पूजन का भोग बनाते समय लगी आग

संवाददाता। धनबाद

धनबाद के बैंक मोड़ थाना क्षेत्र के शास्त्री नगर स्थित गैलेक्सी अपार्टमेंट में रविवार की सुबह कन्या पूजन का भोग बनाने के दौरान अचानक आग लग गई. धुआं देख पूरे अपार्टमेंट में अफरा-तफरी मच गई. गृहस्वामी और अपार्टमेंट के कुछ लोगों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए अपार्टमेंट में लगे फायर सेफ्टी सिस्टम के सहारे आग पर काबू पा लिया. जिससे बड़ा हादसा टल गया. वहीं, गृहस्वामी ने आग लगने की सूचना अग्निशमन विभाग और बैंक मोड़ थाना को फोन कर दे दी. बैंक मोड़ पुलिस और अग्निशमन ब्रिगेड की टीम दो दमकल गाड़ी के साथ मौके पर पहुंची और जायजा लिया. गृहस्वामी ने बताया कि घर में दुर्गा पूजा हो रही है. पत्नी महाअष्टमी पर कन्या पूजन का भोग बना रही थी. इसी दौरान कड़ाही के तेल में अचानक आग भड़क गई, लेकिन माता रानी की कृपा से समय रहते आग पर काबू पा लिया गया. मौके पर पहुंचे अग्निशमन विभाग के इंस्पेक्टर लक्ष्मण प्रसाद ने बताया कि आग की सूचना पर दमकल की दो गाड़ी के साथ पूरी टीम आनन-फानन में मौके पर पहुंची, तब तक गृहस्वामी और अपार्टमेंट के लोगों अपनी सूझबूझ से फायर सेफ्टी यंत्र के सहारे आग पर काबू पा लिया था.

अपार्टमेंट का जायजा लेती फायर डिपार्टमेंट व पुलिस की टीम.

शिक्षिका गई थी पूजा करने, घर में लगी आग

बेरमो। आइईएल थाना क्षेत्र के आवासीय कॉलोनी में 21 अक्टूबर की रात को पिट्स माडर्न स्कूल की शिक्षिका सुमन शर्मा के आवास में आग लग गई. जब यह घटना घटी उस समय शिक्षिका दुर्गा मंडप में पूजा करने गई थी. घर पर ससुर चन्देश्वर प्रसाद और उसका पुत्र था. घर पर लगी आग की लपटें जब तेज हुई तो आसपास के लोग आवाज सुनकर उसके घर पहुंचे. पूजा समिति के सदस्य दिलीप कुमार सिंह ने बताया कि क्वार्टर में आग की लपटें देखकर उसके घर पहुंचा और बुजुर्ग चंदेश्वर प्रसाद और उसके बच्चे को बाहर निकाला. घटना की जानकारी मिलते ही पूजा पंडाल में तैनात फायर ब्रिगेड की गाड़ी को बुलाया गया और लगी आग को बुझाया. शिक्षिका सुमन शर्मा ने आइईएल थाना प्रभारी अभिषेक महतो को बताया कि वह घर में दीप प्रज्वलित कर पूजा पंडाल में पूजा करने गई थी. आग कैसे लगी कुछ कहा नहीं जा सकता है. अनुमान के अनुसार करीब पचास हजार रुपये का सामान नष्ट होने की संभावना है. घर का दरवाजा, अलमीरा, पंखा सहित अन्य कीमती सामान जलकर नष्ट हो गया है.

नदी घाट व चौराहों पर एंबुलेंस के साथ रहेगी डॉक्टर्स की टीम

संवाददाता। जमशेदपुर

विजयादशमी के दिन मां दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन जुलूस को लेकर जिला प्रशासन एवम् स्वास्थ्य विभाग द्वारा 18 टीम का गठन किया गया है. टीम में डॉक्टर व पारा मेडिकल कर्मचारी एंबुलेंस व जरूरी दवा के साथ खरकई एवं स्वर्णरेखा नदी किनारे तैनात होंगे ताकि पीड़ित को तत्काल चिकित्सीय सहायता मुहैया कराई जा सके. जबकि जमशेदपुर के आधा दर्जन चौक चौराहों पर भी मेडिकल टीम रहेगी जहां विसर्जन जुलूस को लेकर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है.

दूसरी ओर जिला प्रशासन और पुलिस नदी किनारे गोताखोर की टीम तैनात करेगी. इस संबंध में उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने मीडिया को बताया कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एनडीआरएफ और रैपिड फोर्स को विभिन्न स्थानों पर तैनात किया जाएगा. सभी विसर्जन जुलूस निर्धारित रूट से घट तक जायेंगे. बिजली विभाग को निर्देश दिया गया है की सभी जर्जर और लटके हुए बिजली तार को दुरुस्त कर ले. दंडाधिकारी को निर्देश दिया गया है सभी गतिविधियों पर नजर रखें. स्वास्थ्य विभाग द्वारा विसर्जन घट सहित चौराहों पर डॉक्टर्स की टीम को तैनात करने का निर्देश दिया गया है.

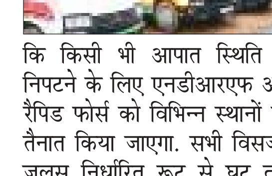

314 पुलिसकर्मियों के आश्रितों को मिली 93.30 लाख की सहायता राशि

संवाददाता। रांची

झारखंड पुलिस के 314 मृत पुलिसकर्मियों के आश्रितों को 93.30 लाख की सहायता राशि मिली है. यह राशि परोपकार कोष से दी गयी है.

गौरतलब है कि झारखंड पुलिस मुख्यालय में बीते एक सितंबर को झारखंड पुलिस शिक्षा और परोपकार कोष से सहायता राशि की स्वीकृति के लिए बोर्ड की बैठक हुई थी. बैठक में पुलिसकर्मियों के आश्रितों को सहायता राशि देने का फैसला लिया गया था. बैठक की अध्यक्षता डीजीपी अजय कुमार सिंह ने की थी. जबकि एडीजी मुख्यालय, एडीजी अभियान, आईजी प्रोविजन, डीआईजी कार्मिक, डीआईजी सीआईडी, झारखंड पुलिस एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष और झारखंड पुलिस मेंस एसोसिएशन के अध्यक्ष भी इस बैठक में शामिल हुए थे.

किस जिले व विभाग के कितने पुलिसकर्मियों के आश्रितों को मिली राशि

रांची	: 13	खूंटी	: 11
जमशेदपुर	: 17	हजारीबाग	: 10
चतरा	: 15	होमगार्ड	: 01
गिरिडीह	: 07	निगरानी	: 01
पलामू	: 01	झारखंड जगुआर	: 07
गढ़वा	: 11	रेल जमशेदपुर	: 10
कोडरमा	: 03	रेल धनबाद	: 15
सरायकेला	: 02	स्पेशल ब्रांच	: 22
चाईबासा	: 09	जैप और आईआरबी	: 131
धनबाद	: 06	वायरलेस	: 06
पाकुड	: 04	एसआईएसएफ	: 02
देवघर	: 01	टीटीएस जमशेदपुर	: 01
दुमका	: 08	**कुल**	**: 314**

आओ जानें

जिले की पुलिस द्वारा कितने मामलों में सौंपी गई फाइनल रिपोर्ट

रांची	: 417	कोडरमा	: 24
खूंटी	: 17	चतरा	: 22
गुमला	: 28	गिरिडीह	: 72
सिमडेगा	: 15	धनबाद	: 260
लोहरदगा	: 20	बोकारो	: 230
चाईबासा	: 22	दुमका	: 34
सराइकेला	: 28	गोड्डा	: 37
जमशेदपुर	: 152	जामताड़ा	: 18
पलामू	: 72	देवघर	: 137
लातेहार	: 16	साहेबगंज	: 26
गढ़वा	: 50	पाकुड़	: 25
हजारीबाग	: 144	कुल	: 1887
रामगढ़	: 21		

ब्रीफ खबरें

बाइक स्किट करने से युवक हुआ घायल

बहरागोड़ा । बहरागोड़ा के दांदुडीह गांव निवासी लक्ष्मीकांत महतो (25) घर से बहरागोड़ा पूजा घूमने के लिए निकले थे. रंगामटिया के समीप रोड खराब रहने के कारण बाइक स्हो कर गई, जिससे वे सड़क पर गिर कर घायल हो गए. लोगों ने निजी वाहन से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहरागोड़ा पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सिर में चोट लगने के कारण सीटी स्कैन के लिए पीआरएम मेडिकल कॉलेज बारीपदा रेफर कर दिया गया.

वाहन की चपेट में आने से युवक घायल

तोपचांची (धनबाद) । तोपचांची के मानटांड़ चौक पर रविवार को अज्ञात वाहन की चपेट में आकर बाइक सवार युवक संजय महतो गंभीर रूप से जख्मी हो गया. वह हरिहरपुर थाना क्षेत्र के खेराबेड़ा का रहनेवाला है. पुलिस ने घायल युवक को इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच धनबाद भेज दिया. ग्रामीणों ने बताया कि बाइक सवार युवक राजगंज से तोपचांची की ओर जा रहा था. तभी किसी तेज रफ्तार वाहन ने उसे जोरदार ठोकर मार दी. पुलिस घटना की जांच में जुट गई है.

घायल युवक को पुलिस ने अस्पताल में किया भर्ती

मनोहरपुर । रविवार देर शाम सड़क पर घायल युवक को मनोहरपुर पुलिस द्वारा उपचार के लिए मनोहरपुर सीएचसी में भर्ती कराया है. वहां युवक का स्थानीय चिकित्सकों के देख-रेख में इलाज चल रहा है. मिली जानकारी के मुताबिक घायल युवक 25 वर्षीय रूईदास चिड़िया का रहने वाला है. पुलिस उसके परिजन को सूचना दे दिया है. घायल युवक नशे की हालत में है और उसका इलाज मनोहरपुर अस्पताल में चल रहा है.

तीन बाइक जलाने के आरोप में चार धराए

सिमडेगा । 15 सिंतबर की रात सगीर, पिता सईद के किराये के मकान में रखा एक टीवीएस मोटरसाइकिल, दो हीरो होण्डा मोटर बाइक (कुल तीन मोटर साईकिल), तीन बोरा कंबल और एक पंखा जला दिया गया था. करीब सवा लाख रुपये का नुकसान हुआ था. घटना को लेकर कोलेबिरा थाना में मामला दर्ज कराया गया था. पुलिस मामले का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. चारों को जेल भेज दिया गया है.

जीजा ने किया साली के साथ दुष्कर्म

बोकारो । बोकारो में 28 साल के युवक ने अपनी 16 साल की साली के साथ दुष्कर्म किया. आरोपी जीजी दो बच्चों का पिता भी है. आरोपी ने दुष्कर्म करने के बाद मासूम का वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया.पीड़िता के परिजनों ने स्थानीय थाने में आरोपी दामाद के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है. एफआईआर दजर्ज कर पुलिस आरोपी युवक की धर-पकड़ के लिए छापेमारी कर रही है. पुलिस ने पीड़िता से पूछताछ कर उसका बयान भी दजर्ज कर लिया है.

प्रशासन की हुड़दंगियों पर रहेगी पैनी नजर

सतगावां । प्रखंड के समलडीह स्थित पूजा पंडाल में स्थित मंडप का पट भक्तों के लिए खोल दिया गया. पट खुलते ही मां के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी है. शारदीय नवरात्रि की महाष्टमी को मंदिरों और पूजा पंडालों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी. सुबह से ही दर्शन पूजन के लिए भक्तों की लंबी कतार लगी रही. जयकारों से पूरा वातावरण देवीमय हो गया. वहीं, प्रखंड प्रशासन के द्वारा विधि-व्यवस्था को लेकर बाजार के चप्पे-चप्पे पर पुलिस बलों की तैनाती की गयी है.

महिला की मौत के बाद परिजनों ने किया हंगामा

बोकारो । जरीडीह थाना क्षेत्र के जैनामोड़ में संचालित आयुष्मान अस्पताल में एक गायनिक ऑपरेशन के बाद 26 वर्षीय नेहा देवी की मौत का मामला सामने आया है. महिला की मौत के बाद परिजनों से रविवार को दोपहर कई घंटे तक अस्पताल के गेट को जाम कर दिया. अंततः वार्ता के बाद अस्पताल प्रबंधन की ओर से मृतक के परिजनों को पांच लाख रुपये मुआवजा देने के बाद मामला शांत हुआ.

केस करने से पूर्व सीआईएसएफ-सेल प्रबंधन में वार्ता जारी

सेल की मेघाहातुबुरु खदान से 6 लाख की स्क्रैप चोरी करते दो वाहन जब्त

पुलिस ने 21 अक्टूबर की देर रात की छापेमारी

संवाददाता । किरीबुरु

सेल की किरीबुरु-मेघाहातुबुरु खदान की सुरक्षा में तैनात सीआईएसएफ जवानों ने छह लाख का चोरी का स्क्रैप ले जाते दो वाहनों को पकड़ा है. सीआईएसएफ जवानों ने चोरी के रोलर लदे दो कैम्फर वाहन (जेएच 06 सी-8195 और जेएच 06 सी-8591) को पकड़ा है. यह कार्रवाई सीआईएसएफ के उप कमांडेंट धर्मेंद्र सिंह चाहर के आदेश और किरीबुरु थाना प्रभारी फिलमोन लकड़ा के सहयोग से की गई.

रांगरिंग गांव के ग्रामीण सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सीआईएसएफ व पुलिस की यह कार्यवाही 21-22 अक्टूबर की मध्य रात्रि की गई. सभी रोलर सेल की मेघाहातुबुरु खदान से चोरी कर रांगरिंग गांव क्षेत्र में रखा गया था. बरामद रोलर की कीमत लगभग 5 से 6 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है. सीआईएसएफ व पुलिस की कार्यवाही के दौरान रोलर चोरी व तस्करी की घटना में शामिल लगभग 15-20 चोर जंगल का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे. इस घटना में रांगरिंग गांव के चोरों के अलावे बड़ाजामदा, गुआ, राउरकेला व बड़बिल के स्क्रैप माफिया शामिल थे. पकड़ा गया दोनों कैम्फर बड़ाजामदा का बताया जा रहा है. सूत्रों का कहना है कि पिछले कुछ महीनों के दौरान स्क्रैप माफिया मेघाहातुबुरु खदान से लगभग एक करोड़ रुपये से अधिक की स्क्रैप व रोलर की चोरी कर चुके हैं. हालांकि अभी तक सीआईएसएफ व किरीबुरु थाना पुलिस के कोई भी पदाधिकारी फोन नहीं उठा रहे हैं, जिस कारण वास्तविक सच्चाई सामने नहीं आ पा रही है.

विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सारंडा के ग्रामीणों से सीआईएसएफ जवानों को सूचना मिली थी की बाहरी स्क्रैप माफिया रांगरिंग गांव के कुछ चोरों के सहयोग से मेघाहातुबुरु खदान से निरंतर रोलर व अन्य सामान की चोरी कर कैम्फर वाहन से कुमडीह- सैडल गेट के रास्ते बड़ाजामदा व बड़बिल में ले जा रहे हैं. इसी सूचना के बाद सीआईएसएफ के निगरानी विभाग के दो जवानों ने पहले रांगरिंग गांव के जंगलों में रात के समय एम्बुस लगाई. एम्बुस के दौरान देखा कि कुमडीह तरफ से दो वाहन रांगरिंग गांव क्षेत्र में आया एवं दोनों वाहन में रांगरिंग गांव के लोग चोरी के रोलर लोड कर रहे हैं. इसकी जानकारी जवानों ने सीआईएसएफ व पुलिस के अधिकारियों को दी.

इसके बाद घटनास्थल पर रात के समय सीआईएसएफ व पुलिस टीम टीम को भेजा गया. जब रोलर की लोडिंग चल हीं रही थी तब जवानों ने हमला बोला. लेकिन सारे चोर जंगल में भाग गये. घोर नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने के कारण जवानों ने चोरों का पीछा करना उचित नहीं समझा एवं रोलर लदे दोनों वाहनों को जब्त कर मेघाहातुबुरु खदान गेट पास लेते आयी. उल्लेखनीय है कि लगातार न्यूज में रांगरिंग गांव क्षेत्र से स्क्रैप की चोरी की खबर जारी हो रही थी, लेकिन पुलिस की कार्यवाही नहीं होने से चोरों का मनोबल बढ़ता गया. सेल की मेघाहातुबुरु खदान के लीज क्षेत्र में रांगरिंग गांव अवैध रुप से बसाया गया है. सेल प्रबंधन अब पुलिस-प्रशासन से इस गांव को हटाने हेतु आग्रह कर सकती है. सबसे अहम बात यह है कि किसी भी गांव का मुंडा पुलिस-प्रशासन का अभिन्न अंग होता है. लेकिन इतने बडे. पैमाने पर रांगरिंग गांव क्षेत्र से स्क्रैप चोरी की निरंतर घटना होने के बावजूद मुंडा द्वारा इसकी जानकारी पुलिस को नहीं दिया जाना अनेक सवाल खडा. कर रहा है. पुलिस भी अब चोरी की घटना में शामिल रांगरिंग गांव के चोरों की पहचान कर उनके खिलाफ बडी. कार्यवाही की तैयारी में लगी है.

सारंडा के ग्रामीण व जानकारों का कहना है कि सैडल गेट में गोरखा बटालियन का कैंप है. जहां झारखंड पुलिस के पदाधिकारी भी नियुक्त रहते हैं. इसी कैंप चौक से कुमडीह व रांगरिंग जाने का एक मात्र रास्ता है. कैंप में तैनात संतरी रात में जाते व आते हर वाहन को देखती है, लेकिन वह पकड़ नहीं रही है. यह बड़ा मामला है. लोगों का कहना है कि अगर यहां पुलिस का एक चेकनाका बना दिया जाये तो सारंडा होकर झारखण्ड-ओडिशा के रास्ते होने वाली तमाम गतिविधियां रूक जायेगी.

शिक्षक बहाली के नाम पर 28 लोगों से 43 हजार रुपये की ठगी, हुआ फरार

- स्वामी विवेकानंद चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा सभी लोगों से शिक्षक बहाली के नाम पर 1550रुपये की वसूली की गयी

संवाददाता । चंदवा

कुसुम टोली चंदवा निवासी राकेश उरांव ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि वो एक बेरोजगार युवक है जो ठगी का शिकार हो गया है. उसे झांसे में लेकर बाल विकास शिक्षा कार्यक्रम के नाम पर स्वामी विवेकानंद चैरिटेबल ट्रस्ट बंगलोर (भारत) नामक संस्था ने 1 से 7 वीं कक्षा के बच्चों को पढ़ाने के लिए शिक्षक बहाली शुरू किया. बोला गया कि आप शिक्षक बहाल कीजिए, शिक्षकों को प्रथम से तीसरे माह तक तीन हजार पांच सौ रुपए और चौथे माह से चार हजार से पांच रुपए देने की बात कही गयी. उन लोगों के द्वारा उसे फिल्ड ऑफिसर पद पर नियुक्ति किया गया और पांच हजार पांच सौ रुपये से सात हजार रुपये तक प्रतिमाह देने का प्रलोभन दिया गया.

हरेक व्यक्ति से लिया गया 1550 रुपये : राकेश उरांव ने बताया कि पंचायत से 28 टीचर का नियुक्ति कर दिया. स्वामी विवेकानंद चैरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा सभी व्यक्ति से 1550/रु. बहाली के नाम से लिया गया. उसका फोन पे गूगल पे और बैंक का नाम स्टेट बैंक ऑफ इंडिया है. सभी शिक्षकों द्वारा बच्चों को पढ़ाने के एक माह बाद शिक्षकों का मानदेय नहीं मिला तब सभी टीचर मुझसे सैलरी की मांग करने लगे. तब मैने अपने सीनियर को फोन किया तो फोन बंद आने लगा. बाद में पता चला कि स्वामी विवेकानंद शैक्षणिक चैरेटिबल ट्रस्ट संस्था ही फर्जी था. हम सभी लोग को सब्जबाग दिखाकर ठगी का शिकार हो गये.

चोरी का खुलासा, दो शातिर चोर गिरफ्तार

रांची । ओरमांझी थाना पुलिस ने चोरी का खुलासा करते हुए दो शातिर चोर को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार चोरों में महमूद आलम और अहमद अंसारी शामिल है. इनके पास से चोरी की होंडा एक्टिवा स्कूटी, पांच चांदी का पायल, एक सिलाई मशीन, चांदी का हाथ का बेड़ा तीन और स्विफ्ट डिजायर कार की एक चाभी बरामद किया गया है. ग्रामीण एसपी मनीष टोप्पो ने रविवार को बताया कि गत 20 अक्टूबर को ओरमांझी थाने में चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था . मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएसपी सिल्ली के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया. टीम ने कार्रवाई करते हुए चोरी के समान के साथ दो शातिर चोर को गिरफ्तार किया. महमूद आलम के खिलाफ रांची में पूर्व से अलग अलग थाने में नौ मामले दर्ज हैं. इसके खिलाफ भी ओरमांझी थाने में दो मामले पूर्व से दर्ज है.

गावां-सतगावां मुख्य सड़क की घटना

ऑटो की टक्कर से बाइक सवार तीन युवक घायल

गावां (गिरिडीह) । गिरिडीह जिले के गावां-सतगावां मुख्य पथ पर मल्हेत के समीप रविवार को ऑटो व बाइक में जोरदार टक्कर हो गई. घटना में बाइक पर सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए. विधायक प्रतिनिधि मुन्ना सिंह ने घायलों को 108 एंबुलेंस से गावां सीएचसी भेजवाया. डॉ. हबीबुल्लाह खान की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है. जानकारी के अनुसार, गावां प्रखंड के आलमपुर निवासी सादाब आलम, सहैल आलम व सन्नाउल आलम एक ही बाइक पर सवार होकर घर से गावां की ओर जा रहे थे. रास्ते में मल्हेत के समीप गावां से बिरने की ओर जा रहे ऑटो ने उन्हें टक्कर मार दी. घटना के बाद ऑटो चालक भाग निकला.

हुसैनाबाद : सड़क हादसे में मृतकों के शव पहुंचते ही मचा कोहराम

हुसैनाबाद (पलामू) । कार दुर्घटना में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत के बाद मृतकों का शव पैतृक गांव पहुंचा,.चार शवों के एक साथ पहुंचते ही गांव में चीख पुकार मच गयी. परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल था. बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गये. बता दें कि दिल्ली से झारखंड आते समय यमुना एक्सप्रेस-वे पर अज्ञात वाहन के टक्कर से कार सवार पलामू जिला के एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गयी थी. हादसे में ड्राइवर की भी मौत हो गयी थी. घायल तीन बच्चों का गंभीर अवस्था में इलाज चल रहा है. परिजनों की मांग है कि सरकार घायल बच्चों का इलाज ग्रेटर नोएडा में कराये. परिवार का आर्थिक स्थिति काफी गम्भीर है. इस मौके पर पूर्व सांसद कामेश्वर बैठा, आलोक कुमार सिंह, औसाफ अहमद, विधायक कमलेश कुमार सिंह, कृष्णा बैठा मृतक के घर पहुंचे और हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया.

जेलगोड़ा के नाले में सफाई कर्मी का शव हुआ बरामद

संवाददाता । जोड़ापोखर (धनबाद)

जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के जियलगोड़ा 7 नंबर स्थित सैरा के नाले में रविवार को सफाईकर्मी नरेश हाड़ी का शव तैरता मिला. ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसएनएमएमसीएच धनबाद भेज दिया. स्थानीय लोगों का कहना है कि घटनास्थल से 10 मीटर की दूरी पर शराब दुकान है. नरेश हाड़ी अक्सर शराब के नशे में रहता था. ग्रामीणों ने आशंका जताई कि संभवतः अधिक शराब पीने की वजह से नाले में गिरकर उसकी मौत हो गई होगी. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था. परिवार में मृतक की पत्नी वीणा देवी, पुत्र गोलू हाड़ी व पुत्री ज्योति कुमारी हैं. थाना प्रभारी विनोद उरांव ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण का पता चल सकेगा.

एडीजी तदाशा मिश्रा से 71 हजार रुपये की धोखाधड़ी, केस दर्ज

रांची । एडीजी तदाशा मिश्रा से 71 हजार रुपये की धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है. इसे लेकर चुटिया थाने में मामला दर्ज कराया गया है. एडीजी तदाशा मिश्रा के साथ प्रतिनियुक्त जैप-1 के हवलदार शम्मी क्षेत्री ने इस मामले में चुटिया थाने में 20 अक्टूबर को रविकांत भल्ला पर मामला दर्ज कराया है. दर्ज कराए गए मामले के अनुसार, ऑक्सफोर्ड स्कूल के पास रहनेवाले रविकांत को तदाशा मिश्रा ने अपने मकान की मरम्मत के लिए ईंट-गिट्टी आपूर्ति करने का आर्डर दिया था. उन्होंने एडवांस में उसे 1.33 लाख रुपए दिए थे. भल्ला ने पहले घटिया क्वालिटी की ईंट-गिट्टी आपूर्ति की, क्वालिटी खराब देखकर तदाशा मिश्रा ने उसे आपूर्ति रोकने को कहा. साथ ही, उससे शेष 71200 रुपए लौटाने को कहा. इस पर भल्ला ने 25 हजार का एक चेक दिया, जो बाउंस हो गया. इसके बाद वह कई महीने तक टाल-मटोल करता रहा, फिर अपना मोबाइल स्विच ऑफ कर लिया.

दुमका में जमीन विवाद में चली गोली अधेड़ की मौत, एक आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता । दुमका

जामा थाना क्षेत्र के लोधना गांव में रविवार को जमीन विवाद में अपराधियों ने एक व्यक्ति को गोली मार हत्या कर दी. घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी उत्तम कुमार पासवान पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे. पुलिस के जांच के क्रम में गोली का तीनों खोखा भी बरामद किया है. जानकारी के अनुसार फरीद शेख और उसके बहनोई अकबर शेख ने घर के बाहर बैठे फारुख शेख को पहले तो लाठी डंडे से पीटा. फिर फरीद और उसके बहनोई ने पिस्टल निकालकर ताबड़तोड़ तीन गोलियां चला दी. इससे फारुख (55) की मौत इलाज के लिए फुलो झानो मेडिकल कॉलेज में ले जाने के क्रम में हो गयी. गोली फारुख शेख के जबड़े, पेट एवं सर के पिछले भाग में लगी है.

घटना की सूचना मिलते ही डीएसपी एएन सिंह मौके पर पहुंच मृतक के परिजनों का बयान लिया. मृतक के चचेरे भाई इब्राहिम शेख ने बताया कि दोनों परिवार में लगभग 50 वर्षों से जमीन का विवाद चल रहा था. इसको लेकर मामला हाई कोर्ट में चल रहा था. लगभग दो माह पूर्व आरोपित फरीद शेख अपने परिवार के साथ अंचल कार्यालय के समक्ष इसी जमीन विवाद में न्याय को लेकर धरना पर बैठा था. इसमें अंचलाधिकारी आशीष कुमार मंडल के अश्वासन के बाद धरना समाप्त किया था. थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपित फरीद शेख को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. मौके पर एसडीओ कौशल किशोर, पुलिस इंस्पेक्टर अरविंद कुमार, एसआई रविशंकर सिंह, सुमित कुमार सहित पुलिस के पदाधिकारी और जवान मौजूद थे.

सफलता चोरों ने साहोबहियार के पास जंगल में छुपाकर रखा था, पुलिस ने किया बरामद

मालखाना से चोरी हुआ 25 क्विंटल सरिया बरामद

तोपचांची (धनबाद) । तोपचांची थाना पुलिस को साहोबहियार स्थित मालखाना से लोहे का सरिया चोरी मामले में बड़ी सफलता हाथ लगी है. पुलिस ने साहोबहियार गांव के पीछे जंगल में छुपाकर रखा करीब 25 क्विंटल सरिया रविवार को बरामद कर लिया. पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर जंगल में छापामारी कर सरिया को जब्त किया. ज्ञात हो कि बीते 2 अक्टूबर को रात के अंधेरे में अपराधियों ने मालखाना से भारी मात्रा में लोहे का सरिया व तार की चोरी की थी. छापेमारी में एसआई अनिल विधार्थी, दिनेश मुंडा, राकेश कुमार गुप्ता सहित अन्य पुलिस जवान शामिल थे.

नेतरहाट घाटी में गिरी कार, रांची के युवक की मौत, चार घायल

गुमला । जिले के गुरदरी थाना क्षेत्र के नेतरहाट घाटी स्थित मिलिट्री मोड़ के समीप कार अनियंत्रित होकर 300 फीट गहरी खाई में गिर गयी. इस हादसे में रांची के रहने वाले एक युवक की मौत हो गयी. वहीं कार में सवार अन्य लोगों को गंभीर चोटें आयी है. घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है. बताया जाता है कि कार पर सवार होकर पांच युवक रांची से नेतरहाट घूमने जा रहे थे. इस हादसे में रांची के बरियातू निवासी मोहम्मद शहबाज रिजवी उर्फ कैफ (20 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गयी. वहीं, चालक शदाब खान (35 वर्ष) के सिर पर गंभीर चोटें आयी है और शारीख खान का दाहिनी पैर टूट गया. जबकि अन्य फरदीन खान (18 वर्ष) और सइयद सवेब (19 वर्ष) को हल्की चोटें लगी है.

डुमरी के प्रवासी मजदूर की मुंबई में हो गई मौत, शोक

संवाददाता । गिरिडीह

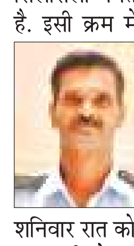

प्रवासी मजदूरों की मौत का सिलसिला थमता नजर नहीं आ रहा है. इसी क्रम में गिरिडीह जिले के डुमरी थाना क्षेत्र अंतर्गत चैनपुर के मगरगड्डी के मजदूर की मुम्बई के पनवेल के कलमबोली में शनिवार रात को मौत हो गयी. मिली जानकारी के अनुसार डुमरी थाना क्षेत्र अंतर्गत चैनपुर के मगरगड्डी निवासी जयगोपाल सिंह के 50 वर्षीय पुत्र रामविलास सिंह की शनिवार रात को मुम्बई में मौत हो गयी. घटना के कारणों के बारे में अभी तक कोई पूरी जानकारी नहीं मिल सकी है. मृतक रामविलास सिंह मुम्बई में अपने परिवार के साथ रहकर गार्ड का काम करता था. मृतक अपने पीछे पत्नी सरस्वती देवी व चार बेटियां और दो बेटे को छोड़ गया है.

इस घटना को लेकर प्रवासी मजदूरों के हित में कार्य करने वाले समाजसेवी सिकंदर अली ने संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि झारखंड के नौजवानों के मौत के मुंह में समा जाने की यह पहली घटना नहीं है. इससे पहले भी कई लोगों की मौत हो चुकी है. रोजी-रोटी की तलाश में परदेस गये प्रवासी झारखंडी मजदूरों की मौत का सिलसिला जारी है. हर रोज झारखंड के किसी न किसी इलाके से प्रवासी मजदूर की दूसरे राज्यों या विदेश में मौत की खबरें आ रही है.

धनबाद में सात लाख का जलेगा रावण

संवाददाता। धनबाद

धनबाद में दशहरा के दिन बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक रावण के पुतले का दहन दशकों से होता आया है. इस वर्ष जिले में तीन स्थानों पर रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन होगा. इनमें सबसे पुराना रावण दहन कार्यक्रम सिंदरी में, जबकि धनबाद क्लब में वर्ष 2014 से हो रहा है. इस बार ज़िले में रावण दहन पर कुल करीब सात लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है.

धनबाद क्लब में 3 लाख रुपए में बने हैं रावण, कुंभकर्ण व मेघनाद के पुतले : धनबाद क्लब में तीन लाख रुपए की लागत से रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतले तैयार किए गए हैं. क्लब के सचिव संजीव वियोत्रा ने बताया कि 65 फीट का रावण और 40-40 फीट के कुंभकर्ण व मेघनाद के पुतले तैयार करने में लगभग ढाई लाख रुपये लगे हैं. आतिशबाजी और अन्य अन्य तैयारी पर 50 हज़ार रुपये लागत आई है. यानी यहां रावण दहन पर कुल तीन लाख रुपये खर्च होंगे.

सिंदरी में 1956 में शुरू हुआ था रावण दहन : सिंदरी में रावण दहन की शुरुआत वर्ष 1956 में हुई थी. इस वर्ष यहां रावण दहन कार्यक्रम पर कुल करीब तीन लाख रुपये खर्च होंगे. यह जानकारी शिव मंदिर कमेटी शहरपुरा, सिंदरी के सचिव दिनेश सिंह ने दी. उन्होंने बताया कि 26 दिनों में 65 फीट ऊंचा और 40 फीट चौड़ा रावण का पुतला तैयार किया जा रहा है. पुतला निर्माण पर एक लाख 50 हजार रुपये व पटाखों पर 75 हजार रुपये खर्च होंगे. इसके अलावा अन्य तैयारियों पर 75 हजार रुपये खर्च होने का अनुमान है.

भूली बी-ब्लॉक में बन रहा 35 फीट ऊंचा रावण

धनबाद के भूली बी-ब्लॉक में इस वर्ष 35 फीट ऊंचा रावण का पुतला जलाया जाएगा. कारीगर बीते 24 दिनों से पुतला निर्माण में व्यस्त है. इस वर्ष रावण दहन कार्यक्रम का बजट एक लाख रुपये का है. इस राशि में रावण के पुतले का निर्माण और आतिशबाजी शामिल है. भूली बी-ब्लॉक रावण दहन कमेटी के अध्यक्ष रोशन कुमार ने बताया कि यहां रावण दहन कार्यक्रम वर्ष 2000 में शुरू हुआ था और 23 वर्षों से यह सिलसिला जारी है.

2007 से हो रहा है रावण दहन आयोजन

जमशेदपुर। श्री श्री गोविंदपुर रावण दहन समिति द्वारा 2007 से प्रति वर्ष यह अयोजन किया जा रहा है. इस वर्ष 51 फीट का रावण का पुतला बनाया जा रहा है. पुतला बनाने के लिए बंगाल से कारीगर आए हुए है. वहीं आतिशबाजी के लिए ओडिशा से कलाकार आए हुए हैं. समिति के संस्थापक अध्यक्ष राधेश्याम सिंह एवम् वर्तमान अध्यक्ष कमलेश सिंह और सचिव रमन झा है. सचिव रमन झा ने बताया कि इस वर्ष रावण दहन का बजट 2 लाख रूपये है. लगभग 2 घंटे तक आतिशबाजी होगी. मुख्य अतिथि के तौर पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ऑर सम्मानित अतिथि अमरप्रीत सिंह काले उपस्थित रहेंगे.

श्री श्री सार्वजनिक रावण दहन कमिटी बागुनहातु द्वारा 1995 से रावण दहन का आयोजन किया जा रहा है. कमिटी के अध्यक्ष एस बी राणा ने बताया कि इस वर्ष 31 फीट का रावण का पुतला बनाया जा रहा है.

रावण दहन देखने करीब 10 हजार से अधिक लोग सारंडा के गांवों से आते हैं

मेघाहातुबुरु दुर्गा पूजा कमेटी

- लगभग डेढ़ लाख रुपये खर्च कर किया जायेगा रावण दहन.
- मेघाहातुबुरु का रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन ऐतिहासिक होता है.
- रावण दहन कार्यक्रम को देखने करीब 10 हजार से अधिक लोग सारंडा के गांवों से आते हैं.
- इस बार लगभग 60 फीट ऊंचा रावण का निर्माण किया जा रहा है.
- दो सेलकर्मी के नेतृत्व में लगभग 8-10 ठेका श्रमिक काम कर रहे हैं.
- रावण दहन पर कुल खर्च लगभग डेढ़ लाख रुपये है.
- इसमें सिर्फ 80-85 हजार रुपये आतिशबाजी पर खर्च होंगे.

सार्वजनिक दुर्गा पूजा कमेटी

- फुटबॉल मैदान, बड़ाजामदा में लगभग एक लाख रुपये खर्च कर रावण दहन का आयोजन किया जायेगा.
- इस बार 40 फीट ऊंचे रावण का निर्माण बाहर से आए कलाकारों द्वारा किया जा रहा है.
- रावण दहन पर लगभग एक लाख रुपये खर्च का अनुमान है.

रांची में 1948 में पहली बार हुआ था रावण दहन

निलय सिंह। रांची

रांची मे रावण दहन की शुरुआत आजादी के बाद हुई. इससे पहले यहां के लोग इस परंपरा से अनभिज्ञ थे. विभाजन के बाद पंजाब (अब पाकिस्तान) से जो शरणार्थी आए थे. उन्होंने 1948 में रांची में पहली बार रावण का दहन किया. 74 साल पहले हुआ छोटा सा आयोजन अब रांची के लिए एक बड़ा आयोजन बन गया है. 1947 में आजादी के बाद पश्चिमी पाकिस्तान नॉर्थ वेस्ट फ्रंटियर से हजारों की संख्या में शरणार्थियों ने रांची में शरण ली. उस समय पंजाबी समाज के लाला खिलदा राम भाटिया, लाला ईश्वर दास अजमानी, एन आर धीमान, भगवान दास आनंद, यशपाल आनंद, रामलाल चावला, राधा कृष्ण वीरमानी समेत 10-12 पंजाबी परिवारों ने 1948 में विजयादशमी के दिन रावण दहन के रूप में अपना सबसे बड़ा पर्व दशहरा मनाया. उस वक्त ये पुतला इन लोगों ने खुद बनाया था जो 12 फीट का था. ये आयोजन मेन रोड डाक घर के सामने स्थित डिग्री मैदान में हुआ जहां अभी रांची विवि का भवन है.

कार्यक्रम में रांचीवासियों ने पहली बार रावण दहन देखा ये उनके लिए पहला अनुभव था. विजयादशमी के दिन गाजे-बाजे के साथ पंजाबी ढोल नगाड़े के बीच शाम में रावण के पुतले का दहन किया गया, जो रांची के लोगों के लिए एक नयी बात थी. रांची के पूर्व विधायक व पंजाबी हिंदू बिरादरी के पूर्व अध्यक्ष गुलशन लाल अजमानी बताते हैं कि रावण का पुतला जो बनता था, उसमें रावण का मुंह गधे का होता था. भीड़ बढ़ने के कारण साल 1950 से लेकर 1955 तक रावण के पुतले का दहन बारी पार्क (टाउन हॉल के पास) में होने लगा. पहले आयोजन में जहां 500-1000 लोग एकत्रित होते थे, वहीं अब यह 25 से 30 हजार तक पहुंच गयी थी. रावण दहन के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होने लगे.

इसके बाद पंजाबी हिंदू बिरादरी ने रावण का निर्माण डोरंडा राम मंदिर में करवाना शुरू किया और दहन के लिए राजभवन के सामने वाले मैदान (वर्तमान नक्षत्र वन) का चयन किया गया.

परंपरा कायम

- 74 साल पहले एक छोटे से आयोजन में हुई थी शुरुआत
- पंजाबी हिंदू बिरादरी के लोगों ने आयोजन की पहल की

पुतले का निर्माण डिग्री कॉलेज में ही होता था

1949 तक रावण के पुतले का निर्माण डिग्री कॉलेज के बरामदे में ही होता था. बाद में पंजाबी हिंदू बिरादरी के सदस्यों ने जगह छोटी पड़ने पर रेलवे स्टेशन के निकट स्थित खजुरिया तालाब के निकट बनाए गए रिफ्यूजी कैंप में ही पुतले का निर्माण शुरू किया. इसके साथ ही पुतले की ऊंचाई 12 से 20 फीट कर दी गयी. 1950 से 1955 तक यह सिलसिला चलता रहा. धीरे-धीरे रावण के पुतले की लंबाई 25 से 35 फीट पहुंच गयी.

1960 से रावण दहन मोरहाबादी में होने लगा

पंजाबी हिंदू बिरादरी के प्रवक्ता अरुण चावला ने बताया कि ये वो समय था, जब रांची में दुर्गा पूजा के पंडालों की भी संख्या बढ़ी और रावण दहन में और ज्यादा भीड़ बढ़ने लगी फलस्वरूप आयोजकों ने 1960 में रावण दहन का कार्यक्रम मोरहाबादी मैदान में करना उपयुक्त समझा, जो आजतक जारी है. इसके साथ ही अब पंजाबी हिंदू बिरादरी के आयोजकों ने रावण के साथ मेघनाथ तथा कुंभकर्ण के पुतले को भी शामिल किया और सोने की लंका का भी निर्माण किया जाने लगा. झारखंड बनने के बाद पहले मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने रावण का पुतला दहन किया और उस समय से अब तक मोरहाबादी के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ही मुख्य अतिथि होते हैं और वहीं रावण के पुतले का दहन करते हैं.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष दसम चंद्रमा के प्रभाव में हैं. पहले किए गए कार्यों के उत्तम परिणाम आज देखने को मिलेंगे. लेन-देन करार की चिंता रहेगी. यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे. डूबा हुआ धन प्राप्त हो सकता है.

वृषभ साझेदारी में आपके द्वारा लिए गए निर्णयों से लाभ होगा. संतान, भाइयों से मदद मिल सकेगी. कारोबारी अनुबंध होंगे. योजना फलीभूत होगी. प्रतिष्ठा बढ़ेगी. प्रसन्नता रहेगी. व्यवसाय ठीक चलेगा.

मिथुन अपनो से वैचारिक अनुकूलता का लाभ लें. आर्थिक स्थिति उत्तम रहेगी. राजकीय बाधा दूर होगी. पूजा-पाठ में मन लगेगा. चिंता रहेगी. निवेश शुभ रहेगा. यात्रा में सावधानी आवश्यक है. जल्दी में कोई काम न करें. कार्यक्षमता बढ़ेगी.

कर्क जोखिम व जमानत के कार्य टालें. व्यवसाय ठीक चलेगा. जीवनसाथी से आर्थिक मतभेद हो सकते हैं. पठन-पाठन के प्रति जिज्ञासा बढ़ेगी. धैर्य रखें. व्यर्थ के दिखावे, आडंबरों से दूर रहना चाहिए. माता को भोग लगावें.

सिंह व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ बढ़ेगा. परिवार में वैवाहिक कार्यों की रूपरेखा बनेगी. पत्र, सूचना मिलेगी. व्यावसायिक योजनाओं का क्रियान्वयन हो पाएगा. अनुभवों का लाभ मिलेगा.

कन्या रोजगार में वृद्धि होगी. प्रसन्नता बनी रहेगी. बाहरी सहयोग सहज ही मिलेगा. व्यापार, नौकरी की चिंता रहेगी. दाम्पत्य जीवन मधुर रहेगा. पूंजी निवेश लाभकारी रहेगा. कामकाज की संभावनाएं बनेंगी. अपने काम से काम रखना होगा. गाय को घास दे.

तुला विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा. व्यवसाय ठीक चलेगा. व्यावहारिक समस्याओं का समाधान संभव है. दूसरों की मदद करके मानसिक संतोष मिलेगा. रुके कार्यों की चर्चा होगी. इतर और श्रृंगार माता को अर्पण करें.

वृश्चिक व्यर्थ दौड़धूप रहेगी. स्वास्थ्य कमजोर रहेगा. काम में मन नहीं लगेगा. बुरी खबर मिल सकती है. धैर्य रखें. आर्थिक तंगी रह सकती है. लापरवाही, टाल-मटोल से समस्याओं को नहीं बढ़ाएं. कामकाज में विलंब होगा. किसी करार, लेख में धोखा संभव है.

धनु निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे. मेहनत का फल मिलेगा. व्यवसाय ठीक चलेगा. प्रसन्नता रहेगी. व्यापारिक विवादों का निपटारा आपके पक्ष में हो सकेगा. अनजान लोगों पर विश्वास नहीं करें. नौकरी में अधिकारी प्रसन्नता दर्शाएंगे.

मकर उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी. स्वाभिमान बना रहेगा. प्रयास करते रहें. संबंधों में सुधार की संभावना है. लापरवाही से काम नहीं करें. घर में खुशी का माहौल रहेगा. हितकारक व्यक्तियों से भेंट होगी. स्वास्थ्य अच्छा रहेगा.

कुंभ आलस को त्यागें. अप्रत्याशित लाभ हो सकता है. यात्रा सफल रहेगी. प्रमोद न करें. सत्संग का लाभ मिलेगा. सोचे काम समय पर पूरे होंगे. व्यक्तिगत अथवा व्यापारिक कार्य से यात्रा हो सकती है. सामाजिक प्रतिष्ठा का ध्यान रखें.

मीन किए गए कार्य सफल होंगे. साथ ही आय होगी, पर फालतू खर्च भी होगा. परिवार की समस्याएं हल होंगी. वाणी पर संयम रखें. व्यापार अच्छा चलेगा. लिखा-पढ़ी के कामों में सफलता मिलेगी.

25 साल से हो रहा रावण दहन

- सार्वजनिक श्रीश्री दुर्गा पूजा समिति गौरडीह पंचायत चावलीबासा,
- बीते 25 वर्षो से शानदार आतिशबाजी के साथ रावण दहन का आयोजन करती आ रही है.
- यहां आतिशबाजी के साथ रावण दहन करने के लिए एक लाख रुपये खर्च किए जाते है.
- रावण बनाने और आतिशबाजी के लिए पटाखा आदि लगाने के लिए पश्चिम बंगाल से कुशल कारीगर मंगाए जाते हैं.
- इस वर्ष पश्चिम बंगाल के झाड़ग्राम से कारीगर मंगाया गया है, यहां विजया दशमी के दिन रावण दहन किया जाता है.
- न्यू आर्दश ब्वॉयज क्लब सोनाडुंगरी, झिमड़ी, नीमडीह- झिमड़ी में रावण दहन करने के लिए 70 हजार रुपये खर्च किए जाते हैं.
- यहां लोहे के छड़ आदि से रावण का रूप पहले से ही निर्मित है, जिस पर हर वर्ष सजावट की जाती है.
- रावण दहन के साथ झिमड़ी के सोनाडुंगरी में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है.- इस वर्ष यहां स्थानीय कारीगर के द्वारा आतिशबाजी और रावण दहन के लिए पटाखा लगाया जाएगा.

आदित्यपुर में 72 फीट के रावण का होगा दहन

संवाददाता। आदित्यपुर

कांड्रा एसकेजी मैदान में रावण दहन कमेटी इस बार भव्य 72 फ़ीट के रावण को दहन करने के कार्यक्रम की तैयारी में जुटा है. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य के आदिवासी कल्याण और परिवहन मंत्री चंपई सोरेन होंगे, जो सामाजिक बुराई के प्रतीक रावण को जलाएंगे. कमेटी ने अध्यक्ष रामबाबू महतो और कोषाध्यक्ष दिलीप डे ने संयुक्त रूप से बताया कि यह कमेटी 1951 से हर वर्ष दशहरा के मौके पर रावण दहन का आयोजन करती है. इस वर्ष रावण दहन पर ढाई लाख रुपये का बजट रखा गया है. कार्यक्रम में एकमात्र रावण की प्रतिमा बनाई जा रही है, जिसके निर्माण पर डेढ़ लाख होंगे खर्च होंगे जबकि करीब एक लाख रुपये आतिशबाजी पर खर्च होंगे. बता दें कि सरायकेला जिले के एक मात्र रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन कांड्रा में किया जाता है. इस कार्यक्रम को शांतिपूर्ण संपन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन भी सतर्क है. यहां आसपास के करीब एक लाख लोग इस कार्यक्रम को देखने पहुंचते हैं.

महाअष्टमी पर भक्तों की भीड़ जयकारे से गूंजा कोयलांचल

धनबाद। महाअष्टमी तिथि पर 22 अक्टूबर को धनबाद कोयलांचल के देवी मंदिरों व पंडालों में दर्शन व पुष्पांजलि के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी. माता के जयकारे से पूरा कोयलांचल गूंज उठा. पुराना बाजार जोड़ा फाटक रोड स्थित शक्ति मंदिर में भगवती जागरण कमेटी की ओर से कन्या पूजन किया गया. इसमें यजमान अशोक अरोड़ा, पूजा अरोड़ा, कमेटी के अध्यक्ष एसपी सोंधी, सचिव अरुण कुमार भंडारी, संयुक्त सचिव सुरेंद्र अरोड़ा शरीक हुए.

अध्यक्ष एसपी सोंधी और सचिव अरुण कुमार भंडारी ने बताया कि मंदिर की स्थापना के समय से ही हर साल महाअष्टमी के दिन कन्या पूजन किया जा रहा है. नवरात्र में कन्या पूजन का विशेष महत्व है. नौ कन्याओं की नौ देवियों के रूप में और एक बालक की भैरव के रूप में पूजा की जाती है. कन्या पूजन से माता रानी प्रसन्न होती हैं. जिस प्रकार मां की पूजा भैरव के बिना पूर्ण नहीं होती, उसी तरह कन्या पूजन के समय भी भैरव के रूप में एक बालक को भोजन कराया जाता है.

सबसे बड़ा तेरा नाम ओ शेरावाली..ऊंचे डेरोवाली..

संवाददाता। गोविंदपुर

सबसे बड़ा तेरा नाम ओ शेरावाली, बिगड़ी बना दे मेरा काम, ओ शेरों वाली सबसे बड़ा तेरा नाम ....आदि गीतों से एसके म्यूजिकल ग्रुप ने बैंक कॉलोनी साबलपुर रोड शिव मंदिर परिसर को भक्तिमय बना दिया. मौका था दुर्गा पूजा के उपलक्ष्य में शनिवार की रात भक्ति जागरण का. महिला मंडली की अध्यक्ष अर्चना चौधरी एवं निशा झा की अगुवाई में महिलाओं ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया था. इसका उद्घाटन गोविंदपुर प्रखंड प्रमुख निर्मला सिंह व आम आदमी पार्टी के प्रदेश संयोजक डीएन सिंह ने किया. उन्होंने महिलाओं की अगुवाई में मंदिर निर्माण और इसका संचालन व भक्ति जागरण आयोजन के लिए महिलाओं का आभार जताया. ग्रुप ने रात भर एक से एक भजन कीर्तन एवं जागरण प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्धे कर दिया. इस अवसर पर महिलाओं ने डांडिया नृत्य भी किया.

पूजा-अर्चना करने के बाद दोपहर बाद संधि पूजा की गई

अष्टमी पर लगी भक्तों की कतार

संवाददाता। चांडिल

शारदीय नवरात्रि पर महाअष्टमी के दिन आद्याशक्ति महामाया देवी दुर्गा की आराधना के लिए मंदिर व पूजा पंडालों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा. सुबह से ही मंदिरों व पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं का पहुंचना प्रारंभ हो गया था. इस दौरान मंदिर व पूजा पंडालों में पुजारी ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ व्रतियों की पूजा-अर्चना संपन्न कराई. व्रतियों ने देवी की आराधना कर पूरे परिवार के सुख-समृद्धि की कामना की. चौका स्थित सार्वजनिक श्रीश्री नवदुर्गा पूजा कमेटी में शक्ति की देवी दुर्गा की पूजा-अर्चना के लिए सुबह से ही भक्तों का पहुंचना शुरू हो गया था. यहां अधिक भीड़ रहने के कारण बारी-बारी से भक्तों का पुष्पांजलि कराया गया.

संधि पूजा के बाद तोड़ा व्रत : महाअष्टमी के अवसर पर चौका के अलावा सार्वजनिक पूजा कमेटी 16 आना चांडिल बाजार, चांडिल डाक बांगला, चांडिल स्टेशन, भालुकोचा, रूचाप, तामुलिया, फदलोगोड़ा, आसनबनी, चिलगु, भादुडीह, खूंटी, चावलीबासा, पोड़का, चांदुडीह, ईचागढ़, देवलटांड, रुगड़ी बाजार, टीकर, सालुकडीह, तिरुलडीह, बाकारकुड़ी, झिमड़ी, रघुनाथपुर, बामनी, आदरडीह समेत चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के करीब 195 स्थानों में देवी दुर्गा की पूजा बड़े ही धूमधाम के साथ की गई.

आठवें दिन हुई महागौरी की पूजा : चौका मोड़ स्थित सार्वजनिक श्रीश्री नवदुर्गा मंदिर में रविवार को शारदीय नवरात्र के आठवें दिन महागौरी के रूप में देवी दुर्गा के आठवें स्वरूप की पूजा-अर्चना की गई. इसके लिए सुबह कलश यात्रा निकाली गई. कलश स्थापना के बाद मंदिर में महागौरी की पूजा शुरू हुई. मंदिर में देवी के मूल स्वरूप और आठवें स्वरूप की पुष्पांजलि अलग-अलग कराई जा रहा थी. पूजा-अर्चना के बाद भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया. महाअष्टमी के दिन मंदिर और पूजा पंडालों में बड़ी संख्या में महिलाओं की भीड़ देखी गई. सोमवार को शारदीय नवरात्रि के नौवें दिन देवी सिद्धिदात्री की पूजा-अर्चना की जाएगी.

शुरुआत लगभग 30 से 40 लाख की लागत से बना भव्य पंडाल, गंगा जमुनी तहजीब की मिसाल

पेरिस का हृदय मंदिर बना आकर्षण का केंद्र

शेखर शरदेंदु। बोकारो

शहर में कई दशक से दुर्गा पूजा के एक से बढ़कर एक भव्य पंडाल बनाये जाते रहे हैं, लेकिन इस बार बोकारो में कुछ नया कीर्तिमान स्थापित करने का काम विस्थापित गांव के ग्रामीणों ने किया. बोकारो स्टील प्लांट के उत्तरी क्षेत्र के 19 विस्थापित गांव के ग्रामीणों ने पहली बार बोकारो शहर के सेक्टर 9 स्थित गायत्री मंदिर के सामने आलोक मैदान में भव्य दुर्गा पूजा पंडाल बनाकर एक नया इतिहास रच डाला है. लगभग 30 से 40 लाख की लागत से यहां दुर्गा पूजा का विशाल, आकर्षक एवं भव्य पंडाल बनकर पूरी तरह से तैयार हो चुका है. यह पंडाल पेरिस के हृदय मंदिर का स्वरूप है, जिसे कोलकाता से आये कारीगरों ने लगभग एक महीने की मेहनत से तैयार किया है. पंडाल के अंदर माता दुर्गा समेत लक्ष्मी, गणेश, सरस्वती, कार्तिकेय समेत दुर्गा परिवार की सभी मूर्तियों को नई तकनीक के साथ आकर्षक विद्युत सज्जा के साथ स्थापित किया गया है. साथ ही पंडाल के चारो दिशाओं में झारखंड के प्रमुख पर्व त्योहारों से लेकर दर्शनीय व पर्यटन स्थलों के चित्र भी लगाए गए हैं. सिर्फ पंडाल की भव्यता ही इसकी खसियत नहीं है, बल्कि इस पूजा के आयोजन में जो कमेटी बनाई गई है, उसमें हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सभी धर्मों के लोग अगुवाई कर रहे हैं. कुल मिलाकर इस वर्ष बोकारो में इस पूजा समिति ने गंगा जमुनी तहजीब की एक ऐसी मिसाल पेश की है, जिसकी जरूरत आज हर गांव व समाज को है. इस पूजा समिति के संरक्षक रघुनाथ महतो ने बताया कि पहली बार बोकारो में विस्थापितों ने दुर्गा पूजा का विशाल एवं भव्य पंडाल बनाकर सभी समुदाय के लोगों की एक कमिटी बनाकर सर्व धर्म समभाव की मिसाल पेश की है. यह कमिटी आगे भी बोकारो में हिन्दू मुस्लिम एकता की मिसाल बनकर उभरेगी, ताकि सामाजिक एकता और भाईचारगी कायम रहे. इस पूजा समिति में अध्यक्ष दीपू मोदी, उपाध्यक्ष अहसनुल अंसारी, प्रधान महासचिव शंकर रवानी, मेला प्रभारी संजय गागरी एवं दुलारचंद महतो, कोषाध्यक्ष लालबाबू हांसदा, सचिव मधुसूदन कुमार को बनाया गया है.

खास बातें

- उत्तरी विस्थापित क्षेत्र के 19 गांव ने शुरू की दुर्गा पूजा
- पूजा कमेटी में हिंदू, मुस्लिम, आदिवासी समुदाय के लोग

शहरी से गांव तक पूजी जा रही शक्ति की देवी

घाटशिला। प्रखंड के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में मां दुर्गा की पूजा लगभग 23 स्थानों पर की जा रही है. रविवार को महा अष्टमी की पूजा की गई. अष्टमी पूजा के बाद पुष्पांजलि के लिए पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी रही. घाटशिला शहरी क्षेत्र में राजस्टेट, अस्वस्थ्यकुंज, भातृसंघ लालडीह, दाहीदगोड़ा, रामकृष्ण मठ, जेसी स्कूल, पावड़ा मैदान, मउभंडार शिव मंदिर, लेडीज क्लब मउभंडार, पुष्पांजलि क्लब हाथीजोबड़ा, काशिदा, एलआईसी कॉलोनी, टुमांगडुंगरी, ग्रामीण क्षेत्रों बड़ाजुड़ी, खरसती, काड़ाडुबा , बांधडीह, पुखुड़िया समेत गालूडीह में मां दुर्गा की पूजा धूमधाम से की रही है. शहरी क्षेत्र में लगभग सभी स्थानों पर अलग-अलग थीम के आधार पर भव्य पूजा पंडाल के निर्माण के साथ-साथ आकर्षक विद्युत साज सज्जा की गई है.

301 पाठकर्ताओं के बीच अल्पाहार का वितरण

संवाददाता। लातेहार

श्रीरामचरित मानस नवाह्यन परायण पाठ महायज्ञ की अष्टमी तिथि को दिलीप मशीनरी मार्ट द्वारा 301 महिला पाठकर्ताओं के बीच अल्पाहार का वितरण किया गया. प्रतिष्ठान के प्रोपराइटर राजेश अग्रवाल ने बताया कि वे प्रति वर्ष महाअष्टमी तिथि को मानस पाठकर्ता महिलाओं के बीच अल्पाहार की व्यवस्था करते हैं. उन्होंने सभी पाठकर्ताओं को जलपान के अलावा चुनरी व मिनरल वाटर दिया. मौके पर मौजूद छोटे बच्चों के बीच चॉकलेट का भी वितरण किया गया. इस अवसर पर जवाहर प्रसाद अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, मनोज दास शर्मा, उमेश अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, विशाल अग्रवाल एवं परिवार के कई सदस्य मौजूद थे.

भारत सहित छह टीमें प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी, आयोजकों को सीएम हेमंत पर भरोसा किसी भी तरह की कमी नहीं होने दी जाएगी

रांची के खाते में जुड़ेगा नया अध्याय

शुभम किशोर। रांची

राजधानी रांची एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों पर होगी जब यहां महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में हॉकी की स्टिक कौंधेगी. भारत में पहली बार इसका आयोजन रांची में हो रहा है. संदेह नहीं कि झारखंड वासियों के लिए यह गौरव का पल होगा. 27 अक्तूबर से पांच नवंबर तक होने वाले इस अंतरराष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता में महिलाओं की एशियाई हॉकी परवान चढ़ेगी. इस उच्च स्तरीय हॉकी को करीब से देखने का सौभाग्य यहां के खेल प्रेमियों को मिलेगा . दरअसल यह गौरव का पल अनुभवी आयोजक के साथ हमारे उन प्रतिभावान हॉकी खिलाड़ियों ने दिया है. जिन्होंने हॉकी स्पर्धा में अपनी काबिलियत का लोहा मनवाकर न सिर्फ कई प्रतियोगिताएं जीती हैं, बल्कि यह सिद्ध कर दिया है कि हॉकी झारखंड के रग रग में बसी है और यह राज्य हॉकी के हर कौशल से परिचित है. शायद यही वजह है कि भारत में हॉकी के इस गढ़ को यह मेजबानी दी गई है. ऐसे तो कई मौकें हैं जब रांची ने सूर्खियां बटोरी है, लेकिन हाल के दशकों में क्रिकेटर महेन्द्र सिंह धौनी ने जब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में धमाका किया, यहां अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों के आयोजन और फिर 34 वां राष्ट्रीय खेल के आयोजन से रांची का नाम खेल की दुनिया में तेजी से उभरा. अब हॉकी स्पर्धा की एशियाई स्तर की इस प्रतियोगिता की मेजबानी से खेल के क्षेत्र में रांची के साथ एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है, जो झारखंड के खेल जगत को नई दिशा देगा. प्रतियोगिता में मेजबान भारत सहित छह टीमें जापान, चीन, कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड भाग ले रही हैं. प्रतियोगिता के सभी मैच मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे. इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए स्टेडियम को शानदार तरीके से सजाया संवारा गया है.

मैस्कॉट जूही की कहानी

प्रतियोगिता का मैस्कॉट हाथी है. जिसका नाम जूही है. जूही की कहानी प्रेरणादायक है, जो सुंदर बेतला राष्ट्रीय उद्यान का पर्याय बन गई है. जूही पर्यटकों बेतला की सैर कराती है. जूही ने दशकों तक जंगल में मानव जाति के रक्षक के रूप में भी काम किया और इसके लिए वह पुरस्कृत भी हुई है. यह हमारे समाज के लोगों में मानव मूल्यों को विकसित करने और हमारे झारखंड से जुड़े प्रिय वन्य जीवन के बारे में दुनिया भर के हॉकी सितारों के बीच जागरूकता पैदा करने का एक शानदार तरीका है.

किसने कब किया होस्ट और कौन बना विजेता

- **2010** में बुसान साउथ कोरिया होस्ट, साउथ कोरिया विजेता
- **2011** में ऑर्डिस चाइना होस्ट, साउथ कोरिया विजेता
- **2013** ककमीगहरा जापान, जापान विजेता
- **2016** सिंगापुर होस्ट, इंडिया की टीम बनी विजेता
- **2018** डोंघाए साउथ कोरिया होस्ट, साउथ कोरिया विजेता
- **2021** डोंघाए साउथ कोरिया होस्ट, जापान की टीम विजेता बनी
- **2023** रांची में कौन सी टीम बनेगी विजेता

महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के आयोजन के लिए तैयार है रांची

आयोजन के लिए रांची को सजाया संवारा जा रहा है, हॉकी टीमों का पहुंचना शुरू

हॉकी की रंगीनियों से चकाचौंध होगी राजधानी

27 अक्टूबर से हर दिन तीन मुकाबले

प्रत्येक दिन 3 मुकाबले खेले जाएंगे. प्रतियोगिता का पहला मैच 27 अक्टूबर को जापान और मलेशिया के बीच खेला जाएगा. भारत का पहला मुकाबला 27 अक्टूबर को रात 8.30 बजे थाइलैंड के साथ होगा. फाइनल मुकाबला 5 नवंबर को रात 8:30 बजे से होगा. झारखंड सरकार और हॉकी झारखंड ने खेल प्रेमियों के लिए फ्री इंट्री की सुविधा दी है. ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इस प्रतियोगिता के मैच देख सके.

उद्घाटन समारोह में राज्यपाल भी हिस्सा लेंगे

प्रतियोगिता के उद्घाटन के मौके पर झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, सीएम हेमंत सोरेन, झारखंड सरकार के मंत्री, विधायक ,पूर्व खिलाड़ी समेत हॉकी इंडिया के पदाधिकारी मौजूद रहेंगे. वहीं समापन के मौके पर भारत के खेल मंत्री अनुराग ठाकुर के शामिल होने की बात कही गई है.

अतिथियों को दिए जाएंगे स्मृति चिह्न और हॉकी स्टिक

झारखंड सरकार इस प्रतियोगिता की प्रायोजक है. इस आयोजन को लेकर राज्य सरकार, जिला प्रशासन और आयोजकों द्वारा विशेष तैयारी की गई है. प्रतियोगिता को लेकर रांची को सजाया संवारा जा रहा है. सीएम हेमंत सोरेन लगातार बैठक कर इसकी मोनिटरिंग कर रहे हैं. रांची के चौक चौराहे पोस्टर से पट चुके हैं. इसके साथ ही प्रतियोगिता के प्रचार के लिए टीम बस और आयोजकों की गाड़ी में स्टिकरिंग की गई है. वहीं हॉकी स्टेडियम भी जोहार एशिया के पोस्टर से पट चुका है.

सीएम हेमंत ने प्रतियोगिता के लिए हॉकी इंडिया के प्रति आभार जताया

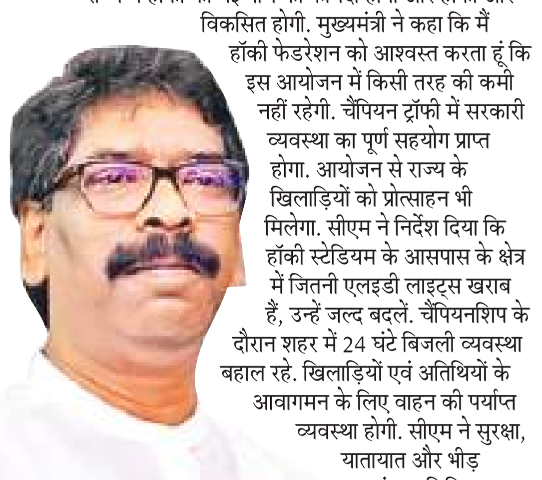

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड में वीमेंस एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी-2023 के आयोजन के लिए हॉकी इंडिया के प्रति आभार जताया है.उन्होंने कहा है कि इस आयोजन से राज्य में हॉकी की नई पौध को फायदा होगा और हॉकी और विकसित होगी. मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं हॉकी फेडरेशन को आश्वस्त करता हूं कि इस आयोजन में किसी तरह की कमी नहीं रहेगी. चैंपियन ट्रॉफी में सरकारी व्यवस्था का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा. आयोजन से राज्य के खिलाड़ियों को प्रोत्साहन भी मिलेगा. सीएम ने निर्देश दिया कि हॉकी स्टेडियम के आसपास के क्षेत्र में जितनी एलइडी लाइट्स खराब हैं, उन्हें जल्द बदलें. चैंपियनशिप के दौरान शहर में 24 घंटे बिजली व्यवस्था बहाल रहे. खिलाड़ियों एवं अतिथियों के आवागमन के लिए वाहन की पर्याप्त व्यवस्था होगी. सीएम ने सुरक्षा, यातायात और भीड़ प्रबंधन, चिकित्सा व्यवस्था सहित अन्य तैयारियों की समीक्षा करते हुए कई दिशा-निर्देश अधिकारियों को दिए हैं ताकि यह आयोजन विशिष्ट हो सके.

जिला प्रशासन तैयार : प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन तैयार है. जिला प्रशासन ने बैठक कर ट्रांसपोर्ट, लॉजिस्टिक, आईटी, सिक्यूरिटी, लॉ एंड ऑर्डर मेंटेनेंस, ट्रैफिक सिक्यूरिटी, मेडिकल टीम, मीडिया एंड पीआर टीम, प्रोटोकॉल, एयरपोर्ट, होटल टीम, फायर सेफ्टी, साउंड एंड इलेक्ट्रिसिटी, ड्रिंकिंग वाटर एंड सैनिटेशन टीम, फूड एंड स्नैक्स अरेंजमेंट टीम के नोडल पदाधिकारियों को हॉकी इंडिया के पदाधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए कार्य करने को कहा है. डीसी राहुल कुमार सिन्हा प्रतियोगिता की प्रशासनिक तैयारियों को अंतिम रुप देने में लगे हुए हैं.

कई उप समितियां : सीएम हेमंत सोरेन के दिशा-निर्देश पर जिला स्तर पर उप समितियां बनाई गई हैं. अलग-अलग समितियां को अलग-अलग जिम्मेदारियां दी गई हैं. उपायुक्त ने कोर टीम के नोडल पदाधिकारियों को स्टेडियम का दौरा करने का निर्देश दिया. डीसी राहुल कुमार सिन्हा ने पूजा पंडाल समितियां से 25 अक्टूबर तक सड़कों से पंडाल निर्माण हटाने का अनुरोध किया है, ताकि आवागमन सुचारू रूप से हो सके. बैठक में वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार सिन्हा ने सुरक्षा, स्टेडियम और आसपास के क्षेत्र को कैसे सुरक्षित किया जाए, स्टेडियम में आने वाले लोगों की जांच के अलावा पार्किंग, क्राउड मैनेजमेंट आदि को लेकर संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा- निर्देश दिए.

झारखंड हॉकी का इतिहास : झारखंड की हॉकी का इतिहास काफी समृद्ध है, जिसने सात ओलंपियन पैदा किए हैं, जिन्होंने गर्व से भारत का प्रतिनिधित्व किया है, जिनमें जयपाल सिंह मुंडा, सिलबानुस डुंगडुंग, मनोहर टोपनो, अजीत लाकड़ा, निक्की प्रधान, सलीमा टेटे और स्वर्गीय श्री माइकल किंडो शामिल हैं.

भारत जीत का है प्रबल दावेदार : भोलानाथ सिंह

हॉकी इंडिया के महासचिव तथा हॉकी झारखंड के अध्यक्ष भोलानाथ सिंह ने औपचारिक बातचीत में यह उम्मीद जताई है कि भारतीय टीम इस प्रतियोगिता में चैंपियन बनेगी. उनका मानन है कि भारतीय खिलाड़ी पूरी दमखम से भरीं हैं और जीत का मादा रखतीं है. टीम इस समय अच्छे फार्म में है और अच्छा प्रदर्शन कर रही है. एशियन गेम्स में चाइना के खिलाफ गोल से चूक गए, नहीं तो वहां भी गोल्ड जीतते.

कुल 21 मैच खेले जाएंगे

मैच शेड्यूल

27 अक्टूबर
जापान बनाम मलेशिया – शाम 4 बजे
चीन बनाम कोरिया – शाम 6:15 बजे
भारत बनाम थाईलैंड – रात 8:30 बजे

28 अक्टूबर
जापान बनाम कोरिया – शाम 4 बजे
थाईलैंड बनाम चीन – शाम 6:15 बजे
भारत बनाम मलेशिया – रात 8:30 बजे

30 अक्टूबर
कोरिया बनाम मलेशिया – शाम 4 बजे
थाईलैंड बनाम जापान – शाम 6:15 बजे
चीन बनाम भारत – रात 8:30 बजे

31 अक्टूबर
कोरिया बनाम थाईलैंड – शाम 4 बजे
मलेशिया बनाम चीन – शाम 6:15 बजे
जापान बनाम भारत – रात 8:30 बजे

2 नवंबर
मलेशिया बनाम थाईलैंड – शाम 4 बजे
चीन बनाम जापान – शाम 6:15 बजे
भारत बनाम कोरिया – रात 8:30 बजे

4 नवंबर
5 और 6 स्थान के लिए – शाम 3:30 बजे
पहला सेमी फाइनल – शाम 6:00 बजे
दूसरा सेमी फाइनल – रात 8:30 बजे

5 नवंबर
3 और 4 स्थान के लिए – शाम 6 : 00 बजे
फाइनल – रात 8:30 बजे

कहां रुकेंगी टीमें

22 अक्टूबर से टीमों के आने का सिलसिला शुरू हो गया है. भारतीय टीम और जापान की टीम 22 अक्टूबर को रांची पहुंच गई है. कोरिया की टीम 23 अक्टूबर, मलेशिया की टीम 24 अक्टूबर, चाइना और थाइलैंड की टीमें 25 अक्टूबर को रांची पहुंचेगी. भारत और कोरिया की टीम होटल पार्क प्राइम, जापान, थाइलैंड की टीम चाणक्या बीएनआर और मलेशिया तथा चाइना की टीम रेडिसन ब्लू होटल में रुकेंगी.

22 अगस्त को हुआ था एमओयू

22 अगस्त को रांची हॉकी स्टेडियम में टूर्नामेंट के लोगो (लोगो) का अनावरण किया गया. साथ ही एमओयू साइन किया गया. वहीं झारखंड सरकार ने हॉकी इंडिया को कार्यक्रम के आयोजन के लिए 10 करोड़ का चेक सौंपा. इस प्रतियोगिता का झारखंड सरकार मुख्य स्पॉन्सर है.

मौजूदा चैंपियन चीन, जापान, कोरिया, मलयेशिया और थाईलैंड की टीमें हिस्सा लेंगी

यह महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का सातवां संस्करण है. भारतीय महिला हॉकी टीम ने 2016 में खिताब जीता और 2018 में उपविजेता रही. इसलिए टीम का लक्ष्य अच्छा प्रदर्शन जारी रखना और पोडियम तक पहुंचना है.

घरेलू मैदान का फायदा होगा : सलीमा टेटे

भारतीय महिला हॉकी टीम की मिडफील्डर सलीमा टेटे ने कहा कि भारतीय टीम को घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा होगा. टीम रांची के माहौल और मैदान से अवगत है. जिसका लाभ मिलेगा. सलीमा कहती हैं कि हमारी टीम के तीन सदस्य झारखंड में हॉकी खेलकर बड़े हुए हैं और वे सभी यहां की परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ हैं. हममें से कई लोगों ने यहां राज्य में कई घरेलू टूर्नामेंट भी खेले हैं. इसलिए, हम आश्वस्त हैं. हम हर स्थिति में तालमेल बनाने का अनुभव है इसलिए टूर्नामेंट में फायदा मिलेगा.

तीन बार फाइनल में, एक बार जीत मिली

भारतीय महिला हॉकी टीम तीन बार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंची है, लेकिन 2016 में सिर्फ एक बार इसे जीत मिली है. महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2010 और 2011 में और फिर 2013 में आयोजित की गई थी. इसे 2016 में द्विवार्षिक आयोजन बनाया गया था. 2016 में महिला टूर्नामेंट में टीमों की संख्या चार से बढ़कर पांच हो गई. 2021 के छठे संस्करण में भी छह टीमें थीं. महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी का पिछला संस्करण 2021 में कोरिया के डोंगहे में आयोजित किया गया था. जापान ने फाइनल में कोरिया को 2-1 से हराकर अपना दूसरा खिताब जीता था. हालांकि, तीन बार की चैंपियन कोरिया महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी में सबसे सफल टीम है. कोरिया ने 2010 में उद्घाटन संस्करण जीता और 2011 में खिताब का बचाव किया. उसने अपनी आखिरी ट्रॉफी के लिए 2018 के फाइनल में भारत को हराया था.

चाहूंगी टीम खिताब जीते : निक्की प्रधान

भारतीय महिला हॉकी टीम की खिलाड़ी झारखंड की निक्की प्रधान ने कहा कि वह टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर अपनी टीम को स्वर्ण पदक दिलाने में मदद करना चाहती हैं. उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट हमारे लिए 2024 पेरिस ओलंपिक क्वालीफायर की तैयारी का एक अच्छा मौका है. मैं टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहती हूं.

खेल को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से राज्य के सभी जिलों में ट्रॉफी टूर का किया गया आयोजन

कब कहां पहुंची हॉकी की ट्रॉफी

13 अक्टूबर 2023	रांची
14 अक्टूबर 2023	देवघर और गोड्डा
15 अक्टूबर 2023	साहेबगंज और पाकुड़
16 अक्टूबर 2023	दुमका और जामताड़ा
17 अक्टूबर 2023	धनबाद, बोकारो, सरायकेला और चाईबासा
18 अक्टूबर 2023	गिरिडीह, जमशेदपुर और कोडरमा
19 अक्टूबर 2023	रामगढ़ और हजारीबाग
20 अक्टूबर 2023	चतरा और पलामू
21 अक्टूबर 2023	गढ़वा और लातेहार
22 अक्टूबर 2023	लोहरदगा और गुमला
23 अक्टूबर 2023	सिमडेगा
24 अक्टूबर 2023	खूंटी

किससे कब भारत का मुकाबला

थाईलैंड के खिलाफ अपने पहले मैच के बाद, भारत शनिवार, 28 अक्टूबर 2023 को मलेशिया से भिड़ेगा. भारत अपने तीसरे गेम में सोमवार, 30 अक्टूबर 2023 को चीन से भिड़ेगा और फिर मंगलवार, 31 अक्टूबर 2023 को जापान से मुकाबला होगा. इसके बाद भारतीय टीम गुरुवार, 2 नवंबर को कोरिया के खिलाफ अपना अंतिम पूल मैच खेलेगी. टूर्नामेंट का सेमीफाइनल और फाइनल क्रमश: शनिवार, 4 नवंबर और रविवार, 5 नवंबर 2023 को खेला जाएगा. सविता टूर्नामेंट में भारतीय महिला हॉकी टीम का नेतृत्व करेंगी और दीप ग्रेस एक्का उप कप्तान होंगी. भारत टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत शुक्रवार, 27 अक्टूबर 2023 को थाईलैंड के खिलाफ करेगा.

भारतीय महिला हॉकी टीम

- गोलकीपर
- सविता (कप्तान)
- बिच्छू देवी खारिबाम
- रक्षकों
- निक्की प्रधान
- उदिता
- इशिका चौधरी
- दीप ग्रेस एक्का (उप-कप्तान)
- मिडफील्डर
- निशा
- सलीमा टेटे
- नेहा
- नवनीत कौर
- सोनिका
- मोनिका
- ज्योति
- बलजीत कौर
- फारवर्ड
- लालरेम्सियामी
- संगीता कुमारी
- दीपिका
- वंदना कटारिया
- प्रतिस्थापन खिलाड़ी
- शर्मिला देवी
- वैष्णवी विट्ठल फाल्के

मुख्य स्टेडियम की हो रही जांच, जहां होंगे सभी मैच

रांची के मोरहाबादी स्थित मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में झारखंड वुमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के सभी मुकाबले खेले जाएंगे. इस स्टेडियम में करीब 10 हजार लोगों की बैठने की क्षमता है. इसमें 4 गेट हैं. गेट नंबर 1 और 2 से वीआईपी वहीं गेट 3,4 से आम लोगों के जाने की व्यवस्था है. गाड़ियों की पार्किंग की व्यवस्था मोरहाबादी मैदान में की जाएगी. स्टेडियम के अंदर खाने के स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां दर्शक खरीद कर खा सकते हैं. इस स्टेडियम में पहली बार अंतरराष्ट्रीय मुकाबला आयोजित किया जा रहा है. इससे पहले यहां हॉकी इंडिया लीग के 15 मैच और कई नेशनल मैच हो चुके हैं. इस स्टेडियम को सुरक्षा की दृष्टि से जांचा परखा जा रहा है.

हॉकी के शीर्ष पदधारियों ने कहा- मेजबानी के लिए तैयार

झारखंड की राजधानी रांची में महिला एशियाई चैंपियनशिप की मेजबानी की हॉकी के शीर्ष पदधारियों ने सराहना की है. सभी ने कहा है कि झारखंड इस मेजबानी के लिए सही हकदार है. झारखंड हॉकी संघ में यह क्षमता है कि वह इसका सफल आयोजन कर सके.

मैं इस आयोजन से काफी उत्साहित हूं : एएचएफ अध्यक्ष

एएचएफ के अध्यक्ष दातो फुमियो ओगुरा ने झारखंड के इस आयोजन पर कहा है कि हम बहुत उत्साहित हैं कि रांची, झारखंड महिलाओं के लिए एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के आगामी संस्करण का आयोजन स्थल बन रहा है. हॉकी इंडिया ने पिछले कुछ वर्षों में भारत में विश्व स्तरीय आयोजनों की मेजबानी की एक बड़ी प्रतिष्ठा बनाई है. एफआईएच की हालिया स्मारकीय मेजबानी पुरुष विश्व कप, चेन्नई में हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी की जीत के साथ, हॉकी इंडिया की अद्वितीय क्षमताओं को स्पष्ट रूप से उजागर किया है. हॉकी इंडिया को उनके अटूट समर्थन के लिए हमारा हार्दिक आभार. आगामी झारखंड एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी रांची 2023 के साथ, हम एक और शानदार प्रदर्शन की आशा करते हैं.यह सफलता जो क्षेत्रीय हॉकी को काफी समृद्ध करेगी. हम झारखंड सरकार, भाग लेने वाली टीमों और सभी हितधारकों के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं. हम तहे दिल से आप सभी को रांची में हमारे साथ शामिल होने के लिए आमंत्रित करते हैं. आप चैंपियंस ट्रॉफी में इस भव्य चमत्कार का हिस्सा बनें.

सीएम के प्रति आभार : डॉ दिलीप तिर्की

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष, पद्मश्री डॉ. दिलीप टिर्की ने कहा है कि मैं झारखंड में हॉकी के विकास और प्रचार-प्रसार के प्रति उनके अटूट समर्थन के लिए हॉकी इंडिया की ओर से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहता हूं. मैं हॉकी इंडिया को झारखंड एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी रांची 2023 की मेजबानी का सम्मान देने के लिए एएचएफ को हार्दिक धन्यवाद देना चाहता हूं. यह आयोजन हॉकी के वैश्विक केंद्र के रूप में भारत के बढ़ते कद का एक प्रमाण है. यह टूर्नामेंट न केवल एशियाई महिला हॉकी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगा बल्कि हमारे अपने खिलाड़ियों को कुछ सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक मंच भी प्रदान करेगा.

हेमंत खेल के प्रबल समर्थक : भोलानाथ सिंह

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से हमें जो समर्थन मिला है, उसके लिए मैं बहुत आभारी हूं. जब हमने झारखंड में एशियाई चैंपियनशिप की मेजबानी में अपनी रुचि व्यक्त की थी, तब आयोजन की मेजबानी में आवश्यक सभी सहायता प्रदान करने के लिए वे तुरंत सहमत हो गए थे. वह हमेशा खेलों के प्रबल समर्थक रहे हैं. इस तरह की प्रतियोगिता की मेजबानी करना हमारे लिए बड़ा सम्मान है. मेरा मानना है कि यह भविष्य में और अधिक अंतरराष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिताओं की मेजबानी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है.

जापान की टीम पहुंची रांची

जापान की टीम रविवार का सुबह पहुंची और रात को मेजबान भारत की टीम भी रांची पहुंच गई. वहीं कोरिया की टीम 23 अक्टूबर, मलेशिया की टीम 24 अक्टूबर, चाइना और थाइलैंड की टीम 25 अक्टूबर को रांची पहुंचेगी. भारत और कोरिया की टीम होटल पार्क प्राइम, जापान, थाइलैंड की टीम चाणक्या बीएनआर और मलेशिया तथा चाइना की टीम रेडिसन ब्लू होटल में रुकेंगी.

संयोजन : आकर्ष अनिकेत , डिजाइनिंग : शुभम राज

वो बचपन की पूजा की बात ही कुछ और थी..

आधुनिकता के दौर में दुर्गा पूजा का उत्साह पीछे छूट गया

संवाददाता। धनबाद

दुर्गा पूजा का उत्साह आसमान छुआ करता था, वो पंडालों का बनना, मूति का निर्माण और झूले का बात ही कुछ और थी. इतनी आधुनिकता नहीं थी, लेकिन किसी चीज की कमी भी नहीं खलती थी. परिवार और दोस्तों के साथ भरपूर आनंद उठाते थे. अब जब भी उस वक्त को याद करते हैं, प्रफुल्लित हो उठते हैं. दोस्तों का साथ भी व्यस्त जीवन में कहीं दूर छूट गया. ऐसे वक्तव्य को साझा कर लोगों ने अपने बचपन की दुर्गा पूजा को याद किया और कहा कि वो बचपन का मेला की बात ही कुछ और थी.

नए कपड़े, घूमने के लिए पैसे, सबका इंतजार रहता था : प्रमोद गोयल

दुर्गा पूजा मतलब ही बाल समय या कहे बचपन में मस्ती की सबसे बड़ी सौगात होती थी. मुझे याद है, मूर्ति बनने की शुरूआत होते ही हम दुर्गा मंडप के इर्द-गिर्द जमा होने लगते थे. दुर्गा पूजा में उस समय डोल यात्रा पार्टी, आर्केस्ट्रा पार्टी और आखिरी दिन खुले मैदान में पर्दे पर फिल्म का आनंद आज के आधुनिक आयोजन को बौना साबित करता है। बचपन में घोड़ा गाड़ी, फिर मालवाहक टेंपो में पीछे पूरा परिवार प्रत्येक पंडालों में जाकर माता के दर्शन को आतुर रहते थे. शायद आज के मुकाबले उस पूजा घूमने में मन में मां के प्रति श्रद्धा भी ज्यादा रहती थी. नए कपड़े, घूमने के लिए पैसे, सबका इंतजार पूजा की सूचना मिलते ही शुरू हो जाता था. आज सभी सुविधाओं से परिपूर्ण होने के बावजूद पूजा पंडाल घूमना शायद एक औपचारिकता भर रह गया है. पिताजी कहा करते थे कि उनका जमाना ऐसा था कि घर की बहुएं बोलती थी. एक रुपया देदे बलमा, मेला घुमन जाऊंगी - दो आने की शेर जलेबी, बीच सड़क पर खाऊंगी.

आज बच्चे मेला घूमने की जिद नहीं करते : संदीप मुखर्जी

बचपन में मम्मी के साथ बाजार जा कर घूम घूम कर अपने नाप से नए पैंट शर्ट और जूता खरीदना, नयापन का वो महक, मम्मी की साड़ी के पल्लू को खींचकर उंगली से पसंदीदा चीजों को इशारा से दिखाना. उस खुशी को आज कहीं महसूस ही नहीं कर पाते. बच्चे आज मेला घूमने का जिद नहीं करते और न ही नए कपड़े खरीदने के लिए बाजार जाना पसंद करते हैं. बस मोबाइल में खोज बिन करके डिस्काउंट और ऑफर के चकाचौंध से बड़े गर्व के साथ कुछ पहनावे का चित्र दिखाकर बताते हैं, देखो क्या जबरदस्त डील मिला. दुनिया मुट्ठी में करने के होड़ में गर्दन और गुर्दे के रोग से ग्रसित भविष्य के प्रजन्मों को देख कर मन दुखी हो जाता है. आज धुनुची नाच में बच्चे नहीं कुछ बचे हुए चुनिंदा बुजुर्ग ही नाचते हैं. ढाकी से ढाक छीनने वाला भी कोई नहीं. शायद आधुनिकता के होड़ में हम अपना गौरवशाली कल को खोते जा रहे हैं.

दोस्तों के साथ पहले से ही करते थे घूमने की प्लानिंग

दूर-दूर तक दुर्गा पूजा घूमने परिवार के साथ या फिर दोस्तों के साथ दोपहिया वाहनों से जाते थे। पहले से ही घूमने का प्लानिंग हो जाता था. कतरास की दुर्गा पूजा में चंदा की राशिद की लॉटरी निकला करती थी। जिसमें मोटरसाइकिल सहित अन्य पुरस्कार होते थे। जिसकी धूम 3 महीने पहले से ही शुरू हो जाती थी। लोगों में बहुत पहले से ही दुर्गा पूजा का उत्साह का माहौल हो जाता था, अब बहुत कुछ बदल गया है। भागदौड़ की जिंदगी में लोगों के पास समय नहीं रहा, अब दुर्गा पूजा कब आती है, कब जाती है, पता ही नहीं चल पाता है।

परिवार से मिलते थे मेला घूमने के लिए 20 रुपये

बचपन के वो दिन भुलाए नहीं जा सकते। वो बेहतरीन पल कई वर्ष पीछे छूट गए। जब दुर्गा पूजा घूमने के लिए परिवार से 20 रूपए मिला करते थे, लगता था कि इतने में तो पूरी दूनिया ही घूम लेंगे। दोस्तों के साथ आनंदित रहते थे। काफी पहले से मेला घूमने की तैयारियां दोस्तों के बीच होना शुरू हो जाती थी। ना वह रौनक रही और ना वह उत्साह। दोस्तों की प्लानिंग भी समाप्त हो गई। अपने प्रिय मित्रों के साथ घूमने का इतना सुरूर होता था कि खाना-पिना तक भुल जाते थे। कई किलोमीटर की दूरी दोस्तों के साथ पैदल ही तय कर लिया करते थे. ऐसी थी अपने बचपन की दुर्गा पूजा।

धनबाद शक्ति मंदिर में महाष्टमी पूजा के दौरान कन्या पूजन करते श्रद्धालु.

जमशेदपुर के मंदिरों व पंडालों में मां को पुष्पांजलि

जमशेदपुर के एक पूजा पंडाल में रविवार को महाष्टमी के मौके पर पूजा-अर्चना करते श्रद्धालु .

संवाददाता। जमशेदपुर

शारदीय नवरात्र के आठवें दिन रविवार को माता के आठवें स्वरूप महागौरी की पूजा-अर्चना की गई. श्रद्धालुओं ने माता रानी को फूल, ध्वजा, नारियल, शृंगार वस्तु, फल, मेवा आदि अर्पित की और भव्य आरती उतारी. सुबह से ही मंदिरों और पंडालों में पूजा के लिए श्रद्धालु पहुंचने लगे थे. विशेषकर महिलाएं पूजा पंडाल में मां की पूजा एवं पुष्पांजलि देने के लिए पहुंची थी. वहीं व्रत रखे भक्तों ने नवरात्र के आठवें दिन शक्ति रूपा माता गौरी की पूजा-अर्चना की तथा सुख-शांति व समृद्धि की कामना की. महाअष्टमी पूजा और दुर्गा पाठ के बाद सुबह 10 बजे से सभी स्थानों पर पुष्पांजलि दी गई. महाशिक्त देवी दुर्गा की आराधना में सभी श्रद्धालु डूबे हुए थे.

अष्टमी पर पुष्पांजलि का है विशेष महत्व : शारदीय नवरात्र में महाष्टमी का बड़ा महत्व होता है. नवरात्र में महाष्टमी और महानवमी को बहुत ही विशेष माना जाता है. इस दिन मां भगवती की विशेष पूजा की जाती है और उपवास रखा जाता है. वहीं, नवरात्रि में पुष्पांजलि का विशेष महत्व होता है. नवरात्रि के आठवें दिन अष्टमी को पुष्पांजलि अर्पित की जाती है. इसके बाद महागौरी की विधि विधान से पूजा की जाती है. इस दौरान भक्त पुष्पांजलि मंत्र के जाप के साथ मां दुर्गा को फूल अर्पित करते हैं. पुष्पांजलि मंत्र से भक्त मां दुर्गा से अपनी गलतियों की क्षमा याचना मांगते हैं. मान्यता है कि अष्टमी पुष्पांजलि मंत्र से मां दुर्गा प्रसन्न होकर भक्तों को आशीर्वाद देती हैं. मां दुर्गा की कृपा परिवार पर बनी रहती है. घर में सुख-समृद्धि और शांति रहती है.

महासप्तमी की रात उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

आदित्यपुर। दुर्गोत्सव पर आदित्यपुर में महासप्तमी की रात श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी. पंडालों में पैर रखने की भी जगह नहीं थी. श्रद्धालुओं की भीड़ खरकई पुल से ही हो रही थी. श्रद्धालुओं की लाइन खरकई पुल से लगनी शुरू हो गई, जिसे संभालने में जिला प्रशासन के लोगों और कमेटी के वोलेंटियर्स के पसीने छूटने लगे. श्रद्धालुओं की भीड़ पर नियंत्रण के लिए जिला प्रशासन द्वारा बनाए गए वॉच टावर से प्रशासन के आला अधिकारी नजर रख रहे थे. श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए ट्रैफिक विभाग को शाम 4 बजे से ऑटो और सभी प्रकार के कॉमर्शियल वाहनों के प्रवेश पर रोक लगानी पड़ी. इसके बाद सड़कों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने में प्रशासन को सफलता मिली. जिला शांति समिति के वॉच टावर पर कल रात एसडीएम पारुल सिंह, हेड क्वार्टर डीएसपी चंदन कुमार वत्स, गम्हरिया प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रवीण कुमार, आदित्यपुर नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष पुरेंद्र नारायण सिंह, अधिवक्ता ओमप्रकाश, राजद प्रदेश महासचिव वीरेंद्र यादव, शिक्षाविद एसडी प्रसाद, प्रमोद गुप्ता, अधिवक्ता संजय कुमार, फौजी शैलेंद्र सिंह, कांग्रेस नेता सुरेश धारी, राजेश यादव आदि मौजूद रहे.

आदर्श सोसाइटी में दुर्गा पूजा का भव्य आयोजन

जमशेदपुर। बागबेड़ा बड़ौदा घाट आदर्श सोसाइटी में पहली बार दुर्गा पूजा का भव्य आयोजन सोसाइटी के लोगों ने किया रहा है. सभी भक्तिभाव में लीन होकर मां की अराधना में जुटे हैं. इसी क्रम में शनिवार को महासप्तमी पर कलश यात्रा निकाली गई. इसमें सैंकड़ों महिलाएं और पुरुष शामिल हुए. वहीं दोपहर में भोग का वितरण किया गया. पहली बार हो रहे आयोजन को लेकर सोसाइटी के लोग काफी उत्साहित हैं. आयोजन को सफल बनाने में पंकज सिंह, डीएन सिंह, विनय शंकर तिवारी, धर्मेंद्र ओझा, अनुराग, किशन, आकाश व कमेटी के अन्य लोग योगदान दे रहे हैं.

रामकृष्ण मठ दाहीगोड़ा में कन्या पूजन

घाटशिला। रामकृष्ण मठ दाहीगोड़ा परिसर में शारदीय नवरात्र पर रविवार को कन्या पूजन आकर्षण का केंद्र रहा. महाष्टमी की पूजा के उरांत घाटशिला निवासी सौमिक कर की पुत्री पौशाली कर की मां के रूप में पूजा अर्चना करने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी. मठ के पुजारी द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ कन्या पूजन किया. उपस्थित महिलाओं की भीड़ ने एक-एक कर मां के रूप में बैठी कन्या का विरोध पूजा अर्चना की. घाटशिला के एकमात्र पूजा पंडाल में वर्षो से कन्या पूजन की जाती है. इसके कारण सुबह से श्रद्धालु महिलाओं की भीड़ मठ में देखने को मिला. मठ के महराज नटराजन ने कहा कि यहां की पूजा तथा विसर्जन अन्य पूजा कमेटी से अलग तरह की जाती है. वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पंचमी तिथि से ही पूजा शुरू होती है दशमी तिथि की सुबह विसर्जन किया जाता है.

श्रद्धालुओं को खूब भा रहा केरूकोचा का पूजा पंडाल

चाकुलिया। प्रखंड की जमुआ पंचायत अंतर्गत एनएच 18 से सटे केरूकोचा सार्वजनिन दुर्गा पूजा कमेटी का पूजा पंडाल श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहा है. पंडाल के सामने शिवलिंग और पानी का फव्वारा लोगों को काफी भा रहा है. श्रद्धालुओं यहां सेल्फी और फोटो ले रहे हैं. शाम को माता के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की ज्यादा भीड़ जुट रही है. बता दें कि कमेटी साल 2017 से मां दुर्गा की पूजा आयोजित कर रहा है. हर साल की तरह इस भी कमेटी ने भव्य पूजा पंडाल बनाया है. कमेटी के अध्यक्ष कुश गिरि, सचिव समीर दास, कमेटी के सदस्य विजयानंद गोस्वामी, संजीव पाल, सौमित्र घोष, सुभेंदु पात्र, सौरव प्रधान, नवेंदु मंडल, राजेश प्रधान, शंकर बेरा, रवींद्र पैड़ा सहित अन्य इस पूजा को सफल बनाने के लिए जीतोड़ मेहनत कर रहे हैं.

मां दुर्गा के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की उमड़ रही भीड़

चाकुलिया। दुर्गा पूजा को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है. शहर से लेकर गांव तक मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की जा रही है. पूजा-पंडालों में भी माता के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है. महाअष्टमी पर भी चाकुलिया नगर पंचायत और ग्रामीण इलाकों के विभिन्न पूजा पंडालों में श्रद्धालु मां के दर्शन करने आ रहे हैं. महिलाओं में महाअष्टमी को लेकर खासा उत्साह है. आज रविवार को महिलाओं ने विभिन्न पूजा पंडालों और मंदिरों में पुष्पांजलि अर्पित कर मां की पूजा अर्चना की.

नगर पंचायत स्थित नूतन बाजार दुर्गा पूजा कमेटी, पुराना बाजार में सार्वजनिन दुर्गा पूजा कमेटी और शिल्पी महल परिसर स्थित सार्वजनिक दुर्गा पूजा कमेटी के पंडाल में पूजा के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ देखी जा रही है. ग्रामीण इलाके के तुलसी बनी शिवराम आश्रम, चालुनिया में सर्वजनिक दुर्गा पूजा समिति, केरूकोचा सार्वजनिक दुर्गा पूजा कमेटी, माटियाबांधी में सार्वजनिक आंचलिक दुर्गा पूजा कमेटी, जामडोल में शिव दुर्गा स्पोर्टिंग क्लब के पंडाल, चियाबांधी के साधु आश्रम समेत अन्य पूजा पंडालों में भी महा अष्टमी को पूजा के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही.

1820 से पाणिग्राही परिवार करते आ रहे हैं पीढ़ी दर पीढ़ी मां की पूजा

संवाददाता। बहरागोड़ा

बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र की मटिहाना का पाणिग्राही परिवार लगभग 200 वर्ष पूर्व से मां दुर्गा की आराधना कर रहा है. सन् 1820 से पाणिग्राही परिवार पूजा कर रहा है. धालभूम के राजा प्रताप चंद्र धल ने पूजा करने के आदेश दिया था. यहां 36 मौजा के लोग पूजा करने आते हैं. सर्वप्रथम 1820 में उमाशंकर पाणिग्राही, 1860 में सत्यनाथ पाणिग्राही, 1950 में राजेंद्र नाथ पाणिग्राही और 2013 से अब तक दिलीप पाणिग्राही के नेतृत्व में दुर्गा पूजा होती आ रही है. परिवार के मुखिया डॉ सरोज पाणिग्राही, डॉ आशीष पाणिग्राही व दिलीप पाणिग्राही द्वारा मां की पूजा अर्चना की जा रही है. इनके यहां तालपत्र में हस्तलिखित महाभारत अभी भी सुरक्षित है. साथ ही अंग्रेज काल के 1870 में 75 रुपये में खरीदी गई तलवारें तथा एक मेड इन इंग्लैंड बंदूक भी शामिल है.

गांव के तालाब से कलश यात्रा निकालकर मंदिर में कलश स्थापना कर पूजा की जा रही है. स्थानीय कीर्तन मंडलियां नवरात्र की प्रत्येक शाम भजन कीर्तन प्रस्तुत करती हैं. वहीं परंपरा के मुताबिक हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बकरे की बलि दी जाएगी. महाअष्टमी को श्रद्धाभाव से आसपास के क्षेत्र से आए हुए ग्रामीण पूजा अर्चना करेंगे. इस पूजा को सफल बनाने के लिए देवाशीष पाणिग्राही, समीर पाणिग्राही, स्वरूप पाणिग्राही ,राहुल पाणिग्राही, कामाख्या पाणिग्राही ,रोहित पाणिग्राही , ज्योतिर्मय पाणिग्राही, सत्यव्रत होता, विश्वजीत होता के साथ-साथ परिवार के सदस्य व ग्रामीण लगे हुए हैं.

दसाईं नृत्य कर वीरों के बलिदान को याद करते हैं आदिवासी

राजेश चौबे। घाटशिला

दुर्गा पूजा के साथ ही दसाईं नृत्य दल का विभिन्न क्षेत्र में रविवार से भ्रमण शुरु हो गया है. ग्रामीण क्षेत्र में संथाल जनजाति के युवक सिर में मोर का पंख लगाये भुवांग (लौकी और कद्दू से बना विशेष वाद्य यंत्र) बजाकर दसाईं नृत्य कर रहे है. कालचिति गांव के युवक भी टोली बनाकर विभिन्न गांव का भ्रमण कर दसाईं नृत्य करते नजर आए. इस दौरान उन्हें दान स्वरूप जो भी मिल जाता है सहर्ष स्वीकार करते हैं. पारंपरिक नृत्य कर दानकर्ता का अभिवादन करते है और आशीर्वाद ग्रहण करते है. जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू ने दसाईं नृत्य टोली को उपहार देकर सम्मानित किया. यह टोली विभिन्न गांव का भ्रमण कर दसाईं करेंगे. जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू ने बताया कि दसाई नृत्य आदिवासियों की सांस्कृतिक विरासत है. ऐसी मान्यता है कि बाहरी आक्रमणों से सुरक्षा के लिए आदिवासी वीरों ने बलिदान दिया था.

डीसीवाईएम डीसीवाईएम का 75वां हीरक जयंती समारोह आयोजित

देशभर के 52 पेरिस के प्रतिनिधि समारोह में हुए शामिल

संवाददाता। मनोहरपुर

संत अगस्तीन उपासनालय, मनोहरपुर में शनिवार को चार दिवसीय छोटानागपुर डायसिस युवा आंदोलन (डीसीवाईएम) का 69वां केंद्रीय वार्षिक शिविर सह 75वां हीरक जयंती समारोह का भव्य आयोजन किया गया. इस समारोह में झारखंड, पश्चिम बंगाल एवं उड़ीसा के कुल 52 पेरिस के लोग शामिल हुए. इस समारोह का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि बिशप बीबी बास्के एवं अतिविशिष्ट अतिथि बिशप समीर आइसक खिमला, बिशप फ्रांसिस हांसदा एवं बिशप ओनील कुमार तिर्की ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया. वहीं प्रथम दिवसीय कार्यक्रम के इस मौके पर बिशप बीबी बास्के एवं बिशप ओनील कुमार तिर्की ने उद्घाटन संदेश के उपरांत लेखाधिकारियों का चुनाव एवं शिविर से संबंधित जानकारी दी. साथ ही मनोहरपुर में आयोजित 75वां छोटानागपुर डायसिस युवा आंदोलन संघ (डीसीवाईएम) संस्था के स्थापना काल के बारे में एवं इसके उद्देश्य की विस्तृत जानकारी दी. विदित हो कि मनोहरपुर में 75 वर्ष पूर्व डीसीवाईएम संस्था की स्थापना की गई थी. वहीं इस संगठन का 75वां वर्ष पूरा होने पर स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में हीरक जयंती समारोह का भव्य आयोजन किया जा रहा है. इस कार्यक्रम के पूर्व मुख्य एवं विशिष्ठ अतिथियों का भव्य स्वागत सह शोभा यात्रा पारंपरिक वेशभूषा व् गाजे बाजे के बीच मंच तक ले जाया गया.

जामपानी पल्ली में मिशन रविवार और नवा खानी पर्व मनाया गया

सिमडेगा। जिले के ठेठईटांगर प्रखंड अंतर्गत जामपानी पल्ली में मिशन रविवार और नवा खानी पर्व मनाया गया. पारंपरिक नवाखानी के गीतों पर प्रवेश नाच स्थानीय महिलाओं ने किया. स्थानीय युवा वर्ग ने अपनी मधुर गीतों से माहौल भक्तिमय बना दिया. साथ ही मिस्सा पूजा अनुष्ठान में पल्ली पुरोहित सह डीन फादर थॉमस सोरेंग ने लोगों को नया खानी की शुभकामनाएं दी. मौके पर उर्सुला कान्वेंट की मदर सिस्टर किरण एक्का ,झामुमो जिलाध्यक्ष अनिल कंडुलना, युवा मोर्चा जिला सचिव राजेश टोप्पो, हेड प्रचारक जामपानी विलियम केरकेट्टा, सिस्टर कोरनेलिया डुंगडंग, सिस्टर सीमा, महिला संघ नेत्री शांति मिंज, कैथलिक सभा अध्यक्ष एड्रियन कांडुलना, युवा संघ अध्यक्ष अरविंद सोरेंग, पचोरा के सिरपंच विजय सोरेंग और फेलिक्स सोरेंग सुनील केरकेट्टा, कॉसमैस कुल्लू, संदीप कीड़ों, अंजी रोस बिलुंग , रोश कीड़ों, अडलिन टेटे कांति कीड़ों, पुष्पा बिलुंग, प्रमिला बिलुंग, मरियम बिलुंग, कांति बिलुंग, जसिंता कुल्लू, डोरोथिया सोरेंग, आशा कीड़ों समेत कई मसीही विश्वासी मौजूद थे.

चाईबासा की आकर्षक लाइटिंग

संवाददाता। चाईबासा

महाष्टमी पर श्रद्धालुओं के भीड़ दुर्गा पूजा के पंडालो में उमड़ी. इस भीड़ में न केवल शहरी क्षेत्र के श्रद्धालु बल्कि आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के श्रद्धालु भी इसमें शामिल थे. महाष्टमी के दिन सभी पूजा पंडालों में अष्टमी की पूजा को लेकर सुबह से ही पूजा पंडालों में भीड़ लगी हुई थी. उसके बाद शाम को 5:18 से मार्च में की पूजा आरंभ हो गई. ऐसे में स्वाभाविक रूप से पूजा पंडालों में भीड़ उमड़ने लगी.

ब्रीफ खबरें

4 चोरी की बाइक के साथ शराब बरामद

नवादा । जिले के अकबरपुर थाना अध्यक्ष अजय कुमार ने गुप्त सूचना के आधार पर रविवार को 4 चोरी के बाइक के साथ भारी मात्रा में देसी शराब बरामद किया है. जिसे पुलिस एक बड़ी सफलता मान रही है. अकबरपुर थाना अध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि रजौली जंगल से अकबरपुर की तरफ 4 चोरी की बाइक के साथ भारी मात्रा में शराब की खेप आ रही है. इस सूचना पर लोहसिंगना जंगल में मुरली पहाड़ के पास घेराबंदी किया गया, तो 4 बाइक पर लदा 421 लीटर देशी शराब बरामद हुआ.

बिहार के कई जिलों में भूकंप से कांपी धरती

पटना । बिहार के पश्चिमोत्तर जिलों में रविवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए. रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.2 मापी गई. राजधानी पटना, गोपालगंज, मोतिहारी, छपरा और बगहा समेत राज्य के कई जिलों में सुबह करीब 7:24 बजे लोगों ने भूकंप के झटके महसूस किए. भूकंप का केंद्र पड़ोसी देश नेपाल के डआरबूंग के पास बताया गया है. यह स्थान चीन सीमा के पास है. लोगों ने कुछ सेकंड तक भूकंप के झटके महसूस किए और अपने घरों से बाहर निकल गए. अभी तक कहीं से भी जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है.

राहगीरों को लूटने वाले पांच गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण । जिले के पहाड़पुर थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात दो युवकों को घायल कर मोबाइल फोन लूटने के मामले में पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया गया. गिरफ्तार अपराधियों के पास से राहगीरों से छीने गये मोबाइल व घटना में प्रयुक्त चाकू और खून से रंगा कपड़ा बरामद किया गया है. अरेराज डीएसपी रंजन कुमार ने बताया कि सूचना प्राप्त हुआ कि घिवाढार से कमाल पिपरा जाने वाली सड़क पर कमल पिपरा गांव के दो युवक मनजीत कुमार एवं राजकुमार को आठ अपराधियों ने घेर लिया. जिसे अपराधियों ने मोबाइल छीनने के दौरान चाकू मारकर जख्मी कर दिया है.

तंत्र साधकों का सबसे बड़ा केंद्र बिहार का बखरी पुरानी दुर्गा स्थान, रातभर लगा रहा जमावड़ा

संवाददाता । बेगूसराय

देश दुनिया में लोग जानते हैं कि आसाम का कामाख्या शक्तिपीठ तंत्र साधकों का सबसे बड़ा केंद्र है. लेकिन इसके बाद साधना की सिद्धि का सबसे बड़ा केंद्र बिहार का बखरी पुरानी दुर्गा स्थान है. यहां के शक्ति की चर्चा ही नहीं होती है, बल्कि हजारों लोग सिद्ध हो चुके हैं. अब एक बार फिर जागरण की पूरी रात यहां तंत्र साधकों का जमावड़ा लगा रहा.

शनिवार रात भर दूर-दूर से आए साधक मां दुर्गा के सामने अपने तंत्र साधना को सिद्ध करने में जुटे रहे. इसको लेकर एक ओर आयोजन समिति को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी. वहीं, इस साधना को देखने के लिए भी बड़ी संख्या में लोग जुटे रहे. हालांकि गुप्त तंत्र सिद्धि करने वाले साधकों ने पूरी पूजा श्मशान में की तथा अंतिम आहुति देने ही मंदिर पहुंचे.

पूरी रात शमशान में आहुति देते रहे

नीतीश ने राज्य के सुख, शांति व समृद्धि के लिए देवी की पूजा-अर्चना की

पटना । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को नवरात्र पर्व की महाअष्टमी के दिन अगमकुआं स्थित शीतला माता मंदिर, पटना सिटी स्थित बड़ी पटनदेवी मंदिर एवं छोटी पटनदेवी मंदिर में पूजा-अर्चना की. पुरोहितों ने मंत्रोच्चार के साथ मुख्यमंत्री की विधिवत पूजा करायी. मुख्यमंत्री ने मां शीतला देवी, मां बड़ी पटनदेवी एवं मां छोटी पटनदेवी से राज्य की सुख, शांति, समृद्धि एवं प्रगति की कामना की. मुख्यमंत्री ने मारूफगंज स्थित श्री श्री बड़ी देवी जी

तथा श्री श्री दलहट्टा देवी जी जाकर मां भगवती दुर्गा की भी पूजा अर्चना की.

नमो देव्यै

तिलैया-कोडरमा रेलखंड पर निर्माण कार्य में जुटी है कंपनी

रेलवे टनल निर्माण कंपनी के एक करोड़ के मशीनरी पार्ट्स की चोरी, हड़कंप

- फर्म ने टनल निर्माण के लिए टैथरोक मशीन किराये पर लिया है. 17 लाख रूपये मासिक किराये पर इस मशीन को लिया गया है

संवाददाता । नवादा

नवादा जिले में तिलैया-रेलखंड पर टनल निर्माण कार्य कर रही कंपनी के प्लांट से एक करोड़ की मशीनरी पार्ट्स की चोरी हो गई. शनिवार की रात चोरों ने इस बडी घटना को अंजाम दिया है. इस बाबत कंपनी के प्रबंधक प्रेम कुमार सिंह ने रजौली थाना में रविवार को आवेदन देकर अज्ञात के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है.

गौरतलब है कि ईस्ट रेलवे ने आरआर कंस्ट्रेक्शन कंपनी एंड जेजे प्राइवेट लिमिटेड को इस रेलखंड पर टनल निर्माण का टेंडर दिया है. 1100 मीटर टनल का निर्माण किया जाना है. जिसपर 56 करोड़ रुपये खर्च होना है. एक साल में काम को समाप्त करना है. कंपनी के प्रेम कुमार सिंह ने थाना को दिए आवेदन में कहा है कि फर्म ने टनल निर्माण के लिए टैथरोक मशीन किराये पर लिया है. 17 लाख रुपये मासिक किराए पर इस मशीन को लिया गया है. 21 अक्टूबर की रात काम समाप्त होने के बाद मशीन कार्यस्थल पर ही रखी गई थी. अगले दिन 22 अक्टूबर को काम चालू करने के लिए कर्मचारी पहुंचे तो देखा कि मशीन की कई पार्ट्स चोरी कर ली गई है. उन्होंने बताया कि चोरी गए सामान की कीमत एक करोड़ रुपये है.

प्रेम कुमार सिंह का कहना है कि मशीन से जो सामान खोलकर चोरी किया गया है, वह काफी वजनदार है. एक समान का वजन 20-20 किलो का है यह सामान भारत में नहीं मिलता है. इसे विदेश से मांगना पड़ेगा. सामान चोरी हो जाने की वजह से टनल का काम पूरी तरह से प्रभावित हो गया है. चोरी की घटना के सूचना मिलने पर एसडीपीओ रजौली पंकज कुमार, थानाध्यक्ष पवन कुमार समेत जिला मुख्यालय से टेक्निकल सेल की टीम घटनास्थल पर पहुंची और बारीकी से छानबीन की. इस दौरान काम करने वाले लोगों से भी कई बिंदुओं पर पूछताछ की गई है.

बहरहाल, चोरी की इस बड़ी वारदात के बाद पुलिस की परेशानी बढ़ गई है. देखने वाली बात होगी कि पुलिस कबतक इस घटना की गुत्थी सुलझाती है. गौरतलब है कि जिले में इन दिनों चोरी की घटनाओं में इजाफा हो गया है. बंद घरों से लाखों की चोरी की कई घटनाएं हो चुकी हैं. हाल के वर्षों में एक करोड़ की संपत्ति की चोरी की यह पहली घटना है, जिसके बाद पुलिस के कान खड़े हो गए हैं. एक करोड़ की चोरी की घटना जिस जगह पर घटी है वह पहाड़ी इलाका है और जंगल से घिरा हुआ है.

मौर्य एक्सप्रेस के ब्रेक बाइंडिंग से निकली चिंगारी, अफरा-तफरी

संवाददाता । पटना

मुजफ्फरपुर जिले में कुढ़नी स्टेशन के पास रविवार को हटिया से गोरखपुर जा रही 15027 मौर्य एक्सप्रेस के ब्रेक बांडिंग से चिंगारी निकलने लगी. ये देख यात्रियों में हड़कंप मच गया. जानकारी मिलने पर ड्राइवर ने इमरजेंसी ब्रेक लगाया. ट्रेन रूकते देख कई यात्री ट्रेन से कूदकर भागने लगे. कुढ़नी स्टेशन पर ट्रेन की जांच की गई. इसके बाद ट्रेन को रवाना किया गया. दरअसल, गोरखपुर जा रही 15027 मौर्य एक्सप्रेस रविवार कुढ़नी स्टेशन के पास पहुंची थी, तभी गार्ड ने ट्रेन की ब्रेक बाइंडिंग से चिंगारी निकलते देखा. इस बात की जानकारी गार्ड ने ड्राइवर को दी, जिसके बात ड्राइवर ने कुढ़नी स्टेशन पर ट्रेन में इमरजेंसी ब्रेक लगा दिया. इससे ट्रेन पर सवार यात्री घबरा गए और ट्रेन से कूदकर भागने लगे. इस दौरान वहां अफरी-तफरी का माहौल हो गया. घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर टेक्निकल टीम पहुंची और पूरी छानबीन की. बाद में ट्रेन को रवाना कर दिया गया. रेलवे के वरीय अधिकारियों को घटना की जानकारी दे दी गई है.

आओ जानें

पटना की दुर्गापूजा की खासियत

बंगाली अखाड़ा : पटना के लंगरटोली स्थित बंगाली अखाड़ा में विशुद्ध सिद्धांत विधि से पूजा-अर्चना होती है. **आनंदपुरी :** आनंदपुरी इलाके में श्री विजय वाहिनी दुर्गा पूजा समिति ने अपने 41वें वर्ष पर 20 हजार नए कपड़ों की मदद से सजावट की है, पूजा के बाद ये कपड़े गरीबों में बांट दिए जाएंगें. **हनुमान नगर में बना मां दुर्गा का पंडाल :** शहर के हनुमान नगर में मां दुर्गा का 80 फीट ऊंचा भव्य पंडाल बनाया गया है. यहां भगवान शंकर को ड्रैगन पर खड़ा करके दिखाया गया है साथ ही शंकर भगवान के गोद में मां पार्वती को उठाए हुए हैं. **शेखपुरा दुर्गा आश्रम गली :** यहां दुर्गा पूजा के अवसर पर भव्य पंडाल का निर्माण किया गया है साथ ही शानदार लाइटिंग की भी व्यवस्था की गई है. **शास्त्रीनगर :** इसके साथ ही बोरिंग रोड चौराहे के सभी तरफ लाइट से सजावट की गई है, एलईडी लाइट से पंडाल की शोभा को बढ़ाया जा रहा है तो चीनी लाइट की लड़ियां आकर्षक का केंद्र बना हुआ है. **जगदेव पथ की खासियत :** राजा बाजार में इस बार 25 से भी ज्यादा झूला लगा हुआ है, मौके पर ज्यादातर बच्चों के पसंद के आधुनिक झूले लगे है.

पटना में गंगा नदी में डूबने से दादा-पोते की मौत

पटना । जिले के मोकामा प्रखंड के बादपुर गांव में एक ही परिवार के दो लोगों की गंगा नदी में डूबने से मौत हो गयी. मरने वाले रिश्ते में दादा-पोता हैं. हादसा गंगा स्नान के दौरान हुआ. दादा मुंद्रिका सिंह और किशोर पोता ओम कुमार रविवार को गंगा नदी में स्नान कर रहे थे. इस दौरान किशोर गंगा की गहराई में चला गया और डूबने लगा. पोता को डूबते देख बचाने के लिए दादा ने भी छलांग लगा दी लेकिन दादा और पोता दोनों डूब गये. घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में एसडीआरएफ और स्थानीय ग्रामीण जुट गये. दादा का शव रामपुर डुमरा पंचायत के सामने मिसरिया बाबा गंगा घाट पर बरामद हुआ है.

कारोबार

ग्रामीण क्षेत्र में उबर नहीं पाया टायर बाजार

नयी दिल्ली । ग्रामीण क्षेत्र में दोपहिया वाहनों के टायर रिप्लेसमेंट खंड (वाहनों का टायर बदलना) में अभी पूरा तरह पुनरुद्धार नहीं हुआ है. हालांकि, उम्मीद है कि आगामी त्योहारी सीजन में यह तस्वीर बदल सकती है. सिएट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अर्नब बनर्जी ने यह बात कही है. भू-राजनीतिक अस्थिरता के बाद हाल ही में कच्चे तेल की कीमतें फिर बढ़ने से अनिश्चितता छाई हुई है और यदि इसकी कीमतें और बढ़ती हैं तो यह भविष्य की वृद्धि को प्रभावित कर सकती है.

वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक आज से

नयी दिल्ली । जिनेवा में आज से विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के वरिष्ठ अधिकारियों की दो दिन की बैठक में विवाद निपटान सुधार और अगले साल फरवरी में आगामी मंत्रिस्तरीय सम्मेलन के संभावित एजेंडे जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है. एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. वाणिज्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव पीयूष कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारी जिनेवा में डब्ल्यूटीओ मुख्यालय पहुंच गए हैं. गौरलतब है कि 13वां मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी134) 26-29 फरवरी को अबू धाबी में होना है.

आईओसी, बीपीसीएल पर लगाया जुर्माना

नयी दिल्ली । केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने अपने पेट्रोल पंप पर प्रदूषण नियंत्रण उपकरण नहीं लगाने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन और भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) पर जुर्माना लगाया है. दोनों कंपनियों ने शेयर बाजार को अलग-अलग सूचना भेजकर यह जानकारी दी. आईओसी पर एक करोड़ रुपये और बीपीसीएल पर दो करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है. आईओसी के अनुसार, कंपनी को एक करोड़ रुपये का जुर्माना चुकाने का निर्देश मिला है.

सीईए की 18 अक्टूबर 2023 की रिपोर्ट (दैनिक) हुई जारी

86 बिजली संयंत्रों के पास कोयला भंडार 25 प्रतिशत से भी कम बचा

एजेंसी । नयी दिल्ली

खबरों के अनुसार देश में 86 ताप बिजली संयंत्रों के पास 18 अक्टूबर तक कोयले भंडार गंभीर स्तर पर था. इनमें से छह संयंत्र आयातित ईंधन पर आधारित हैं. केंद्रीय बिजली प्राधिकरण (सीईए) की एक रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है. किसी बिजली संयंत्र में कोयला भंडार की स्थिति तब गंभीर मानी जाती है, जब उसके पास कोयले का भंडार सामान्य स्तर की तुलना में 25 प्रतिशत से भी कम रह जाता है. सीईए की 18 अक्टूबर 2023 की रिपोर्ट (दैनिक) के अनुसार, देश में निगरानी वाले 181 ताप बिजली संयंत्रों में से 86 में कोयला भंडार की स्थिति गंभीर हैं. इन 86 में से छह आयातित कोयला आधारित संयंत्र हैं. जान लें कि सीईए देश में 206 गीगावॉट की कुल स्थापित उत्पादन क्षमता वाले 181 कोयला आधारित ताप बिजली संयंत्रों की निगरानी करता है.

18 खदानों के पास स्थित कोयला आधारित संयंत्रों की स्थिति बेहतर : रिपोर्ट के अनुसार,

करीब 149 गीगावाट की कुल क्षमता वाले कोयला खानों से दूर स्थित 148 घरेलू कोयला-आधारित बिजली संयंत्रों के पास कोयला भंडार सामान्य स्तर के 29 प्रतिशत से कम है. इन 148 संयंत्रों के पास 18 अक्टूबर 2023 तक 4.35 करोड़ टन के मानक स्तर के मुकाबले लगभग 1.27 करोड़ टन कोयला था. वहीं 18 खदानों के पास स्थित कोयला आधारित संयंत्रों की स्थिति बेहतर है.

18 संयंत्रों की कुल बिजली उत्पादन क्षमता लगभग 40 गीगावाट : इन संयंत्रों के पास सामान्य स्तर की तुलना में 81 प्रतिशत कोयला है. इन 18 संयंत्रों की कुल बिजली उत्पादन क्षमता लगभग 40 गीगावाट है. विशेषज्ञों का मानना है कि आमतौर पर कोयला खानों के पास स्थित संयंत्रों में शुष्क ईंधन स्टॉक की स्थिति गंभीर नहीं होती है. वहीं जो संयंत्र कोयला खानों के पास नहीं हैं, उनके लिए कोयला दूरदराज से पहुंचाना पड़ता है. सीईए की निगरानी के तहत आने वाले 15 आयातित कोयला-आधारित बिजली संयंत्रों में कोयला भंडार की स्थिति बेहतर थी. इन संयंत्रों के पास सामान्य स्तर से 52 प्रतिशत कोयले का भंडार था. इन 15 आयातित कोयला आधारित संयंत्रों की कुल उत्पादन क्षमता 17 गीगावाट है.

181 संयंत्रों की दैनिक ईंधन आवश्यकता 28 लाख टन : रिपोर्ट से पता चला कि करीब 206 गीगावाट की कुल क्षमता वाले इन 181 बिजली संयंत्रों के पास 5.43 करोड़ टन के मानक स्तर के मुकाबले 2.04 करोड़ टन (आदर्श स्तर का 38 प्रतिशत) कोयला भंडार था. इन 181 संयंत्रों की दैनिक ईंधन आवश्यकता 28 लाख टन है. इस प्रकार उनके पास 18 अक्टूबर 2023 तक सात दिन से थोड़ा अधिक समय तक चलने वाला कोयला भंडार है.

एनएलसी इंडिया हरित इकाई एनआईजीआईएल ने परिचालन शुरू किया

नयी दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की नवरत्न कंपनी एनएलसी इंडिया ने एक पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी एनएलसी इंडिया ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एनआईजीईएल) का गठन किया है, जिसने कारोबार करना शुरू कर दिया है. कोयला मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी. कंपनी के निदेशक मंडल की पहली बैठक में इसके 'लोगो' को अपनाने के साथ-साथ प्रमुख प्रबंधकीय पदों की नियुक्ति को मंजूरी दी गई.

एनआईजीईएल के चेयरमैन प्रसन्ना कुमार मोटुपल्ली ने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने वाली नई कंपनी आरई बिजली उत्पादन क्षमता को तेजी से बढ़ाने में मदद करेगी. उन्होंने कहा, उद्योग का माहौल बहुत आशावादी होने के चलते आरई की वृद्धि, जिसमें पंप्ड पन प्रणाली तथा बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली जैसी भंडारण प्रणालियां शामिल हैं, पर साथ-साथ काम किया जाएगा. इस इकाई के 2030 तक छह गीगावाट की क्षमता वाली आरई परियोजनाएं स्थापित करने की संभावना है. देश के विभिन्न हिस्सों में दो गीगावाट की परियोजनाएं विकसित की जा रही हैं.

स्टीलबर्ड तमिलनाडु में नया संयंत्र लगाएगी

250 करोड़ रुपये का निवेश करेगी

एजेंसी । नयी दिल्ली

प्रमुख हेलमेट कंपनी स्टीलबर्ड हाई-टेक इंडिया तमिलनाडु के होसुर में एक नया विनिर्माण कारखाना लगाने के लिए 250 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करने की तैयारी कर रही है. कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी. कंपनी बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अपनी क्षमता बढ़ाने पर ध्यान दे रही है.

कंपनी के फिलहाल बद्दी (हिमाचल प्रदेश) और नोएडा में चार-चार संयंत्र हैं. कंपनी का लक्ष्य दो साल के समय में होसुर संयंत्र से प्रतिदिन 20,000 से अधिक इकाइयों का उत्पादन हासिल करने का है. स्टीलबर्ड के प्रबंध निदेशक राजीव कपूर ने कहा, हम यह संयंत्र दक्षिण भारत के विभिन्न ओईएम (मूल उपकरण निर्माताओं) की मांग को पूरा करने के लिए लगाना चाहते हैं. उन्होंने कहा, शुरुआती चरण में हम इस परियोजना में 100 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे. दो साल में इस संयंत्र में कुल 250 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा. कपूर ने कहा कि इस संयंत्र के अगले दो साल में चालू होने की उम्मीद है. कारखाने के लिए जमीन अधिग्रहण का काम अंतिम चरण में है.

स्टीलबर्ड बद्दी में मौजूदा संयंत्रों की विनिर्माण क्षमता का भी विस्तार कर रही है और इसके लिए 105 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय निर्धारित किया गया है. इसके बाद कंपनी वहां अपनी उत्पादन क्षमता को 20,000 इकाई प्रतिदिन से बढ़ाकर 50,000 इकाई प्रतिदिन कर पाएगी. कपूर ने कहा, विस्तार का काम पहले ही शुरू हो चुका है और हमारा इस वित्त वर्ष में एक करोड़ हेलमेट के उत्पादन का लक्ष्य है.

रुझान | वाणिज्य मंत्रालय के शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, चीन दूसरे स्थान पर

भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार रहा अमेरिका

एजेंसी । नयी दिल्ली

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और घटते निर्यात एवं आयात के बावजूद अमेरिका चालू वित्त वर्ष 2023-24 की पहली छमाही में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बनकर उभरा है. सरकारी आंकड़ों में यह बात सामने आई है.

वाणिज्य मंत्रालय के शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-सितंबर, 2023 में भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार 11.3 प्रतिशत घटकर 59.67 अरब डॉलर रह गया है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 67.28 अरब डॉलर था. अप्रैल-सितंबर, 2023 में अमेरिका को निर्यात घटकर 38.28 अरब डॉलर हो गया, जो इससे पिछले साल

समान अवधि में 41.49 अरब डॉलर था. अमेरिका से आयात भी घटकर 21.39 अरब डॉलर रह गया, जो पिछले साल की समान अवधि में 25.79 अरब डॉलर था. इसी तरह, भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय व्यापार भी 3.56 प्रतिशत घटकर 58.11 अरब डॉलर रह गया. चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में चीन को निर्यात मामूली रूप से घटकर 7.74 अरब डॉलर रह गया, जो एक साल पहले समान अवधि में 7.84 अरब डॉलर था.

चीन से आयात भी घटकर 50.47 अरब डॉलर पर आ गया, जो पिछले साल समान अवधि में 52.42 अरब डॉलर था. विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक मांग में कमजोरी के कारण भारत और अमेरिका के बीच निर्यात तथा आयात में गिरावट आ रही है, लेकिन व्यापार वृद्धि जल्द सकारात्मक हो जाएगी. उन्होंने कहा कि इसके बावजूद आने वाले वर्षों में अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने का रुझान जारी रहेगा क्योंकि भारत और अमेरिका आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं.

निर्यात घटा

- 2023 में अमेरिका को निर्यात घटकर 38 .28 अरब डॉलर
- पहली छमाही में चीन का निर्यात घटकर 7 .74 अरब डॉलर रहा

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की निर्यात व आयात (एक्जिम) पर राष्ट्रीय समिति के अध्यक्ष संजय बुधिया ने पहले कहा था भारतीय निर्यातकों को अमेरिका द्वारा 'सामान्य तरजीह प्रणाली' (जीएसपी) लाभ की बहाली के लिए शीघ्र समाधान समय की मांग है क्योंकि इससे द्विपक्षीय व्यापार को और बढ़ावा मिलने में मदद मिलेगी. मुंबई स्थित निर्यातक खालिद खान ने कहा कि रुझान के अनुसार वैश्विक चुनौतियों के बावजूद अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बना रहेगा. लुधियाना के निर्यातक एस. सी. रल्हन ने कहा कि आने वाले वर्षों में भारत और अमेरिका के बीच व्यापार लगातार बढ़ेगा.

अकासा एयर की इस दशक के अंत तक सूचीबद्ध होने की योजना

एजेंसी । नयी दिल्ली

अकासा एयर की योजना इस दशक के अंत तक शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने की है. एयरलाइन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विनय दुबे ने यह जानकारी दी. अकासा एयर जल्द ही अंतरराष्ट्रीय परिचालन शुरू करने वाली है और 100 से अधिक विमानों का ऑर्डर देने वाली है.

दुबे ने बताया कि अकासा एयर आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने से पहले कंपनी अपनी ओर से और जानकारी जुटाने का प्रयास कर रही है. करीब 14 माह पुरानी एयरलाइन 16 घरेलू गंतव्यों के बीच प्रति सप्ताह 750 उड़ानों का संचालन करती है. एयरलाइन की चालू वित्त वर्ष के अंत तक अंतरराष्ट्रीय सेवाएं शुरू करने योजना है. कंपनी ने 76 बोइंग 737 मैक्स विमानों का ऑर्डर दे दिया है, जो उसके बेड़े में 2027 के मध्य तक शामिल हो जाएंगे.

अकासा एयर में फिलहाल 20 विमान हैं और 2023 के अंत तक कंपनी की तीन अंक में विमानों का ऑर्डर देने की योजना है. एयरलाइन के संस्थापक दुबे ने कहा कि कंपनी को पहले ही परिचालन से नकदी मिल रही है और नए ऑर्डर के लिए उसके वित्तीय स्थिति अच्छी है. आईपीओ के बारे में पूछने पर दुबे ने कहा कि 2027 तक मुझे यह संभव नहीं लगता है लेकिन इसे हम करना जरूर चाहते हैं. इस दशक के अंत तक आईपीओ लाने के बारे में हम सोच सकते हैं.

मौसम से प्रभावित होते बच्चे

लगभग तीन दशकों से अंतरराष्ट्रीय मंचों से इस बात पर गहन चिंता प्रकट हो रही है कि जलवायु परिवर्तन का तमाम देशों के लोगों पर बहुत ही विपरीत असर पड़ रहा है. शायद ही ऐसा कोई वर्ग हो, जो इससे प्रभावित न हो रहा हो. लोगों के सामने यह साफ है कि जिस तेजी से दुनिया की जलवायु में बदलाव हो रहा है, उसके चलते कुछ समय के बाद कई शहरों और इलाकों के सामने उनके अस्तित्व का ही संकट खड़ा हो जायेगा. लोगों के पलायन, विस्थापन और पुनर्वास का मसला बहुत बड़ा रहेगा. पहाड़ी क्षेत्र हों या मैदानी, समुद्र तट के इलाके हों या फिर रेगिस्तानी, जलवायु परिवर्तन के असर से शायद ही कोई अछूता रह सकेगा. स्वाभाविक है कि ऐसे क्षेत्रों में रहने वालों के सामने कोई अन्य विकल्प नहीं रह जायेगा कि वे प्रभावित क्षेत्रों को छोड़कर अन्यत्र आसरा लें. अपने मूल स्थानों को छोड़ने से किस तरह से अन्य संकट मानव जीवन में आते हैं, यह अब दुनिया भर में देखा जा रहा है. कटते जंगलों या डूबते तटीय इलाकों को छोड़कर जाने वालों के सामने रोजी-रोटी के संकट से लेकर अपने जीवन को फिर से व्यवस्थित करने की बड़ी चुनौती होती है. नयी जगह पर खुद को ढालना मुश्किल होता है, यह भी सब जानते हैं.जलवायु परिवर्तन का जो असर मानव जीवन पर होगा, उसके विभिन्न पहलुओं पर गहन अध्ययन दुनिया भर के वैज्ञानिक, समाजशास्त्री एवं अन्य विधाओं के लोग कर रहे हैं. विभिन्न शोध एवं विश्वविद्यालयीन अध्ययन अनेक तरह के निष्कर्ष लेकर सामने आए हैं. ऐसे सभी शोध मनुष्य के भविष्य को लेकर भयावह तस्वीरें बयां करते हैं. प्रभावित लोगों के समक्ष आजीविका से लेकर सांस्कृतिक नुकसानों तक की चर्चा होती है. लगभग हर वर्ष अनेक शासकीय व अशासकीय स्तर पर कार्यरत संस्थाएं और संगठन इस विषय पर सभा-सम्मेलन आयोजित करते हुए इस दिशा में अनेक प्रकार के उपाय सुझाते हैं. राष्ट्र संघ की भी चिंताओं में यह विषय शामिल है. फिर भी इसमें बहुत कामयाबी मिलती नहीं दिखाई दे रही है. इसी क्रम में आई एक नयी रिपोर्ट बतलाती है कि ग्लोबल वार्मिंग का एक बहुत बड़ा असर दुनिया भर के बच्चों पर हो रहा है. यूनिसेफ की ताज़ा रिपोर्ट बतलाती है कि जलवायु परिवर्तन के कारण आने वाली बाढ़, तूफान, सूखा व जंगलों की आग के कारण हर रोज 20 हजार बच्चे स्कूल छोड़ने के लिए मजबूर हो रहे हैं. 44 देशों में हुए इस अध्ययन के आधार पर तैयार रिपोर्ट के अनुसार 2016 से 2021 के बीच 4.31 करोड़ बच्चों को पाठशालाएं छोड़नी पड़ीं. अकेले हो या सपरिवार, विस्थापन के चलते भारत, चीन और फिलीपींस में ही 2.23 करोड़ विद्यार्थियों ने पढ़ाई छोड़ दी. बाढ़ व तूफान इसके प्रमुख कारण रहे हैं. अनुमान व्यक्त किया गया है कि जिस तरह से मौसम का बदलाव जारी है, 30 वर्षों में 10 करोड़ से ज्यादा बच्चे केवल इन्हीं कारणों से पाठशालाएं छोड़ देंगे.

> जलवायु परिवर्तन का जो असर मानव जीवन पर होगा, उसके विभिन्न पहलुओं पर गहन अध्ययन दुनिया भर के वैज्ञानिक, समाजशास्त्री एवं अन्य विधाओं के लोग कर रहे हैं. विभिन्न शोध अनेक तरह के निष्कर्ष लेकर सामने आए हैं.

सुभाषित

क्षुध् तृट् आशाः कुटुम्बन्य मयि जीवति न अन्यगाः।
तासां आशा महासाध्वी कदाचित् मां न मुञ्चति॥

भूख, प्यास और आशा मनुष्य की पत्नियां हैं, जो जीवनपर्यन्त मनुष्य का साथ निभाती हैं. इन तीनों में आशा महासाध्वी है, क्योंकि वह क्षणभर भी मनुष्य का साथ नहीं छोड़ती, जबकि भूख और प्यास कुछ कुछ समय के लिए मनुष्य का साथ छोड़ देते हैं.

बिहार में भाजपा का गेमचेंजर प्लान

यूपी-बिहार में जातीय राजनीति के नहले पर भाजपा ने दहला जड़ दिया है. अब नौकरी, बेरोजगारी और पलायन के मुद्दे पर भाजपा ने बिहार में अभियान शुरू किया है. पलायन एक यह ऐसा मुद्दा है, जिसका दंश यूपी और बिहार कई दशकों से लगातार भुगत रहे हैं. पलायन के साथ मुंबई में बिहारी युवाओं से मारपीट और पंजाब-हरियाणा में मजदूरों के साथ होने वाले अत्याचार का बैकग्राउंड भी जुड़ा है.

• देश-काल

बृजेंद्र दुबे

भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश और खास कर बिहार में 2024 की पटकथा लिखनी शुरू कर दी है. पार्टी ने लोकसभा चुनाव के साथ बिहार विधानसभा चुनाव के लिए क्रिकेट की भाषा में आक्रमक फील्डिंग सजानी शुरू कर दी है. भाजपा ने सोची-समझी योजना के तहत बिहारियों के उस दुखती रग पर हाथ रख दिया है, जिसका दंश दशकों से बिहार में रहने वाले लाखों-करोड़ों लोग भुगतते आ रहे हैं. नौकरी और शिक्षा के लिए बिहार से दूसरे राज्यों में पलायन करने वाले घरों के लिए भाजपा की यह भावुक कैंपेनिंग आनेवाले चुनावों में गेमचेंजर साबित हो सकती है. भाजपा ने एक कैंपेन बदलेंगे सरकार, बदलेंगे बिहार में बिहारी युवाओं की बेरोजगारी, पलायन और नौकरी को लेकर गुस्सा नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव के जाति वाले दांव पर भारी पड़ सकती है. हालांकि लोकसभा चुनाव आने तक गंगा में बहुत पानी बह चुका होगा. वैसे भी भाजपा रणनीति तो बना रही है, लेकिन बीते करीब डेढ़ दशक में वह खुद भी नीतीश कुमार सरकार की साझेदार रही है. ऐसे में पलायन के मुद्दे पर वह खुद भी कटघरे में होगी. लेकिन बिहार की यह जमीनी हकीकत है कि वहां पर पलायन बहुत बड़ा मुद्दा बन सकता है. अब इसे भाजपा कैसे कैश करेगी, आनेवाला समय ही बताएगा.भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी और अन्य बड़े नेता लगातार अपने-अपने कैंपेन के जरिए तेजस्वी यादव के 10 लाख नौकरी देने के वादे पर तंज कस रहे हैं. साथ ही, बेरोजगारी के कारण पलायन के लिए नीतीश कुमार को भी कठघरे में खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं. यही नहीं इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ पॉपुलेशन स्टडीज ने 2020 में एक रिपोर्ट जारी की थी. रिपोर्ट के मुताबिक, हर साल करीब 40 लाख बिहारी नौजवान नौकरियों के लिए देश के दूसरे राज्यों में पलायन करते हैं. गलत शिक्षा नीति और विश्वविद्यालयों में पंचवर्षीय ग्रैजुएशन स्कीम के कारण छात्रों का पलायन का आंकड़ा इससे कहीं ज्यादा हो सकता है. दिल्ली, नोएडा, भोपाल, बेंगलुरु, हैदराबाद और वाराणसी के शिक्षण संस्थानों में बिहारी स्टूडेंट्स की लाइन लगी है. रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि बिहार की आधी से अधिक आबादी पलायन से प्रभावित है. पिछले 25 सालों में राज्य के 50 फीसदी घर से किसी न किसी को नौकरी या पढ़ाई के लिए बिहार के बाहर तकलीफों की राह तय की है. अभी हाल के जातीय जनगणना सर्वे में सरकार ने भी माना है कि अभी 53 लाख 72 हजार 22 बिहारी राज्य के बाहर रह रहे हैं. यह आंकड़ा इससे अधिक हो सकता है, इसकी संभावना अधिक है.बिहार सरकार ने जातीय जनगणना की रिपोर्ट तो जारी कर दी, मगर जातियों के आर्थिक स्थिति के फैक्ट सार्वजनिक नहीं किए हैं. सर्वे का यह आंकड़ा चौकाने वाला हो सकता है. सेंटर फॉर मॉनिटरिंग ऑफ इंडियन इकोनॉमी ने मार्च में बेरोजगारी दर 7.8 फीसदी होने की जानकारी दी थी. हाल ही में पुलिस भर्ती एग्जाम और बिहार शिक्षक भर्ती 2023 में आवेदकों की उमड़ी भीड़ पलायन रोकने के लिए काफी नहीं है. पलायन का आलम यह है कि बिहार के कई गांवों में युवा कम ही दिखते हैं. घर में अकेले रहने वाले बुजुर्गों की तादाद बढ़ती जा रही है. पलायन करने वाले युवाओं और उनके परिवारवालों के इस दर्द को भाजपा लगातार कुरेद रही है. भाजपा ने अपने कैंपेन 'बदलेंगे सरकार, बदलेंगे बिहार' ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का ऑप्शन दिया है. इसके जरिए भाजपा ने पढ़े-लिखे बिहारी युवाओं से कनेक्ट करने की कोशिश है. भारत के रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त कार्यालय ने 2020 में सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (एसआरएस) की रिपोर्ट जारी की थी. इस रिपोर्ट में यह चौंकाने वाला फैक्ट सामने आया कि बिहार की 57.2 आबादी की उम्र 25 साल से कम है. हाल ही में बिहार की आबादी 13 करोड़ बताई गई, इस लिहाज से 6.5 करोड़ युवा बिहार में हैं. इनमें अधिकतर युवा रोजगार की तलाश में हैं.बिहार की नीतीश कुमार सरकार ने 2 अक्टूबर 2023 को जब जातीय जनगणना की रिपोर्ट जारी की थी, तब इसे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का मास्टरस्ट्रोक कहा गया था. भाजपा के हिंदुत्व से मुकाबले के लिए जाति आधारित राजनीति लाने की रणनीति महागठबंधन को फायदा देगा. 63 फीसदी ओबीसी आबादी के गोलबंदी से जदयू, राजद और कांग्रेस के गठबंधन को ज्यादा चुनावी लाभ हो सकता है. हालांकि भारतीय जनता पार्टी ने भी जनगणना के क्रेडिट लेने की कोशिश की, मगर एक के बाद एक इस रिपोर्ट पर सवाल खड़े होने लगे. अधिकतर जातीय नेताओं ने दावा किया है कि उनकी जाति की गिनती में धांधली हुई है. जहां तक अति पिछड़ा वर्ग के वोटों का सवाल है, कमोबेश यह सभी दलों में बंटा है. 2014 लोकसभा चुनाव के बाद से ओबीसी वोटरों ने भाजपा गठबंधन के लिए भी वोटिंग की है. यह वोटिंग पैटर्न अचानक बदल जाए, इसकी संभावना कम है. अब आने वाला चुनाव 63 प्रतिशत ओबीसी बनाम 50 फीसदी युवा के बीच हो सकता है.बिहार की राजनीति को करीब से देखने वाले जानकार कहते हैं कि आने वालों दिनों में भाजपा पलायन के मुद्दे पर बेहद आक्रामक रुख अख्तियार कर सकती है. इससे लोगों को भरमा कर वोट भी हासिल किया जा सकता है. लेकिन जमीनी हकीकत से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता है. बिहार की जमीनी हकीकत बाकी राज्यों से अलग है. बिहार में पलायन की बड़ी वजह असंतुलित आर्थिक संसाधन हैं. राज्य में आज तक चकबंदी नहीं हुई है. जमीनें कुछ अमीर लोगों के पास हैं, गरीब के पास कुछ नहीं है. हां, एक बात जरूर है कि बिहार की जनता राजनीतिक रूप से बेहद सजग है, वह आने वाले चुनाव में अपना भला देख कर ही वोट डालेगी. वो चाहे मोदी हों या लालू-नीतीश.

• बोधि-वृक्ष | ओशो

हारना क्यों नहीं चाहते!

निर्बोझ, ताजा, युवा, कुंआरा अनुभव करता है, वही समझ पाएगा कि संतोष क्या है. अन्यथा तो तुम कभी न समझ पाओगे कि संतोष क्या होता है-यह केवल एक शब्द बना रहेगा.संतोष का अर्थ हैः जो कुछ है सुंदर है; यह अनुभूति कि जो कुछ भी है श्रेष्ठतम है, इससे बेहतर संभव नहीं. एक गहन स्वीकार की अनुभूति है संतोष; संपूर्ण अस्तित्व जैसा है उस के प्रति 'हां' कहने की अनुभूति है संतोष.साधारणतया मन कहता है, 'कुछ भी ठीक नहीं है.' साधारणतया मन खोजता ही रहता है शिकायतें- 'यह गलत है, वह गलत है.' साधारणतया मन इनकार करता हैः वह 'न' कहने वाला होता है, वह 'नहीं' सरलता से कह देता है. मन के लिए 'हां' कहना बड़ा कठिन है, क्योंकि जब तुम 'हां' कहते हो, तो मन ठहर जाता है; तब मन की कोई जरुरत नहीं होती.क्या तुमने ध्यान दिया है इस बात पर? जब तुम 'नहीं' कहते हो, तो मन आगे और आगे सोच सकता है; क्योंकि 'नहीं' पर अंत नहीं होता. नहीं के आगे कोई पूर्ण-विराम नहीं है; वह तो एक शुरुआत है. 'नहीं' एक शुरुआत है; 'हां' अंत है.जब तुम 'हां' कहते हो, तो एक पूर्ण विराम आ जाता है; अब मन के पास सोचने के लिए कुछ नहीं रहता, बड़बड़ाने-कुनमुनाने के लिए, खीझने के लिए, शिकायत करने के लिए कुछ नहीं रहता- कुछ भी नहीं रहता. जब तुम 'हां' कहते हो, तो मन ठहर जाता है; और मन का वह ठहरना ही संतोष है.संतोष कोई सांत्वना नहीं है- यह स्मरण रहे. मैंने बहुत से लोग देखे हैं जो सोचते हैं कि वे संतुष्ट हैं, क्योंकि वे तसल्ली दे रहे हैं स्वयं को. नहीं, संतोष सांत्वना नहीं है, सांत्वना एक खोटा सिक्का है. जब तुम सांत्वना देते हो स्वयं को, तो तुम संतुष्ट नहीं होते.वस्तुतः भीतर बहुत गहरा असंतोष होता है. लेकिन यह समझ कर कि असंतोष चिंता निर्मित करता है, यह समझ कर कि असंतोष परेशानी खड़ी करता है, यह समझ कर कि असंतोष से कुछ हल तो होता नहीं-बौद्धिक रूप से तुमने समझा-बुझा लिया होता है अपने को कि 'यह कोई ढंग नहीं है.'तो तुमने एक झूठा संतोष ओढ़ लिया होता है स्वयं पर; तुम कहते रहते हो, 'मैं संतुष्ट हूं. मैं सिंहासनो के पीछे नहीं भागता; मैं धन के लिए नहीं लालायित होता; मैं किसी बात की आकांक्षा नहीं करता.'

जलवायु परिवर्तन, खेती और पानी संकट

• जलवायु

उपेन्द्र शंकर

धरती पर मौजूद कुल पानी का सर्वाधिक खेती में खर्च होता है. चीन सरीखे धन-धान्य से सम्पन्न देश अपना पानी बचाने की खातिर बडी मात्रा में कृषि और डेयरी उत्पादों का आयात कर रहे हैं. लैटिन-अमरीकी देश उरुग्वे की बात करें तो वहां के पर्यावरणविदों का कहना है कि मोंटेवीडियो महानगरीय क्षेत्र में आने वाला जल-संकट न केवल जलवायु परिवर्तन के कारण हुए सूखे के कारण है, बल्कि निर्यात आधारित कृषि-औद्योगिक गतिविधियों द्वारा पानी के अत्यधिक दोहन का परिणाम है.जल और जीवन की रक्षा के लिए राष्ट्रीय आयोग के सदस्य कारमेन सोसा, जिन्होंने 2004 में पीने के पानी तक पहुंच को एक मौलिक अधिकार बनाने के लिए संविधान में संशोधन करने के संघर्ष का नेतृत्व किया था, का कहना है कि 'हमारे जल-संसाधनों को लूट लिया गया है और यह काम कृषि-व्यवसाय और बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ का है. वर्ष 2004 के बाद से, सिद्धांत के तौर पर मानव उपभोग के लिए पानी को अन्य उपयोगों की तुलना में प्राथमिकता दी गई, लेकिन व्यवहार में ऐसा कभी नहीं हुआ.' उन्होंने बताया, 'चावल उद्योग आबादी की तुलना में चार गुना अधिक पानी का, लकड़ी की लुगदी 10 गुना, सोयाबीन की खेती 17 गुना और मांस के लिए पशुधन का फार्म पद्धति से पालन 20 गुना अधिक पानी की खपत करता है.' कारमेन सोसा के मुताबिक 'सभी उद्यम नदियों से पानी लेते हैं. जल-संसाधनों का प्रबंधन पर्यावरणीय मुद्दे की बजाए राजनीतिक निर्णय से होता है. किसी भी नीति निर्माता ने लोगों और अन्य जीवों के बारे में नहीं सोचा जबकि यह स्पष्ट था कि हमारे पास पानी खत्म होने वाला था.' सोसा ने आलोचना करते हुए कहा कि 'हमारे पास पीने के लिए पानी नहीं है, लेकिन उद्योगों के पास अभी भी पानी है. उरुग्वे के सभी जलस्रोतों पर सात लुगदी मिलों ने कब्जा कर लिया है. जो राजनीतिक निर्णय लिए गए, वे 2004 में स्थापित निर्णयों के विपरीत हैं. सूखे ने हमारे आर्थिक मॉडल की समस्याओं को स्पष्ट रूप से दर्शाया है. हम संसाधनों को कुछ हाथों में केंद्रित नहीं कर सकते. मानव उपभोग के लिए पानी लाभ से पहले आना चाहिए.' उरुग्वे सेलूलोज़ (लुगदी) का एक महत्वपूर्ण उत्पादक है, जिसमें बड़ी मात्रा में पानी की खपत होती है. रिपोर्टों के अनुसार जो 19 कंपनियाँ देश के सभी निवासियों की तुलना में अधिक पानी का उपयोग करती हैं, उनमें सेलूलोज़ उत्पादक कंपनियाँ भी शामिल हैं. अप्रैल में दुनिया की सबसे बड़ी लुगदी मिल का संचालन उरुग्वे में शुरू हुआ, जो देश में ऐसी तीसरी मिल थी. कागज के लिए कच्चा माल बनाने के लिए फिनलेंड की कंपनी 'यूपीएम' द्वारा संचालित नए संयंत्र में प्रतिदिन 129.6 मिलियन लीटर पानी का उपयोग होने की आशंका है. 'द गार्जियन' अखबार की रिपोर्ट के अनुसार उरुग्वे में जल-आपूर्ति की समस्याओं पर आक्रोश के बीच गूगल डेटा सेंटर बनाने की योजना की खबर आयी, जो प्रतिदिन लाखों लीटर पानी का उपयोग करेगा. इस खबर ने देश में बहुत गुस्सा पैदा कर दिया है. दिग्गज कंपनी ने दक्षिणी उरुग्वे में कैनेलोन्स में डेटा सेंटर बनाने के लिए 29 हेक्टेयर जमीन खरीदी है. अखबार के अनुसार, केंद्र अपने सर्वर को ठंडा करने के लिए प्रतिदिन 7.6 मिलियन लीटर पानी का उपयोग करेगा, जो करीब 55,000 लोगों के घरेलू दैनिक उपयोग के बराबर है. हालांकि अब अधिकारियों का कहना है कि योजना को संशोधित किया गया है. उरुग्वे के उद्योग मंत्रालय का कहना है कि ये आंकड़े पुराने हैं क्योंकि कंपनी अपनी योजनाओं में संशोधन कर रही है और डेटा सेंटर 'छोटे आकार' का होगा. यदि उरुग्वे को पानी की समस्या का स्थायी समाधान ढूंढना है तो उसे अपनी नीतियों को बदलना होगा. इसमें आशा की एक किरण है – जनमत संग्रह, जिसमें 60% से अधिक आबादी द्वारा अनुमोदित 2004 के संवैधानिक सुधारों में जल-आपूर्ति के सार्वजनिक प्रबंधन को भी शामिल किया गया था. वर्ष 2004 के पहले तक बड़े पैमाने पर पीने के पानी और स्वच्छता सेवाएं निजीकरण से प्रेरित थीं. नागरिक समाज और राजनीति-सामाजिक काम करने वाले समूहों के गठबंधन 'राष्ट्रीय जल और जीवन रक्षा आयोग' ने लाभ संचालित जल-प्रबंधन और लालच को नागरिकों के अधिकारों के लिए एक बुनियादी खतरे के रूप में पहचाना है. यह एक जमीनी स्तर की पहल है.

> उरुग्वे के उद्योग मंत्रालय का कहना है कि ये आंकड़े पुराने हैं क्योंकि कंपनी अपनी योजनाओं में संशोधन कर रही है और डेटा सेंटर 'छोटे आकार' का होगा. यदि उरुग्वे को पानी की समस्या का स्थायी समाधान ढूंढना है तो उसे अपनी नीतियों को बदलना होगा. एक जनमत संग्रह में संवैधानिक सुधारों में जल-आपूर्ति के सार्वजनिक प्रबंधन को भी शामिल किया गया था.

क्या है फिलस्तीन इजराइल का सही परिप्रेक्ष्य

• देशांतर

योगेंद्र यादव

एक औसत भारतीय के लिए गाजा बस सिर्फ एक नाम है. जमीन की पट्टी नहीं, बस टी.वी. स्क्रीन की एक छोटी-सी पट्टी है. जैसे कारगिल या कच्छ. उसके लिए इजराइल एक देश का नहीं बल्कि एक द्वेष का नाम है, एक ऐसी जगह जहां से बस हिंसा और झगड़े की खबर आती है. वह न यहूदियों के बारे में कुछ जानता है और न ही फिलिस्तीनियों के बारे में. वह यहूदियों और ईसाइयों में भेद नहीं कर सकता. वह मुसलमान और गैर-मुसलमान के चश्मे से इस मसले को देखता है. जब दिमाग खाली हो और मन भरा हुआ हो तो विचित्र छवियों का निर्माण होता है. कल्पना की दूरबीन से इजराइल और फिलिस्तीन मुद्दे को देखने का यही परिणाम होता है. एक पक्ष मुस्लिम विरोध के चलते इजराइल के पक्ष में झूठी सहानुभूति जताता है तो दूसरा मुसलमान से हमदर्दी के चलते फिलिस्तीनियों के साथ खड़ा हो जाता है.दूरबीन से टी.वी. के पर्दे पर खेले जाने वाले इस वीडियो गेम का न तो ऐतिहासिक तथ्यों से कुछ संबंध है, न ही आज के सच से, लेकिन यह खेल महज एक खेल नहीं है यह हमारे दिलो-दिमाग में गहरी नफरत भर देता है. दूर देश में इंसानों के जीवन से खेले जा रहे एक खौफनाक खेल में हम अनजाने ही शामिल हो जाते हैं. खून के कुछ छींटे हमारे ऊपर भी आ गिरते हैं.कल्पना के इस खौफनाक खेल का मुकाबला सिर्फ इतिहास और तथ्यों से नहीं किया जा सकता. उसके लिए एक औसत भारतीय के पास समय और धीरज नहीं है. इस गुमराह करने वाली कल्पना के मुकाबले में एक नई कल्पना को विकसित करना होगा.शुरूआत करते हैं एक देश की कल्पना से जो आकार में हरियाणा से आधा हो लेकिन आबादी में हरियाणा का एक-तिहाई. जी, बस इतना ही है इजराइल जिसमें कोई 90 लाख लोग बसते हैं जिनमें से 70 लाख यहूदी हैं और कोई 20 लाख अरब.गाजा पट्टी सिर्फ 10 कि.मी. चौड़ी और 35 कि.मी. लंबी जमीन है, बस दिल्ली शहर का एक-तिहाई टुकड़ा. वहां कोई 20 लाख लोग बसते हैं. जरा सोचिए अगर इतने छोटे-से प्रदेश पर पूरी दुनिया के तख्त अपना खेल खेलना शुरू कर दें तो उसकी क्या गत बनेगी?20वीं सदी में यहूदियों के साथ यूरोप में अत्याचार करने के बाद अपराध बोध से ग्रस्त यूरोपीय ताकतों ने यहूदी झंझट से छुट्टी पाने के लिए उन्हें जबरदस्ती उस इलाके में जाकर बसा दिया जिससे उनका कोई जीवंत संबंध नहीं बचा था.साम्राज्यवादी बंदूक के बल पर फिलिस्तीनियों की छाती पर यहूदियों को ले जाकर बसा दिया गया, उनकी मातृभूमि पर किसी और का देश बना दिया गया. सदियों से बसे हुए फिलिस्तीनी अपने ही पुरखों की जमीन पर किराएदार बन गए. अत्याचार के शिकार यहूदी अब फिलिस्तीनियों के लिए अत्याचारी बन गए.कल्पना कीजिए कि अगर ऐसा कुछ बिहार में हो जाए तो क्या कुछ होगा? वहां के मूल निवासी इन बाहरी शासकों का कैसे स्वागत करेंगे? कैसा संबंध बनेगा मूल निवासियों और आप्रवासियों के बीच? यह काल्पनिक उदाहरण आपको इजराइल में यहूदियों और फिलिस्तीनियों के संबंध को समझने में मदद करेगा. जरा सोचिए कि जिन बाहरी लोगों को दुनिया की तमाम ताकतों का समर्थन हो उसके खिलाफ मूल निवासी कैसा प्रतिरोध करेंगे?यह सवाल आपको फिलिस्तीनियों की राजनीति समझने में मदद करेगा. उस स्थिति में बाहरी आप्रवासियों के साथ शांतिमय तरीके से जीने की वकालत करने वालों की क्या स्थिति होगी? यह विचार आपको यासिर अराफात की स्थिति समझने में मदद करेगा. क्या ऐसे में हिंसक विरोध की मांग नहीं उठेगी? आतंकवाद नहीं पनपेगा? यह सोच हमें हमास जैसे संगठनों के उद्गम को समझने में मदद करेगी. इस कल्पना से हमास की हिंसा, बर्बरता और आतंकवाद जायज नहीं हो जाएगा, मगर इतना समझ आने लगेगा कि इस आतंकवाद की जड़ें कहां हैं.जब फिलिस्तीन के मुद्दे पर हमारी कल्पना की उलटी दूरबीन सीधी हो जाएगी तो हमें सच दिखने लगेगा, जैसा महात्मा गांधी को दिखता था. उन्होंने 26 नवंबर 1938 को 'हरिजन' में लिखा था, ''फिलिस्तीन उसी तरह अरबों का है, जिस तरह इंगलैंड अंग्रेजों का या फ्रांस फ्रांसीसियों का है.'' तब हमें यह समझ आने लगेगा कि गांधी आज की स्थिति पर क्या कहते.हमास की आतंकी हिंसा की जितनी भर्त्सना की जाए कम है. इजराइल ने फिलिस्तीनियों के साथ जो भी ज्यादती की हो, यह हमास की बर्बरता को जायज नहीं ठहरा सकता.

> खून के कुछ छींटे हमारे ऊपर भी आ गिरते हैं.कल्पना के इस खौफनाक खेल का मुकाबला सिर्फ इतिहास और तथ्यों से नहीं किया जा सकता. उसके लिए एक औसत भारतीय के पास समय और धीरज नहीं है. इस गुमराह करने वाली कल्पना के मुकाबले में एक नई कल्पना को विकसित करना होगा.

मीडिया में अन्यत्र

दिल्ली हाईकोर्ट का अहम फैसला

दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा दिये गये एक अहम फैसले से केन्द्र द्वारा किये जा रहे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के दुरुपयोग की कोशिशों को झटका लग सकता है. पिछले 9 साल से अधिक समय से जिस प्रकार मोदी सरकार ईडी का इस्तेमाल अपने राजनैतिक विरोधियों के लिए कर रही है, वह सम्भवतः दिल्ली हाईकोर्ट के इस फैसले से रुक सकता है. ईडी की शक्तियों के स्पष्टीकरण के बाबत दिया गया यह निर्णय ऐतिहासिक तो है ही, इसलिये भी दूरगामी हो सकता है क्योंकि इससे भारतीय जनता पार्टी सरकार की मनमानी पर अंकुश लग सकता है. जिस तरह से ईडी, आयकर एवं सीबीआई की शक्तियों का इस्तेमाल केन्द्र सरकार कर रही है, उससे ज्यादातर विरोधी दलों के नेता, वैचारिक विरोधी आदि परेशान हैं, उनके लिए भी यह राहत की बात होगी. आशीष मित्तल नामक व्यक्ति द्वारा एडुकॉम्प मामले में प्रवर्तन मामले की सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट के गुरुवार को दिये फैसले में स्पष्ट किया गया कि 'धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 50 के तहत किसी व्यक्ति को सम्मन जारी करने की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की शक्ति में उस व्यक्ति की गिरफ्तारी की शक्ति शामिल नहीं है.' हालांकि अदालत ने 2020 में ईडी द्वारा दर्ज ईसीआईआर रद्द करने की मांग करने वाली आशीष मित्तल नामक व्यक्ति की याचिका खारिज कर दी, पर यह महत्वपूर्ण टिप्पणी भी की. मित्तल को 21 अगस्त को ईडी के समक्ष पेश होने का सम्मन जारी किया गया था. उन्हें आशंका थी कि उन्हें अवैध रूप से हिरासत में लिया जाएगा या गिरफ्तार किया जाएगा अथवा बलि का बकरा बनाया जा सकता है. उन्होंने कहा कि उन्हें ईसीआईआर की कॉपी नहीं दी गई थी. जस्टिस भंभानी ने इस फैसले में ईडी की शक्तियों के मनमाने दुरुपयोग पर विस्तार से व्याख्या की है. इस फैसले का न्यायिक क्षेत्र में तो असर पड़ेगा ही, वर्तमान सियासी माहौल पर भी सकारात्मक प्रभाव होगा. न्यायिक क्षेत्र में इसलिए कि इसके जरिये ईडी की शक्तियों को लेकर स्पष्टता आयेगी. फिलहाल जिन्हें गिरफ्तारी का भय दिखाकर मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह शक्तिशाली हो गये हैं, उस पर अंकुश लगेगा. अनेक विरोधी दलों के नेताओं एवं समर्थकों पर जिस तरह से ईडी के जरिये भाजपा सरकार निरंकुश हुई है. (देशबंधु)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

रुख/रूख

रुख से जरा नकाब उठाओ मेरे हुजूर. बचपन से ही रफी साहब की मोहक आवाज में यह रोमांटिक गाना सुनता रहा हूं. मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि यह गाना आपने सुना होगा. एक बार नहीं, हजारों बार. इस गाने का पहला अखर है रुख. रफी साहब ने इस शब्द का उच्चारण का उच्चारण पूरे अनुशासन के साथ किया है. अगर उस उच्चारण को आदर्श माना जाये तो स्पष्ट है कि 'रुख' शब्द के पहले अक्षर र में ह्रस्व उकार की मात्रा लगी हुई है, लेकिन आम तौर पर इसके उच्चारण में गलती कर दी जाती है और उस गलती को कागज पर भी उतार दिया जाता है. अपने एक घनिष्ठ मित्र को कंप्यूटर पर मुखड़े के अर्थ में 'रुख' शब्द को 'रूख' के रूप में लिखते देखा. मैंने उनसे विनम्रता पूर्वक निवेदन किया कि आपने जो लिखा है, उसमें 'र' की मात्रा में गलती हो गयी है. उन्होंने झेंपते हुए कहा-भाई जी, यह तो मैं भी जानता हूं, लेकिन क्या कहूं? मैं समझ ही नहीं पाता हूं कि 'र' में छोटा 'उ' की मात्रा कैसे लगाऊं. मैंने उन्हें उस फॉन्ट की तकनीक के अनुसार उनकी समस्या सुलझा दी. असंभव कुछ भी नहीं है, अगर आप ठान लीजिए, लेकिन यह भी मान लीजिए कि अगर आप 'रुख' की जगह 'रूख' लिख देते हैं तो उसका अर्थ अवश्य ही बदल जाता है. रुख फारसी से आया संज्ञा पुलिंग शब्द है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार इसका अर्थ है-चेहरा, मुख, कपोल, गाल, चेहरे से प्रकट होनेवाला भाव, अभिवृत्ति, दृष्टिकोण तथा शतरंज का मोहरा. इसी रुख शब्द से बना है रुख्सत, जो संज्ञा पुलिंग है, जिसका अर्थ है रवानगी, प्रस्थान, छुट्टी, अवकाश, आज्ञा, परवानगी, इजाजत तथा वधू की मायके से विदाई. इससे बना एक और शब्द प्रचलित है रुखसार. यह संज्ञा पुलिंग है, जिसका अर्थ है गाल या कपोल. अब आते हैं दूसरे शब्द रूख पर. संस्कृत से आये इस संज्ञा पुलिंग शब्द का अर्थ है वृक्ष, पेड़. इससे मिलता-जुलता शब्द रूखा है, लेकिन अर्थ के दृष्टिकोण से यह बिल्कुल अलग है और इसका रूख शब्द से कोई संबंध नहीं है.

नेकी कर और दीवार पर टांग...

• तीर-तुक्का

प्रदीप उपाध्याय

अब टीवी भी देखूं तो कितना और कुंभकर्णी लेट लगाऊं तो कितनी! घरवाली के साथ किचन में यह-वह बनाने की जोर-आजमाइश भी कितनी! वैसे भी समझ नहीं आ रहा है कि इन दिनों में क्या पहने- ओढ़े और क्या खाएं-पीएं! जैसे-तैसे सुबह-सुबह मुँह पर से मक्खी उड़ाई और बेडरूम से बाहर निकला तो मार्निंग वॉक के शू बड़ी ही हसरत भरी नजरों से मेरी ओर देख रहे थे तो दूसरी ओर बेचारी स्लीपर अपने भाग्य को रो रही थी. शू बोला- कम से कम मेरे ऊपर चढ़ चुकी धूल को ही साफ कर दो, घर की छत तक की फेरी लगवा दो, लगे हाथ पड़ोसन से नयन चार कर लेना. स्लीपर खुश हो गई, बोली- चलो, कुछ पल के लिए ही सही, कुछ तो आराम मिलेगा वरना तो घस-घस के तला तक पैरों से चिपटने की स्थिति में आ गया है. मेरे भीतर की चीखें भी तो कोई नहीं सुन रहा था.जब चाय-नाश्ता ठूंसकर गुसलखाने की तरफ जा रहा था तो अलमारी में रखे कपड़ो में खलबली मच गई, उन्हें लगा कि चलो आज तो किस्मत खुल ही जाएगी किन्तु गुसलखाने से बाहर आने के बाद वही टीशर्ट -बरमूडा पहनने की ओर कदम बढ़ाया तो पेंट-शर्ट आपा खो बैठे, बोले-ꣳहमें यहाँ सड़ने के लिए पटक रखा है, हमारा नम्बर कब आएगा! पहले तो रोजाना अदल-बदल कर कपड़े पहनते थे और अब हालत यह हो गई है कि हमें हवा खाने को ही नहीं मिल रही है. "मैंने कहा-" तुम्हें मालूम नहीं कि कोरोना ने कहर बरपाया हुआ है और लॉकडाऊन चल रहा है. अभी जब कहीं बाहर जाना नहीं है और घर में पहनकर किसी को बताना नहीं है तो बताओ भला, तुम्हारा नम्बर कैसे आ सकता है! तभी कुर्ते-पायजामों ने हांक लगाई- अरे, हमें तो घर-बाहर कहीं भी पहन सकते हो. आपने तो बस टीशर्ट-बरमूडा को मुँह लगा रखा है इस उम्र में, शर्म-लिहाज भी तो कोई चीज है कि नहीं. वैसे भी ये अच्छे वक्त के साथी है भी कहाँ? इस कस्बे में न तो इन्हें पहनकर बाहर जा सकते हो और घर पर कोई अकस्मात आ जाए तो इधर-उधर मुँह छुपाते फिरो! मैंने उनकी बातों को अनदेखा किया तो शादी में मिला एकमात्र सूट गर्माता हुआ बोला- "देखो तुम्हारी कई मौकों पर मैंने लाज बचाई है, पार्टी-शार्टी में. अब हम अपनी उपेक्षा कतई बर्दाश्त नहीं कर सकते." इतने में पास ही रखे शू केस में से दो जोड़ी शूज एक साथ चिल्लाए-देखो, हमारी उपेक्षा असहनीय है. पहले जब बाहर जाना होता था तब मुँह चमकाऊ पॉलिश कर लाइन मारते थे, अब कहीं ताका-झांकी का अवसर नहीं तो देवदास बने बैठे हो.

धर्म अध्यात्म

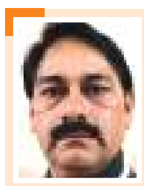

शेष नारायण सिंह

धनबाद जिले से 45 किलोमीटर दूर झारखंड-पश्चिम बंगाल सीमा पर मैथन डैम के प्राकृतिक सौंदर्य की गोद में स्थित एक हजार साल से भी अधिक पुराना मां कल्याणेश्वरी का प्रसिद्ध मंदिर स्थित है. यहां पूरे भारतवर्ष से श्रद्धालु मां के चरणों में माथा टेकने सालों भर आते रहते हैं. मां कल्याणेश्वरी भक्तों व श्रद्धालुओं की सारी मुरादें पूरी करती है. मैथन का नाम भी माई के स्थान ₹माईथान₹ पड़ा, जो बाद में आगे चलकर "मैथन" नाम से प्रसिद्ध हुआ. मैथन डैम से सटे यह मंदिर प्राकृतिक सौंदर्य के साथ साथ भक्ति और शक्ति का अनूठा संगम है. श्रद्धालुओं को यहां मां की भक्ति-शक्ति के साथ साथ मैथन डैम की प्राकृतिक छटाओं के मनोरम दृश्य एवं विशाल जलाशय में नौकाविहार करने की लुफ्त उठाने मिल जाता है जिसके कारण श्रद्धालुओं का यहां पूरे वर्ष तांता लगा रहता है. श्रद्धालुओं का मानना है कि देवी कल्याणेश्वरी बहुत सक्रिय और जागृत सिद्ध व शक्ति पीठ है, जो अपने भक्तों को हर बाधाओं से बचाती हैं और उन्हें आशीर्वाद देती हैं.

कीजिए दर्शन, मां कल्याणेश्वरी के आशीष से...

नि:संतानों के आंगन में गूंजती है किलकारी

गुफा में शिशु संग विराजमान मां

मंदिर के पुजारी पवित्रो बनर्जी ने बताया कि सुबह 6 बजे से रात 8 बजे तक मां की पूजा अर्चना व दर्शन कर सकते हैं. कहा कि कल्याणेश्वरी मंदिर एक ही पत्थर से निर्मित है. मंदिर की कोई भी दीवार और छत के बीच कोई ज्वाइंट नहीं है. बताया कि देवी मां इसी मंदिर में लाल रंग के कपड़े पहने हाथों में एक बच्चे लिए हुए मंदिर में एक छोटी सी गुफा में विराजमान है. गुफा के बाहर एक छोटी सी अष्टधातु की मां कल्याणेश्वरी की मूर्ति है, जिसकी पूजा अर्चना की जाती है. उन्होंने बताया कि यहां संध्या आरती नहीं होती है, केवल सुबह की आरती होती है.

मां ने दिया था दर्शन

मंदिर के पुजारी पवित्रो बनर्जी बताते हैं कि देवनाथ देवहरिया ने यहां कठिन साधना की थी, जिसके बाद मां ने उन्हें दर्शन दिया. दर्शन के बाद साधक देवनाथ देवहरिया ने मां को शंखा भी पहनाया था. माता के दर्शन के बाद ही साधक देवनाथ ने मां को यहां स्थापित किया. माता जगत का कल्याण करती हैं, इसलिए मंदिर का नाम कल्याणेश्वरी पड़ा.

नीम के पेड़ पर पत्थर बांध मुराद मांगते हैं श्रद्धालु

जिस नीम के पेड़ के नीचे साधक देवनाथ ने साधना की थी, उस नीम के पेड़ में श्रद्धालु पत्थर बांधकर मां से अपनी मुराद की कामना करते हैं. मनोकामना पूरी होने के बाद श्रद्धालु फिर से माता के दर्शन करते हैं. उसके बाद नीम में बांधे गए पत्थर को खोलकर नदी में प्रवाहित कर देते हैं.

अतिप्राचीन है मां का मंदिर

किंवदंतियों के अनुसार जब भगवान विष्णु के चक्र से देवी पार्वती का शरीर कई टुकड़ों में कट गया था, यहां एक टुकड़ा उल्का के रूप में गिरा जो एक टीले में तब्दील हो गया, जो मंदिर के अंदर मौजूद है. उस स्थान पर एक मंदिर बनाया गया था जिसकी पूजा एक समर्पित व निष्ठावान पुजारी और उसके परिवार द्वारा की जाती थी. वहीं पौराणिक कथाओं के अनुसार यह मंदिर पंचकोट के राजा महाराज हरि गुप्त द्वारा तीसरी शताब्दी में बनाया गया था.

संतान प्राप्ति का मिलता वरदान

मान्यता है कि इस मंदिर में जो भी महिलाएं संतान प्राप्ति के लिए मन्नत मांगती हैं, उनकी मुरादें अवश्य पूरी होती है. कहा जाता है कि एक दिन पुजारी देवी मां के पास अपनी बेटी को बैठाकर भोग की सामग्री लेने गया था. उसे आने में विलंब हो गया. देवी मां ने बेटी को ही भोग समझ लिया और स्वीकार कर लिया. इस पर पुजारी हैरान रह गया. वह अपनी भक्ति की दुहाई देते हुए देवी मां के चरणों में विलाप करते हुए अपनी बेटी को लौटाने की प्रार्थना करने लगा. इस पर देवी मां प्रकट हुई और पुजारी की बेटी को वापस लौटा दिया. देवी मां ने वरदान दिया कि वे अपने सभी भक्तों, विशेषकर उन लोगों की जो संतान की इच्छा रखते हैं, उनकी इच्छा पूरी करेंगी. देवी मां ने पुजारी को एक और बच्चे का आशीर्वाद दिया.

शारदीय नवरात्र में उमड़ती है श्रद्धालुओं की भीड़

शारदीय नवरात्र में कल्याणेश्वरी मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है. यहां महाष्टमी के दिन भैंसा की बलि चढ़ाई जाती है. इस अवसर पर देश भर से लाखों भक्त व श्रद्धालु मंदिर पहुंचते हैं. सभी भक्तों के लिए मंदिर कमेटी की ओर से महाप्रसाद का वितरण होता है जिसे ग्रहण करने के पश्चात ही भक्त लौटते हैं.

सभी महिलाएं हैं भगवती का अंश, करें सम्मान

डॉ. हाराधन कोईरी

शारदीय नवरात्र चल रहा है. भगवती के उपासक उनकी भक्ति में मग्न हैं. कुछ जिज्ञासु भक्तगण देवी की महिमा को विस्तृत रूप से जानने के लिए तत्पर रहते हैं, उनके लिए आज हम देवी भगवती पर आधारित ग्रंथ श्रीमद्देवीभागवतमहापुराण की चर्चा करेंगे. जिस प्रकार वैष्णवों के लिए श्रीमद्भागवतमहापुराण उनका सर्वस्व है, शैवों के लिए शिवमहापुराण. ठीक उसी प्रकार शाक्तों के लिए श्रीमद्देवीभागवतमहापुराण अनिवार्य ग्रंथ है. इस पुराण को शक्ति के उपासक शाक्तभागवत कहते हैं. श्रीमद्ददेवीभागवतपुराण में बारह स्कंध है और तीन सौ अठारह अध्याय हैं तथा अठारह हजार श्लोक हैं. उन सभी श्लोकों में देवी के विभिन्न रूपों की महिमा का वर्णन है. आदि शक्ति ने ही ब्रह्म,विष्णु और महेश की उत्पत्ति की हैं. सम्पूर्ण सृष्टि के मूल में देवी ही विद्यमान हैं. रामचरितमानस में राम को परमदेव, गीता में कृष्ण को और शिवपुराण में शिव को माना गया है उसी प्रकार देवीभागवतमहापुराण में भगवती आद्याशक्ति को परम देवी माना गया है. भगवती की शक्ति से ब्रह्मा सृष्टि का निर्माण करते हैं, भगवान विष्णु संसार का पालन करते हैं और शंकर संहार करते हैं. इस प्रकार संसार का सृजन, पालन और संहार करने वाली आद्याशक्ति ही हैं. वही नौ दुर्गा और दस महाविद्याओं के रूप में प्रतिष्ठित हैं. अर्थात् वही महाशक्ति पूरी दुनिया में विविध रूपों में लीला करती हैं. यथा—"शक्तिक्रीड़ा जगत् सर्वम." देवीभागवतमहापुराण स्वयं भगवती जगदम्बा के मुख से आधे श्लोक के रूप में प्रकट हुआ है. इस पुराण को यदि आश्विन, चैत्र, माघ और आषाढ़ मास में विधिवत नौ दिनों का पाठ करने से विशेष लाभ है. ऐसे कभी भी पढ़ा जा सकता है, कोई नियम नहीं है. इस पुराण में सूत-शौनक संवाद मुख्य है. कथा आती है कि एक बार नैमिषारण्य क्षेत्र में सूतजी से शौनक आदि महर्षियों ने भगवती की कथा सुनने की इच्छा प्रकट की जिसे प्रसन्न होकर सूत जी ने आद्याशक्ति भवानी का ध्यान कर कथा कहने लगे. प्रथम स्कंध के पांच अध्यायों में देवी की महिमा का वर्णन किया गया है. द्वितीय स्कंध में वेदव्यास के जन्म की कथा है. तृतीय स्कंध में त्रिदेवों को महामया और मणिलोक दर्शन की कथा है. साथ-ही नवरात्र व्रत और कुमारी पूजन की कथा है. इस प्रकार कथा बारहवें स्कंध तक जाती है. बारहवें स्कंध के दसवें, ग्यारहवें और बारहवें अध्याय में ब्रह्मलोक से ऊपर मणिद्वीप जो देवी का धाम है उसका विस्तार से वर्णन किया गया है. वेदव्यास जी अपने पुत्र शुकदेव से कहते हैं कि वत्स ! बारह स्कंधों में विभक्त यह पुराण सभी पुराणों में श्रेष्ठ है और इसकी कथा सुनने मात्र से सत् और असत् का बोध हो जाता है. " सदसज्ज्ञानविज्ञानं श्रुतमात्रेण जायते. " स्वयं भगवती कहती हैं कि समस्त जगत् में मैं ही हूं, मेरे अतिरिक्त अन्य कुछ भी शाश्वत नहीं है-' सर्वं खल्विदमेवाहं नान्यदस्ति सनातनम्." आद्याशक्ति की महात्म्य का वर्णन करते हुए वेदव्यास कहते हैं-श्रीमद्देवीभागवतमहापुराण सभी पुराणों श्रेष्ठ है,जिसमें तीनों लोकों की जननी भगवती की महिमा है. श्रद्धा और विश्वास से जो इस पुराण का आधे श्लोक भी प्रतिदिन पढ़ता है या फिर सुनता है वह परमगति को प्राप्त करता है--

" देवीभागवतं नाम पुराणं परमोत्तमम्।
त्रैलोक्यजननी साक्षाद् गीयते यत्र शाश्वती।।
श्रीमद्भागवतं यस्तु पठेद्वा श्रृणुयादपि।
श्लोकार्धं श्लोकपादं वा स याति परमांगतिम्।।"

महाशक्ति ही परब्रह्म के रूप में व्याप्त हैं. हरि अनंत हरि कथा अनंता की भांति सर्वव्यापक हैं. उस सर्वव्यापक महामया का वर्णन श्रीमद्देवीभागवतमहापुराण के अति मार्कण्डेय पुराण में ब्रह्मवैवर्तपुराण में और देवीपुराण में वर्णन मिलते हैं. शाक्तों का सर्वमान्य ग्रंथ दुर्गा सप्तशती मार्कण्डेय का अंश है. इतना ही नहीं ब्रह्मवैवर्तपुराण में शक्ति स्वयं कहती हैं- वैकुण्ठ में महालक्ष्मी, गोलक में राधिका, शिवलोक में शिवा, ब्रह्मलोक में सरस्वती और जनन नंदिनी सीता मैं ही हूं.

अतः ईश्वरीय सृष्टि में जितनी नारियां हैं, उन सबको भगवती का अंश समझकर उनका सम्मान करना ही भगवती की सबसे बड़ी पूजा होगी.

आदि काल से मन मंदिर में मातृरूप में स्थापित हैं देवी

निरंजन प्रसाद श्रीवास्तव

शरद नवरात्र समाप्ति की ओर है. इस पर्व के अवसर पर नौ दिनों तक देवी की पूजा-आराधना की जाती है. देवी भारत ही नहीं सर्वत्र की आदिम देवता हैं, क्योंकि सभ्यता का आदि रूप सर्वत्र मातृसत्ता प्रधान रहा है. कई जनजातियों में आज भी संतान की पहचान के लिए माता का नाम लिखा जाता है. हरप्पा-मोहनजोदड़ो से बहुत पूर्व वह हमारे आदिम लोकायत संस्कृति में प्रवेश करती हैं, जहां से हमारे 'सामूहिक मन' का प्रारंभ होता है. उनका रूप सूक्ष्म से सूक्ष्मतर होता गया, मिट्टी के धूह और अनगढ़ पिंड, उपल ढेरी तथा प्रस्तर-खण्ड से लेकर त्रिकाल व्यापी निरंजना, पराशक्ति, त्रिपुरसुंदरी के रूप में. भारतीय मनीषा ने कर्मकांड, धर्म, दर्शन, साहित्य और कला के माध्यम से इस देवी के रूप को रूपं-रूपं-प्रतिरूपं विभु-अणु दोनों' आयामों में आविष्कृत किया है. देवी अपनी क्रियाशक्ति के 'संधिनी-संवित्-ह्लादिनी' तीनों रूपों में हमारे सामूहिक मन को निदेशित करती रही हैं. किन्तु हमारे सामूहिक मन में सभ्यता के जन्म के बहुत पूर्व से देवी मातृमूर्ति के रूप में स्थित रही हैं.

प्रथम अवतरण श्यामावतरण

'गोंडवाना प्रदेश' नर्मदा के पश्चिम में विंध्यारण्य और शोणांचल से जुड़ा हुआ क्षेत्र है. 'गोंड' जो निषाद यानी ऑस्ट्रिक कुल की प्रतिनिधि जाति है इस क्षेत्र की मूल निवासी थे. आज भी इस भूभाग में ऑस्ट्रिक कुल की ही जनजातियां निवास करती हैं. आज गोंडवाना से तात्पर्य उस भू-भाग से है, जिसमें शोण-नर्मदा का अंचल, ओड़िसा का गंजाम, झारखण्ड का उत्तरी और दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल, बिहार का रोहतासगढ़ और अंशतः पश्चिम बंगाल के दामोदर घाटी का अंचल आदि आते हैं. भारतीय देवी का प्रथम अवतरण श्यामावतरण था. यह अवतरण इसी गोंडवाना प्रदेश में हुआ था. आज भी हम आरती में 'ॐ जय अम्बे गौरी, मैया जय श्यामा गौरी' गाते हैं. इसी गोंडवाना प्रदेश की सीमा पर विंध्यारण्य में 'विंध्यवासिनी' के रूप में महामातृका का निवास है जो सम्भवतः देश के आदिम शक्तिपीठों में से एक है. यहीं पर आदिम निषाद के मानस में देवी के महा अवतरण के प्रथम स्पंदन की अनुभूति, अत्यंत अनगढ़ रूप में सही हुई.

दशभुजा शुक्ल वर्णा दुर्गा

आदिम निषाद ने देवी को मृत्यु, यंत्रणा, रोग, शोक की अधिष्टात्री के रूप में देखा. उस समय संपूर्ण विंध्यारण्य महिषारण्य था. इन निषादों ने ही महिष मर्दन कर जंगली महिष को पालतू बनाया. इसी विंध्यारण्य गोंडवाना अरणा भैंसों का अंचल था और महिषमर्दिनी देवी के मिथक का अंकुरण यहीं निषाद कल्पना में हुआ होगा. आदिम निषाद ने कहीं पर महिष को मित्रभाव से देखा और देवता मान लिया, जैसे संथालों के 'टांड बोरो' और कहीं शत्रु भाव से देखा और असुर मान लिया और एक शक्ति की कल्पना की जो इसका मर्दन करे. इस शक्ति को उन्होंने 'चंडी' कहा. मुंडा जनजाति 'चांडीबोड्न' की पूजा करते हैं. उरांव 'चांड़ी' देवी की पूजा करते हैं. संथाल समुदाय के लोग नवरात्र के दौरान दासायं पर्व मनाते हैं. इस पर्व में देवी जाहेर-एरा की पूजा करते हैं. वे इस इन्हें शक्ति और लक्ष्मी कर देवी मानते हैं. बिहार और पूर्वी उत्तरप्रदेश के गांवों में आज भी चण्डी थान मौजूद हैं. संथाल गांवों में चण्डी थान की तरह जाहेर थान होते हैं. ऐसा लगता है कि आदिम निषाद ने महिष मर्दन के लिए महिषमर्दिनी चण्डी की कल्पना की होगी और इस कल्पना पर कालांतर में आर्यों की दशभुजा शुक्ल वर्णा दुर्गा का आरोपण हुआ. सांस्कृतिक विकास जब कृषि जीवी स्तर पर पहुंचा तो उसमें देवी के 'महीमाता' रूप की कल्पना उद्भूत हुई. इस कल्पना का चरम विकास 'गौरी', 'अन्नपूर्णा', 'शाकम्भरी दुर्गा' के बिम्बों में पुराणकारों ने उपस्थित किया. साहित्य में उस देवी को ही असुरों की देवी माया और देवों की माता अदिति माना गया है. आगे चलकर इसे 'श्री' या लक्ष्मी कहा जाने लगा.

ऋग्वेद के सूत्र व लोक वार्ता

अथर्वेद से पूर्व देवी के श्वेत और श्याम रूपों का उल्लेख 'श्रीसूक्त', 'उषासूक्त', एवं' 'रात्रिसूक्त' में हुआ है. ये देवी के मूलबिम्ब को उपस्थित करते हैं. इस प्रकार, देवी के पौराणिक कल्पना का मूल उत्स जहां एक ओर ऋग्वेद के सूत्रों में है, वहीं दूसरी ओर लोकवार्त्ता में. दशभुजी कांचनवर्णा अग्निवर्चसा दुर्गा के बिम्ब का विकास एक विमिश्रित संस्कारगत घटना है. द्राविड़ों की सिंहवाहिनी मातृका पर आर्य प्रतिभा ने आलोकवर्णी सौन्दर्यमयी जाज्वल्यमान उषा का आरोपण कर दिया है. उषा का दशदिशाव्यापी 'विस्तार-भाव' और 'प्रभा-भास्वरता-भाव' से शुक्लवर्णा दशभुजी दुर्गा का विकास हुआ. इसका संकेत एक लोकगीत इन पंक्तियों में भी मिलता है-

कवन देवी पहिरिले रतन घंघरिया
त कवने दखिना रंग छींटिया हो ना
दुरगा त पहिरिले रतन घंघरिया
चंडी पहिरिले दखिना रंग छींटिया हो ना.

वह कौन-सी देवी है जो रतन घंघरा पहने छमछम चलती है और वह कौन-सी देवी है जो दक्षिणी नीलांबरी में आवेष्टित है. एक है स्पष्ट, व्यक्त और खुली हुई और सगुण, दूसरी है गुह्य, ढंकी हुई और रहस्यमय. इस गीत में यह बात अत्यंत साधारण ढंग से कही गयी है कि यह दशभुजी दुर्गा अपने मूल रूप में आर्यों की अरुणा या उषा ही है.

देवी के पौराणिक रूप का चरम विकास मिलता है मार्कण्डेय पुराण के सप्तशती-श्लोकों वाले अंश में जिसे 'चण्डी' या 'दुर्गा सप्तशती' कहते हैं. देवी के पौराणिक रूप काली, दुर्गा, पार्वती, सरस्वती, लक्ष्मी आदि इतने परिचित हैं कि इसके विषय में कुछ कहने जी आवश्यकता नहीं है. इस प्रकार हम देख सकते हैं कि भारत में देवी का रूप हमारे ऐतिहासिक-सांस्कृतिक विकास के साथ-साथ सौम्यतर, सुन्दरतर और सूक्ष्मतर होता गया है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

फील्ड कॉर्नर

धर्मशाला। भारत और न्यूजीलैंड के मैच के दौरान भारतीय टीम का समर्थन करते खेलप्रेमी.

विश्व कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत का लंबा इंतजार खत्म

20 साल बाद न्यूजीलैंड से विश्व कप में जीता भारत

भाषा। धर्मशाला

भारत ने विश्व कप के मैच में 20 साल बाद न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराया. न्यूजीलैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत को 274 रनों का लक्ष्य दिया, लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत के विराट कोहली ने शादार 95 रनों की पारी खेली. वहीं रोहित ने टीम के लिए 46 रन बनाए.जबकि जडेजा ने भी 39 रनों का योगदान दिया. इससे पहले डेरिल मिशेल के शतक और रचिन रविंद्र के साथ उनकी बड़ी शतकीय साझेदारी के बावजूद भारत ने मोहम्मद शमी के पांच विकेट की बदौलत न्यूजीलैंड को आईसीसी विश्व कप मैच में रविवार को यहां 273 रन पर समेट दिया. मिशेल ने 127 गेंद में पांच छक्कों और नौ चौकों की मदद से 130 रन की पारी खेलने के अलावा रविंद्र (75 रन, 87 गेंद, छह चौके, एक छक्का) के साथ तीसरे विकेट के लिए 159 रन जोड़े जो इस मैदान पर किसी भी विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी है. इन दोनों ही बल्लेबाजों को भारतीय क्षेत्ररक्षकों ने जीवनदान भी दिया. भारत के लिए शमी सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 54 रन देकर करियर में तीसरी बार पांच विकेट चटकाए.

बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव महंगे साबित हुए. उन्होंने 73 रन देकर दो विकेट हासिल किए. मोहम्मद सिराज (45 रन पर एक विकेट) और जसप्रीत बुमराह (45 रन पर एक विकेट) ने किफायती गेंदबाजी करते हुए एक-एक विकेट अपने नाम किया. न्यूजीलैंड के बल्लेबाज पूरे टूर्नामेंट के दौरान पहली बार दबाव में दिखे. टीम अंतिम 13 ओवर में भारत की सटीक गेंदबाजी के सामने 68 रन ही बना सकी. भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर न्यूजीलैंड को पहले बल्लेबाजी का निमंत्रण दिया जिसके बाद गेंदबाजों ने नौवें ओवर में 19 रन तक ही दोनों सलामी बल्लेबाजों डेवोन कॉनवे (00) और विल यंग (17) को पवेलियन भेज दिया. कॉनवे जसप्रीत बुमराह का पारी का पहला ओवर मेडन खेलने के बाद मोहम्मद सिराज की गेंद को फारवर्ड शॉर्ट लेग पर श्रेयस अय्यर के हाथों में खेल गए. यंग ने दूसरे ओवर में सिराज पर चौके के साथ अपना और टीम का खाता खोला. उन्होंने बुमराह पर भी दो चौके जड़े लेकिन मोहम्मद शमी की गेंद को विकेटों पर खेल बैठे. रचिन रविंद्र और डेरिल मिशेल ने इसके बाद पारी को संभाला. दोनों ने रन गति में इजाफा किया. रविंद्र ने शमी पर दो चौके मारे लेकिन 12 रन के निजी स्कोर पर भाग्यशाली रहे जब इस तेज गेंदबाज की गेंद पर रविंद्र जडेजा ने प्वाइंट पर उनका कैच टपका दिया. मिशेल ने 13वें ओवर में शमी पर चौके के साथ टीम का स्कोर 50 रन के पार पहुंचाया.

कोहरे का कारण मैच में आयी रुकावट

भारत और न्यूजीलैड के बीच आईसीसी विश्व कप क्रिकेट मैच को रविवार को यहां मेजबान टीम की पारी के दौरान घने कोहरे के कारण कुछ देर के लिए रोकना पड़ा. न्यूजीलैंड के 274 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने 15.4 ओवर में जब दो विकेट पर 100 रन बनाए लिए थे तब मैदान पर अचानक घना कोहरा छा गया और अंपायरों को मैच रोकने को बाध्य होना पड़ा. लगभग 15 मिनट के बाद हालांकि कोहरा हटने के बाद खेल दोबारा शुरू हो गया.

रविंद्र और मिशेल दोनों ने 19वें ओवर में कुलदीप यादव पर छक्के जड़े. मिशेल ने कुलदीप के अगले ओवर में भी लंबा छक्का लगाया जो प्रेस बॉक्स की छत पर जाकर लगा.

टीम के रनों का शतक 21वें ओवर में पूरा हुआ. रविंद्र ने कुलदीप की गेंद पर एक रन के साथ 56 गेंद में अर्धशतक पूरा किया जबकि मिशेल ने सिराज पर एक रन के साथ 60 गेंद में 50 रन के आंकड़े को छुआ. सिराज ने 61 रन के स्कोर पर रविंद्र को पगबाधा किया लेकिन डीआरएस का सहारा लेने पर फैसला बल्लेबाज के पक्ष में गया क्योंकि गेंद लेग साइड के बाहर पिच हुई थी. मिशेल को भी 69 रन के स्कोर पर जीवनदान मिला जब कुलदीप की गेंद पर लांग ऑफ पर बुमराह ने उनका आसान कैच टपका दिया और गेंद चार रन के लिए चली गई. रविंद्र हालांकि अगले ओवर में शमी की गेंद पर लांग ऑन पर शुभमन गिल को कैच दे बैठे जिससे बड़ी शतकीय साझेदारी का अंत हुआ. उन्होंने 87 गेंद की अपनी पारी में छह चौके और एक छक्का मारा. न्यूजीलैंड के रनों का दोहरा शतक 37वें ओवर में पूरा हुआ लेकिन कुलदीप ने इसी ओवर में कप्तान टॉम लैथम (05) को पगबाधा करके भारत को चौथी सफलता दिलाई. मिशेल ने बुमराह की गेंद पर एक रन के साथ 100 गेंद अपना पांचवां शतक पूरा किया. ग्लेन फिलिप्स ने 44वें ओवर में सिराज पर छक्के के साथ 40 गेंद के बाउंड्री के सूखे को खत्म किया लेकिन कुलदीप के अगले ओवर में गेंद को हवा में लहराकर रोहित को आसान कैच दे बैठे. उन्होंने 23 रन बनाए. मार्क चैपमैन (06) भी बुमराह की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में बाउंड्री पर कोहली को कैच दे बैठे जबकि शमी ने सटीक यॉर्कर पर मिशेल सेंटनर (01) का ऑफ स्टंप उखाड़ने के बाद अगली गेंद पर मैट हेनरी (00) का लेग स्टंप उखाड़ा.

पाकिस्तान के खिलाफ जीत सकता है अफगानिस्तान: ट्रॉट

भाषा। चेन्नई

अफगानिस्तान के मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट को उम्मीद है कि उनकी टीम सोमवार को यहां पाकिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज करके एक दिवसीय विश्व कप में अपने अभियान को जीवंत बनाए रखेगी. उन्होंने कहा कि इन दोनों टीमों के बीच कड़ी प्रतिद्वंदिता रही है जिससे यह मैच बेहद रोमांचक होने की संभावना है. ट्रॉट ने कहा कि मेरा मानना है कि यह उनके (अफगानिस्तान) लिए प्रतिद्वंदिता रही है जो उन्हें अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करती है. यह ऐसी प्रतिद्वंदिता है जिसको लेकर अतीत में काफी जुनून रहा है. उन्होंने कहा कि लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि कल आपको रोमांचक मैच देखने को मिलेगा. यह प्रतिद्वंदिता की प्रकृति है. दोनों टीम एक दूसरे का सम्मान करती हैं लेकिन वे जीत के लिए बेताब हैं. पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के खिलाफ अगस्त में खेली गई तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में 3-0 से जीत दर्ज की थी. बाबर आजम की अगुवाई वाली पाकिस्तानी टीम ने हालांकि दूसरे वनडे में एक विकेट के मामूली अंतर से जीत हासिल की थी

वनडे में सबसे तेज 2 हजार रन बनाने वाले खिलाड़ी बनें गिल

धर्मशाला। भारतीय सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल रविवार को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व कप मैच के दौरान एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेजी से दो हजार रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए. गिल ने 38 पारियों में यह मुकाम हासिल किया और दक्षिण अफ्रीका के हाशिम अमला का रिकॉर्ड तोड़ दिया जिन्होंने 40 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी. चौबीस साल के गिल को आज यह उपलब्धि हासिल करने के लिए 14 रन की जरूरत थी. उन्होंने यह उपलब्धि भारतीय पारी के सातवें ओवर में हासिल की जब उन्होंने ट्रेंट बोल्ट पर चौका लगाया. हालांकि गिल 14वें ओवर में 31 गेंदों में 26 रन बनाकर आउट हो गए। उन्होंने लॉकी फर्ग्युसन की गेंद पर कैच थमाया.

धर्मशाला की आउटफील्ड पर डाइव लगाने से बचते दिखे खिलाड़ी

भाषा। धर्मशाला

भारत और न्यूजीलैंड के बीच रविवार को विश्व कप के मैच के दौरान यहां एचपीसीए (हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ) स्टेडियम की खराब आउटफील्ड एक बार फिर से सुर्खियों रहीं क्योंकि भारत के कई खिलाड़ी चोट से बचाव के लिए डाइव लगाने से कतराते दिखे. भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने न्यूजीलैंड की पारी की शुरुआत में डाइव लगाने का प्रयास किया और उनकी उंगली में चोट लग गई.

रोहित को इलाज के लिए मैदान से बाहर जाना पड़ा. वह हालांकि बाद में टीम का नेतृत्व करने के लिए वापस लौट आए. मैच के 35वें ओवर में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने फाइन लेग की दिशा में गेंद का पीछा करते समय डाइव लगाने से बचने का फैसला किया और न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम को इससे चार रन मिले. इससे पहले इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर और अफगानिस्तान के कोच जोनाथन ट्रॉट इस मैदान की खराब आउटफील्ड पर निराशा जता चुके है. बटलर ने बांग्लादेश के खिलाफ मैच से पहले नौ अक्टूबर को कहा था कि आउटफील्ड को लेकर चिंतायें हैं. मे

अफगानिस्तान के खिलाफ आपको नयी टीम दिखेगी: इमाम-उल-हक

भाषा। चेन्नई

भारत और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दो मैचों में हार का सामना करने वाले पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज इमाम-उल-हक ने रविवार को वादा किया कि सोमवार को अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबले में उनकी टीम नये अवतार में दिखेगी. इमाम ने अफगानिस्तान के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर कहा कि हमने चार मैच खेले हैं और इसमें दो में जीत और दो में हार मिली हैं. हम मानते हैं कि हमने पिछले दो मैचों में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है. उन्होंने कहा कि हमें अच्छा प्रदर्शन करना होगा. यह बहुत मायने रखता है कि आप मैच में कैसा प्रदर्शन करते हैं. आप जितनी चाहे उतनी बात कर सकते हैं. लेकिन यह मायने रखता है कि आप उस दिन कैसा खेलते हैं. हमने इस बारे में बात की है. आप चेन्नई में एक नयी टीम देखेंगे.

घरेलू धरती पर विश्व कप का प्रबल दावेदार है भारत : टेलर

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान रोस टेलर का मानना है कि भारतीय टीम अपनी घरेलू धरती पर पूरी तरह से बदली हुई नजर आती है और वह विश्व कप जीतने की प्रबल दावेदार है. भारतीय टीम ने अपने पहले चारों में जीतकर विश्व कप में शानदार शुरुआत की है. टेलर ने आईसीसी के लिए अपने कॉलम में लिखा कि भारतीय टीम घरेलू परिस्थितियों में पूरी तरह से बदली हुई नजर आती है और उन्होंने अपने अभियान का शानदार आगाज किया है. प्रतियोगिता के वर्तमान चरण में वह खिताब की प्रबल दावेदार नजर आती है. भारत ने अभी तक बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया है. कप्तान रोहित शर्मा और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली बेहतरीन फॉर्म में चल रहे हैं जबकि गेंदबाजी में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह तथा स्पिनर कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा ने अच्छा प्रदर्शन किया है. टेलर ने कहा कि जसप्रीत बुमराह बहुत अच्छी तरह से आक्रमण की अगुवाई कर रहे हैं जबकि कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा वास्तव में अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं. उसके शीर्ष क्रम के तीन बल्लेबाजों ने हमेशा उपयोगी योगदान दिया है.

एशिया जूनियर चैंपियनशिप में बोर्निल ने जीता स्वर्ण

नई दिल्ली। भारत के अंडर-15 बैडमिंटन खिलाड़ी बोर्निल आकाश चांगमाई ने रविवार को चीन के चेंगदू में बैडमिंटन एशिया अंडर-17 एवं अंडर-15 जूनियर चैंपियनशिप के फाइनल में फैन होंग जुआन को हराकर स्वर्ण पदक जीता. लड़कों के एकल फाइनल में बोर्निल ने चीन के 14 साल के खिलाड़ी को 34 मिनट में 21-19, 21-13 से शिकस्त दी. तेरह बरस के बोर्निल 2013 में सिरिल वर्मा के बाद इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में शीर्ष स्थान हासिल करने वाले दूसरे जूनियर बैडमिंटन खिलाड़ी बन गये हैं.

विवेकानंद क्लब ने विश्व भारती क्लब को हराया

कोडरमा/जयनगर। जयनगर प्रखंड के ग्राम पंचायत घरौंजा के मैदान में आजाद क्लब घरौंजा के तत्वावधान में नॉकआउट फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मैच का उद्घाटन मुख्य अतिथि पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव ने विधिवत फिता काटकर व फुटबॉल को कीक मारकर किया. फाइनल मैच विवेकानंद क्लब छुतहरि कटिया हजारीबाग बनाम विश्व भारती क्लब रेभनाडीह कोडरमा के बीच खेला गया, जिसमें विवेकानंद क्लब ने 1-0 से जीत दर्ज की. मुख्य अतिथि ने ट्रॉफी, 20 हजार का चेक व मेडल सील्ड देकर सम्मानित किया. वहीं उप विजेता टीम को 15 हजार का चेक सील्ड दिया और हौसला बढ़ाया वही. ज्ञात हो कि यह मैच दशहरा के शुभ अवसर पर आठ अक्टूबर को पूर्व विधायक के द्वारा उद्घाटन फिता काटकर व कीक मारकर किया गया था और फाइनल मैच भी पूर्व विधायक अपने हाथों फिता काटकर व फुटबॉल कीक मारकर किया. मौके पर मुखिया इंदु देवी, उपमुखीय गुड़िया देवी, पंसस अंजू देवी, वार्ड सदस्य निलम देवी, मुखिया प्रतिनिधि घरौंजा अजय यादव, मुखिया प्रतिनिधि गड़गी सरफुद्दीन अंसारी, शिक्षक रवि कुमार, अर्जुनचंद्र यादव, जागेश्वर यादव,, देवनारायण यादव, रामटहल यादव, कर्नल मनील यादव, मनोज यादव, रामशरण यादव, प्रदीपचंद्र यादव, उमाशंकर यादव, अरुण कुमार चौधरी, मुकेश कुमार, बजरंगी यादव, सतेंद्र यादव, आशोक यादव आदि भारी संख्या में खेलप्रेमी उपस्थित थे.

विश्व कप : पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच मुकाबला आज

स्पिनरों से सतर्क रहना चाहेगा पाकिस्तान

- पिछले दो मैच में पाकिस्तान को हार का सामना करना पड़ा है

भाषा। चेन्नई

मैच दोपहर 2 बजे से चेन्नई में खेला जाएगा

पाकिस्तान को अगर आईसीसी एकदिवसीय विश्व कप में अपने अभियान को वापस पटरी पर लाना है तो उसे चेपक की धीमी गति के गेंदबाजों के लिए अनुकूल मानी जा रही पिच पर सोमवार को होने वाले मैच में अफगानिस्तान के स्पिनरों को बेहद सतर्कता से खेलना होगा. पिछले दो मैच में भारत और ऑस्ट्रेलिया से हार के बाद पाकिस्तान को अपनी उम्मीद जीवंत रखने के लिए इस मैच में हर हाल में जीत दर्ज करने होगी क्योंकि एक और हार से उसकी सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावनाओं को करारा झटका लगेगा. पाकिस्तान के अभी चार मैच में चार अंक हैं और वह अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है. उसका नेट रन रेट -0.456 है जिसमें सुधार करने की जरूरत है. पाकिस्तान के बल्लेबाज अभी तक स्पिनरों के सामने अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं जो उसके लिए चिंता का विषय है. यहां तक की बेंगलुरु की बल्लेबाजों के लिए अनुकूल मानी जा रही पिच पर ऑस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर एडम जंपा के सामने पाकिस्तान के बल्लेबाजों को जूझना पड़ा था. अफगानिस्तान का स्पिन विभाग बेहद मजबूत है जिसमें राशिद खान, मोहम्मद नबी और मुजीब उर रहमान जैसे स्पिनर शामिल हैं जो दुनिया के दिग्गज बल्लेबाजों को भी परेशानी में डालने में सक्षम हैं. चेपक की स्पिनरों के लिए अनुकूल पिच पर उनका सामना करना आसान नहीं होगा. ऐसे में पाकिस्तान के बल्लेबाजों में विशेष कर कप्तान बाबर आजम को अच्छी पारी खेलनी होगी.

अब तक टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं बाबर : बाबर टूर्नामेंट में अभी तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं. विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान हालांकि अच्छी फॉर्म में चल रहे हैं और पाकिस्तान का उन पर काफी दारोमदार होगा. मध्यक्रम के बल्लेबाज सौद शकील और इफ्तिखार अहमद भी अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं. अमूमन देखा गया है कि जब पाकिस्तान के बल्लेबाज नहीं चलते हैं तो उसके गेंदबाज अच्छा प्रदर्शन करते हैं लेकिन इस बार अभी तक उसके गेंदबाजों ने भी निराश किया है. बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच विकेट लेकर फॉर्म में वापसी के संकेत दिए जो टीम के लिए सकारात्मक पहलू है. लेकिन अन्य दो तेज गेंदबाज हारिस राउफ और हसन अली की फॉर्म चिंता का विषय बनी हुई है.

टीमें

अफगानिस्तान : हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज़ (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, रियाज हसन, रहमत शाह, नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद नबी, इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), अजमतुल्लाह उमरजई, राशिद खान, मुजीब उर रहमान, नूर अहमद, फजलहक फारूकी, अब्दुल रहमान और नवीन उल हक.

पाकिस्तान : बाबर आजम (कप्तान), शादाब खान, फखर जमां, इमाम उल हक, अब्दुल्ला शफीक, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), सऊद शकील, इफ्तिखार अहमद, सलमान अली आगा, मोहम्मद नवाज, उसामा मीर, हारिस रऊफ, हसन अली , शाहीन अफरीदी और मोहम्मद वसीम.

एथलेटिक्स राष्ट्रीय ओपन अंडर-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप

झारखंड की बसंती ने 5000 मीटर में जीता कांस्य

संवाददाता। रांची

भारतीय एथलेटिक्स संघ और पश्चिम चंडीगढ़ एथलेटिक्स एसोसिएशन के तत्वावधान में चंडीगढ़ के स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में संपन्न हुई राष्ट्रीय ओपन अंडर -23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप के तीसरे दिन पूर्वी सिंहभूम की बसंती कुमारी ने 5000 मीटर में 16:57.48 सेकेंड का समय लेते हुए कांस्य पदक जीता. इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक उत्तरप्रदेश की नेहा पवार एवं रजत महाराष्ट्र की प्राजक्ता ने जीता. इस चैंपियनशिप में झारखंड के एथलीटों ने अब तक 2 रजत एवं 3 कांस्य पदक जीते. इस उपलब्धि पर झारखंड एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष डॉ मधुकांत पाठक, सचिव सीडी सिंह, एसके पांडेय, डॉ प्रभात शंकर, बिनोद कुमार सिंह, आलोक मिश्रा, आशीष झा, सुखैर भगत, राकेश सिंह, बरुण कुमार, किरण रानी साहू, संजय त्रिपाठी, रविंद्र मुर्मू, बंधन टोप्पो, आशू भाटिया, प्रभात रंजन तिवारी , सिकंदर महतो, अजीत साहू, अजय नायक, रनवीर सिंह, प्रभाकर वर्मा, अन्ना गोरेती मिंज, मुकुल टोप्पो , अरविंद कुमार,योगेश यादव, अशोक कुमार , शाशांक भूषण सिंह समेत संघ के पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों को बधाई दी.

10 हजार मीटर में भी रजत जीत चुकीं है बसंती

10 हजार मीटर के स्पर्धा में शुक्रवार को बसंती ने रजत पदक जीता था .बसंती हाल में ही वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व किया था, जिसका आयोजन चीन में हुआ था. जिला ओलंपिक संघ के सचिव सह कोच अजय कुमार नायक ने बताया कि पिछले दिनों बसंती कुमारी को एस आर रूंगटा ग्रुप के हेड एवं संघ के संरक्षक मुकुंद रूंगटा जी के द्वारा आर्थिक सहयोग किया गया.

यूरोपीय ओपन के फाइनल में पहुंचने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने फिल्स

एंटवर्प (बेल्जियम)। फ्रांस के आर्थर फिल्स शीर्ष वरीयता प्राप्त स्टेफानोस सितसिपास को सीधे सेटों में हराकर यूरोपीय ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए. उन्नीस साल के फिल्स ने सितसिपास को 7-6 (5), 7-6 (4) से पराजित किया. उन्होंने नौ ब्रेक प्वाइंट में से आठ का बचाव किया तथा यूनान के अपने प्रतिद्वंद्वी के 21 विनर की तुलना में 34 विनर लगाए. फिल्स फाइनल में कजाकिस्तान के तीसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर बुब्लिक का सामना करेंगे. बुब्लिक ने सेमीफाइनल में जर्मन क्वालीफायर मैक्सिमिलियन मार्टेरर को 6-4, 6-4 से हराया था. फिल्स ने इस साल लियोन ने अपने कॅरियर का पहला खिताब जीता था और हैंबर्ग में कैस्पर रूड को हराकर शीर्ष 10 में शामिल किसी खिलाड़ी के खिलाफ पहली जीत दर्ज की थी.

भारत ने करीब साढ़े छह टन चिकित्सा सहायता और 32 टन आपदा राहत सामग्री भेजी

भारत ने फिलिस्तीन को मानवीय सहायता भेजी

भाषा। नयी दिल्ली

भारत ने रविवार को फिलिस्तीन के लोगों के लिए करीब साढ़े छह टन चिकित्सा सहायता और 32 टन आपदा राहत सामग्री भेजी. भारतीय वायु सेना का सी-17 परिवहन विमान राहत सामग्री लेकर मिस्र के अल-अरिश हवाई अड्डे के लिए रवाना हो गया है. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने सोशल मीडिया मंच ''एक्स'' पर कहा, भारत ने फिलिस्तीन के लोगों को मानवीय सहायता भेजी है. फिलिस्तीन के लोगों के लिए लगभग साढ़े छह टन चिकित्सा सहायता तथा 32 टन आपदा राहत सामग्री लेकर आईएएफ सी-17 मिस्र के अल-अरिश हवाई अड्डे के लिए रवाना हुआ.

उन्होंने कहा, सामग्री में आवश्यक जीवन रक्षक दवाएं, सर्जिकल सामान, तंबू, स्लीपिंग बैग, तिरपाल, स्वच्छता संबंधी सामान, जल शुद्धिकरण के लिए टैबलेट सहित अन्य आवश्यक वस्तुएं शामिल हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गाजा के एक अस्पताल में नागरिकों की मौत पर संवेदना व्यक्त करने तथा इजराइल-फिलिस्तीन मुद्दे पर भारत की लंबे समय से चली आ रही 'सैद्धांतिक स्थिति' को दोहराने के तीन दिन बाद भारत ने यह सहायता भेजी है. प्रधानमंत्री ने गुरुवार को फिलिस्तीन प्राधिकरण के राष्ट्रपति महमूद अब्बास से कहा कि भारत फिलिस्तीन के लोगों के लिए मानवीय सहायता भेजना जारी रखेगा.

सहायता पहुंचने का स्वागत किया

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र के नेताओं और एजेंसियों ने मिस्र से राफा सीमा पार कर गाजा में मानवीय सहायता पहुंचने का स्वागत करते हुए कहा कि यह केवल एक छोटी सी शुरुआत है. उन्होंने इस दौरान अपनी तत्काल युद्धविराम के लिए की गई अपील को भी दोहराया. इजिप्शियन रेड क्रिसेंट सोसाइटी के 20 ट्रकों के काफिले ने मानवीय आपूर्ति के साथ गाजा में प्रवेश किया. यह पहली खेप है, जो सात अक्टूबर को इजराइल पर फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास के हमलों के बाद शुरू हुए युद्ध के बाद गाजा पहुंची है. संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने शनिवार को

खास बातें

- गाजा में 16 लाख लोगों से अधिक को मदद की जरूरत
- गाजा की आधी से अधिक आबादी बच्चों की है

कहा, मैं, इस संबंध में मिस्र के प्रति गहरा आभार व्यक्त करता हूं. लेकिन गाजा को इससे बहुत अधिक चाहिए, उन्हें आवश्यक पैमाने पर मानवीय सहायता की निरंतर आपूर्ति की आवश्यकता है.

गुतारेस ने शांति के लिए काहिरा शिखर सम्मेलन में कहा, हम इसे संभव बनाने के लिए संबंधित सभी पक्षों के साथ लगातार काम कर रहे हैं. संयुक्त राष्ट्र की पांच एजेंसियों संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी), संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए), संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ), डब्ल्यूएफपी और डब्ल्यूएचओ ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र और इजिप्शियन रेड क्रिसेंट सोसाइटी से पहली लेकिन सीमित जीवन रक्षक मानवीय आपूर्ति की खेप राफा सीमा को पार कर गाजा में पहुंची. यह खेप लाखों नागरिकों अधिकतर महिलाओं और बच्चों में से कुछ संख्या को तत्काल आवश्यक राहत जरूर प्रदान करेगी जो पानी, भोजन, दवा, ईंधन और अन्य आवश्यक चीजें के अभाव का सामने कर रहे हैं.

इजराइल ने जमीनी हमले किए तो कीमत चुकानी होगी

इजराइल-हमास के युद्ध में हमारी अहम भूमिका है : हिजबुल्ला

बेरूत। लेबनान के चरमपंथी संगठन हिजबुल्ला ने कहा है कि इजराइल और हमास के युद्ध में उसकी अहम भूमिका है और यदि इजराइल गाजा पट्टी पर जमीनी हमले शुरू करता है, तो उसे इसकी भारी कीमत चुकानी होगी. हिजबुल्ला के उपनेता शेख नईम कासिम का यह बयान उस वक्त आया जब इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में बमबारी तथा ड्रोन से हमले किए और हिजबुल्ला ने इजराइल की ओर रॉकेट और मिसाइलें दागीं. हिजबुल्ला ने कहा कि हमले में शनिवार को उसके छह लड़ाके मारे गए जो दो सप्ताह पहले शुरू हुए युद्ध के बाद एक दिन में मारे गए लोगों की सबसे बड़ी संख्या है. कासिम ने कहा कि लेबनान-इजराइल सीमा पर तनाव पैदा करने का हिजबुल्ला के लिए एक स्पष्ट उद्देश्य है.

सहायता पहुंचाने की प्रक्रिया शुरू

मिस्र और गाजा के बीच की सीमा शनिवार को खोल दी गई, जिसके बाद लगभग दो सप्ताह से जारी इजराइली घेराबंदी की वजह से भोजन, दवा और पानी की कमी से जूझ रहे फलस्तीनियों के लिए सहायता पहुंचाने की प्रक्रिया शुरू की गई. सहायताकर्मियों के मुताबिक केवल 20 ट्रक को गाजा में जाने की अनुमति दी गई. गाजा जाने के लिए 200 से अधिक ट्रक लगभग 3,000 टन सहायता सामग्री लिए कई दिनों से सीमा पर खड़े थे. अस्पतालों का कहना है कि पूरे क्षेत्र में बिजली कटौती के कारण उनके पास चिकित्सा आपूर्ति और आपातकालीन जनरेटर के लिए ईंधन की कमी हो गई है.

आओ जानें

कर्मचारियों की संख्या के आधार पर कंपनियों की रैंकिंग

1.	वॉलमार्ट	2,100,000	9.	फेडेक्स	530,000
2.	अमेज़न	1,541,000	10.	यूनाइटेड पार्सल सेवा	500,000
3.	फॉक्सकॉन	826,608	11.	क्रोगर	500,000
4.	एक्सेंचर	732,000	12.	होम डिपो	500,000
5.	वोक्सवैगन	676,915	13.	गज़प्रोम	468,000
6.	टाटा कंसल्टेंसी	616,171	14.	कृषि बैंक	452,258
7.	डॉयचे पोस्ट	583,816	15.	जिंगडोंग मॉल	450,679
8.	बीवाईडी	570,100			

महाराष्ट्र के ठाणे में फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़

भाषा। नयी दिल्ली

नवी मुंबई के वाशी इलाके में पुलिस ने एक मॉल से संचालित किए जा रहे फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया तथा इस संबंध में उसके मालिक और प्रबंधक सहित 23 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की. वाशी पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने खुद को अमेरिकी कंपनियों के प्रतिनिधि के रूप में पेश किया तथा वहां के लोगों को वियाग्रा और सियालिस जैसी दवाएं बेचीं. आरोपियों ने लोगों के क्रेडिट/डेबिट कार्ड की जानकारी ली और उन्हें धोखा दिया.

उन्होंने बताया कि शनिवार को कॉल सेंटर पर छापेमारी कर वहां से 3.97 लाख रुपये मूल्य की हार्ड डिस्क और बिजली के सामान तथा अन्य उपकरण बरामद किए गए.

अधिकारी ने बताया कि आरोपी कुछ सॉफ्टवेयर का उपयोग करके कॉल करते थे. कॉल सेंटर के मालिक ने कथित तौर पर मुंबई के मलाड स्थित एक व्यक्ति से अमेरिकी लोगों का डेटा खरीदा और कर्मचारियों ने दवाई बेचने के लिए उन लोगों को फोन करने के वास्ते फर्जी नामों का इस्तेमाल किया. उन्होंने बताया कि दवाओं की बिक्री से प्राप्त आय खारघर इलाके में एक बैंक शाखा में एक भारतीय कंपनी के खाते में जमा की गई थी. इस मामले में 23 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी.

ब्रीफ खबरें

पीएम मोदी ने देशवासियों को दुर्गा पूजा की बधाई दी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को देशवासियों को दुर्गा पूजा की बधाई दी और इस अवसर पर सभी के उत्तम स्वास्थ्य व सुखी जीवन की कामना की. मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, देशभर के मेरे परिवारजनों को दुर्गा पूजा की ढेरों शुभकामनाएं. मां दुर्गा हर किसी को उत्तम स्वास्थ्य और सुखी जीवन का आशीर्वाद दें. महालया से दुर्गा पूजा उत्सव प्रारंभ होती है. इस दिन से मूर्तियों का निर्माण कार्य प्रारंभ हो जाता है. परंतु वास्तविक पूजा षष्ठी, सप्तमी, अष्टमी, नवमी और विजयादशमी के रूप में परिभाषित की गयी है.

जम्मू-कश्मीर के उरी में घुसपैठ की कोशिश नाकाम

श्रीनगर। सुरक्षाबलों ने जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया. सेना ने रविवार को यह जानकारी दी. सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि भारतीय सेना, जम्मु कश्मीर पुलिस और खुफिया एजेंसियों के 21 अक्टूबर 2023 को हुए संयुक्त अभियान में बलों ने बारामूला के उरी सेक्टर में एलओसी पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया. सेना ने बताया कि घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों के साथ संपर्क स्थापित करने की कोशिश की गई जिसके बाद गोलीबारी शुरू हो गई.

भाजपा ने कांग्रेस उम्मीदवारों पर लगाया आरोप

भाषा। रायपुर

छत्तीसगढ़ में विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रायपुर में मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के पास शिकायत दर्ज कराकर 83 कांग्रेस उम्मीदवारों पर आरोप लगाया है कि उन्होंने अपने चयन के 48 घंटे के भीतर निर्वाचन आयोग को अपने आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी नहीं दी. दूसरी ओर, कांग्रेस ने भाजपा पर सत्तारूढ़ पार्टी के उम्मीदवारों पर झूठे आरोप लगाने का दावा किया है. कांग्रेस के एक प्रवक्ता ने कहा कि उन्होंने कि आपराधिक प्रवृत्ति वाले लोगों को टिकट नहीं दिया है और वे निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित मापदंडों को पूरा करेंगे. कांग्रेस ने राज्य की कुल 90 सीट में से अब तक 83 सीट पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है. राज्य में सात और 17 नवंबर को दो चरण में मतदान होगा.

आपराधिक इतिहास की जानकारी दी : भाजपा के राज्य विधि प्रकोष्ठ के संयोजक जय प्रकाश चंद्रवंशी ने एक बयान में कहा कि शनिवार को सीईओ को सौंपी गई शिकायत में भाजपा ने उच्चतम न्यायालय के उस आदेश का हवाला दिया है, जिसके अनुसार राजनीतिक दलों को उम्मीदवारों के चयन के 48 घंटे के भीतर उनके आपराधिक इतिहास की जानकारी निर्वाचन आयोग को देनी होती है. उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने अपने 83 उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड निर्वाचन आयोग को न तो सौंपे और न ही इसे पार्टी की वेबसाइट, सोशल मीडिया या एक राष्ट्रीय और एक स्थानीय सहित दो समाचार पत्रों में प्रकाशित कराया, जो कि शीर्ष अदालत के आदेश का उल्लंघन है. चंद्रवंशी ने कहा कि जिन कांग्रेस उम्मीदवारों ने अपने आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी नहीं दी है, उनकी सूची शिकायत के साथ संलग्न है. उन्होंने बताया कि शिकायत में उच्चतम न्यायालय के आदेशों की कथित अवमानना के लिए उनके खिलाफ उचित कार्रवाई किए जाने की मांग की गई है.

तेलंगाना के विधायक का निलंबन रद्द

हैदराबाद। भाजपा के नेतृत्व ने कारण बताओ नोटिस के जवाब में दिए गए तेलंगाना के अपने विधायक टी राजा सिंह के स्पष्टीकरण पर विचार करने के बाद उनका निलंबन रद्द कर दिया है और उन्हें गोशमहल सीट से फिर उतारा है. सिंह का निलंबन रद्द करने की जानकारी भाजपा तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी ने रविवार को एक बयान में दी. राजा सिंह को एक मंच पर अपलोड किए वीडियो में इस्लाम के खिलाफ उनकी टिप्पणियों के बाद पिछले साल पार्टी से निलंबित कर दिया था.

मिशन महिला सारथी की शुरुआत

भाषा। अयोध्या/लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि वही समाज सशक्त होगा और विकास की बुलंदियों को छुएगा, जहां नारी का सम्मान होगा. आदित्यनाथ ने अयोध्या दौरे के दूसरे दिन शारदीय नवरात्र की अष्टमी तिथि पर यहां राम कथा पार्क से 'मिशन महिला सारथी' की शुरुआत करने के दौरान यह टिप्पणी उन्होंने उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की 51 नई बसों को हरि झंडी दिखाकर रवाना किया. अधिकारियों के मुताबिक, इन बसों में चालक और परिचालक महिलाएं होंगी. अपने संबोधन में आदित्यनाथ ने कहा, वास्तव में महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा व उनका स्वावलंबन यह सदैव से एक चुनौती का विषय रहा है और इसीलिए भारतीय समाज ने सदैव से इस विषय को प्रमुखता से आगे बढ़ाया है.

उन्होंने कहा कि वही समाज सशक्त होगा, आत्मनिर्भर होगा और सर्वांगीण विकास की बुलंदियों को छूता हुआ दिखाई देगा, जहां नारी का सम्मान होगा, उनकी गरिमा की रक्षा होगी और वह स्वावलंबी होंगी. 'मिशन महिला सारथी' पर मुख्यमंत्री ने परिवहन निगम की सराहना करते हुए कहा कि जो लोग कहते थे कि महिलाएं अमुक काम नहीं कर सकती हैं, उन्हें राज्य परिवहन निगम ने गलत साबित कर दिया है.

फैसला आजम खान को सीतापुर और अब्दुल्ला को हरदोई जेल भेजा

बेटे और पत्नी से अलग हुए आजम खान

भाषा। रामपुर

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय महासचिव व उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री मोहम्मद आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को रविवार को तड़के रामपुर जिला कारागार से क्रमशः सीतापुर और हरदोई की जेल भेज दिया गया. इससे पहले रामपुर जेल से निकलते समय आजम खान ने पत्रकारों से आशंका जताई कि हमारा एनकाउंटर भी किया जा सकता है. कारागार महानिदेशक (डीजी) एस.एन. साबत ने 'पीटीआई-भाषा से इसकी पुष्टि की.

साबत ने कहा कि हां, आजम खान और अब्दुल्ला आजम को दूसरी जेलों में भेजा गया है. अधिकारियों ने बताया कि आजम खान को रामपुर से सीतापुर और अब्दुल्ला को हरदोई जिला कारागार में स्थानांतरित किया गया है. अब्दुल्ला आजम खान के दो अलग-अलग जन्म प्रमाण पत्रों के मामले में 18 अक्टूबर 2023 को आजम खान उनकी पत्नी पूर्व सांसद डॉ. तजीन फातिमा और छोटे बेटे अब्दुल आजम खान को अदालत ने सात-सात वर्ष कारावास की सज़ा सुनाई थी और 50-50 हजार का जुर्माना लगाया था. इसके बाद उन्हें रामपुर जिला कारागार भेज दिया गया था. आजम और अब्दुल्ला की जेलें बदली गयी हैं.

खास बातें

- वर्तमान में तीनों रामपुर जिला कारागार में बंद थे
- जेल बदले जाने पर यूपी में तरह-तरह की अफवाह

अब्दुल्ला आजम को सुबह में लाया गया हरदोई जेल

हरदोई से मिली खबर के अनुसार अब्दुल्ला आजम हरदोई जिला कारागार में पहुंच गये. हरदोई जिला कारागार के जेलर संजय सिंह ने बताया कि अब्दुल्ला को रामपुर से आज सुबह हरदोई जेल लाया गया है. सीतापुर से मिली खबर के अनुसार इस बीच रविवार सुबह करीब नौ बजे आजम खान सीतापुर जेल में पहुंच गये. प्रशासनिक सूत्रों ने बताया कि आजम खान को सीतापुर जिला कारागार में दाखिल किया गया है. समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता को कड़ी सुरक्षा में रामपुर जेल से सीतापुर लाया गया. आज सुबह करीब नौ बजे आजम खान सीतापुर जेल पहुंचे. इससे पहले समाजवादी नेता ने एक अन्य आपराधिक मामले में दो साल से अधिक समय तक सीतापुर जेल में बिताया था और उच्चतम न्यायालय से जमानत मिलने के बाद मई 2022 में रिहा हुए थे.

काठमांडू घाटी में 6.1 तीव्रता का आया भूकंप

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू में रविवार को तेज भूकंप आया, जिसकी तीव्रता 6.1 मापी गई. राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, सुबह सात बजकर 39 मिनट पर आए भूकंप का केंद्र धाडिंग जिले में था. इस भूकंप में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है. भूकंप के झटके बागमती और गंडकी प्रांतों में भी महसूस किए गए. काठमांडू से 90 किलोमीटर पश्चिम में स्थित धाडिंग जिले के ज्वालामुखी ग्रामीण नगर पालिका 5 कुमालटारी में 20 मकान नष्ट हो गए और 75 मकान क्षतिग्रस्त हो गए. पूर्व वार्ड अध्यक्ष कृष्णा प्रसाद कापरी ने बताया कि भूकंप से हुई क्षति का आकलन जारी है. इस जिले में सुबह सात बजकर 39 मिनट पर आए तेज झटके के बाद 29 मिनट के अंदर चार झटके महसूस किए गए.

माता वैष्णो देवी मंदिर में पूजा-अर्चना की

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर में पूजा-अर्चना की और श्रद्धालुओं के लिए 'लाइव दर्शन' की सुविधा शुरू की. अधिकारियों ने बताया कि श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष सिन्हा ने माता वैष्णो देवी तीर्थयात्रा पर रूपा प्रकाशन द्वारा प्रकाशित 'भक्ति की शक्ति' नामक पुस्तक का विमोचन भी किया.

जयंती के सेवन से शरीर को विटामिन बी1, बी2, बी5 मिलता है, दूर होती है आयरन की कमी

अमृत तुल्य है जयंती, जानिए इसके औषधीय गुण

संवाददाता। रांची

जयंती जौ का रूप है. पं रामदेव पांडेय के अनुसार, नवरात्र के पहले दिन जौ को साफ कर बालू- मिट्टी में मिलाकर कलश के नीचे रखा जाता है. जौ मिले बालू के बीच में हलका गड्ढा बनाकर कलश रखा जाता है. विधान तो तांबा या पीतल का कलश रखने का है, पर मिट्टी का कलश भी रखा जा सकता है. हर रोज जौ पर गंगाजल, पंचामृत ,सर्वोसधि ,महोसधि का जल डाला जाता है और मां दुर्गा की पूजा-आराधना की जाती है. उसी आदिशक्ति की, जिसने ब्रह्मांड का निर्माण किया है. पंचदेव जो प्रकृति के पांच तत्वों के प्रतीक हैं, उनकी भी आराधना की जाती है. नवरात्र के दौरान नौ दिनों तक जौ का बीज अंकुरित होते हुए छोटे पौधे के रूप में उगता है. यही जयंती है. जयंती औषधीय गुणों से भरपूर अमृत तुल्य होता है.

9 दिन जौ में प्रवाहित होती है घंटे की ध्वनि, दुर्गा सप्तशती पाठ के मंत्र

पं रामदेव पांडेय के अनुसार, नौ दिनों तक दुर्गा सप्तशती पाठ से उच्चारित मंत्र, घंटा की ध्वनि इस जयंती या जौ (बार्ली) के नव अंकुरित पौधों में प्रवाहित होती है. इसमें इतनी ऊर्जा होती है कि दशमी के दिन दाहिने कान पर रखने से ही यजमान का कल्याण हो जाता है. तो सहज ही अंदाज लगा सकते हैं कि इसके सेवन से कितनी ऊर्जा शरीर में जाएगी. इस जयंती में कौन -कौन से विटामिन व खनिज हैं, जिसे आदिकाल से हमारे पूर्वज हर घर में सालों भर संजोकर रखते थे और स्वास्थ्य लाभ के लिए चूर्ण के रूप में इसका सेवन करते थे .पर आज हम अज्ञानता के कारण इस जयंती को नदी में बहा रहे हैं और पर्यावरण को भी पीड़ित कर रहे हैं. जयंती के औषधीय गुणों को देखते हुए हमें इसे संजोने और उसका उपयोग करने की जरूरत है, ताकि इसके सेवन से हमारे स्वास्थ्य पर अच्छा असर पड़े.

असाध्य रोगों के इलाज में कारगर है जयंती, मरीजों को होता है फायदा

- आयुर्वेद चिकित्सक डॉ पीएन पांडेय के अनुसार, जयंती का 20 एमएल रस या सुखाकर पाउडर बनाया हुआ एक चम्मच चूर्ण का सुबह-शाम खाली पेट में सेवन करने से असाध्य रोगों में सबसे ज्यादा लाभ होता है.
- जयंती को ग्रीन ब्लड भी कह सकते हैं, जो एंटी ऑक्सीडेंट से भरपूर है. इसका सेवन करने से शरीर को विटामिन बी1, बी2 और विटामिन बी5 की प्राप्ति होती है.
- जयंती के रस के सेवन से आयरन की कमी दूर होती है. अनिद्रा, एसिडिटी, अपच, गैस, पेट फूलना, जोड़ों के दर्द, आमवात, गठिया, त्वचा के रोग, धातु रोग के इलाज में स्त्री - पुरुष दोनों के लिए जयंती या अंकुरित जौ लाभकारी होता है.
- बाल झड़ने, मधुमेह, मोटापा, थॉयरायड, त्वचा की झुर्रियों को दूर करने में भी लाभदायक है और ये एंटी एजिंग है. मतलब बूढ़ापे को दूर करने में सहायक है.
- आंखों की रोशनी अगर कम हो रही है, तो लगातार जयंती का सेवन करना अत्यंत लाभकारी है. इसके सेवन से आंखों की रोशनी कम होने पर ब्रेक लग जाता है.
- जयंती के रस से कुल्ला करने से दांतों की बीमारी खत्म होती है. खास कर पायरिया दूर करने में सहायक होती है. यह मुंह में पड़े छालों को दूर करने में भी लाभकारी होती है.

आओ जानें

23 अक्टूबर का इतिहास

1623 - रामचरित मानस के रचयिता तुलसीदास का निधन. 1764 - बक्सर की लड़ाई में मीर कासिम की हार.

1850 - महिलाओं के अधिकारों को लेकर अमेरिका में पहली बार राष्ट्रीय महिला अधिकार सम्मेलन शुरू हुआ.

1940 -फुटबॉल के जादूगर कहे जाने वाले पेले का जन्म.

1943 - नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने सिंगापुर में आजाद हिंद फौज की रानी झांसी ब्रिगेड का गठन किया.

1947- गेर्टी कोरी और उनके पति कार्ल कोरी को चिकित्सा के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया.

1956 -विश्व शांति के लिए परमाणु ऊर्जा का योगदान बढ़ाने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की स्थापना.

2001 - एप्पल ने आईपॉड बाजार में पेश किया. नयी शताब्दी के शुरुआती वर्षों में इस उत्पाद ने संगीत के क्षेत्र में क्रांति लाने का काम किया.

2004- जापान में भूकंप से 85 हजार लोग बेघर हुए .

विजयी मुहूर्त में करें विजयादशमी की पूजा

दशहरे पर बन रहे हैं दो शुभ संयोग

शुभम संदेश डेस्क ।रांची

हिंदू पंचांग के अनुसार आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर दशहरे का पर्व मनाया जाता है. दशहरा को विजयदशमी और आयुधपूजा के नाम से भी जाना जाता है. हिंदू धर्म में दशहरा का खास महत्व है. इस त्योहार को बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में मनाया जाता है. दशहरे के दिन ही भगवान राम ने लंका नरेश रावण का वध करके माता सीता को बचाया था. मंगलवार के दिन दशहरा का पर्व मनाया जाएगा. हिन्दू पंचांग के अनुसार, अश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि दशमी तिथि सोमवार को शाम पांच बजकर 44 मिनट पर प्रारंभ होगी. जोकि अगले दिन यानी मंगलवार को दोपहर तीन बजकर 14 मिनट कर रहेगी. इस बार दशहरे में दो शुभ संयोग बन रहे हैं.

विजयी मुहूर्त में होती है विजयादशमी की पूजा

विजयादशमी पर माता दुर्गा की पूजा के साथ ही देवी अपराजिता की पूजा भी होती है. इसी दौरान शस्त्र पूजा भी की जाती है. विजयादशमी की पूजा विजयी मुहूर्त में होती है. विजयी मुहूर्त दो समय होता है. पहला विजयी मुहूर्त मंगलवार को दोपहर 01 बजकर 58 मिनट से 02 बजकर 43 मिनट तक रहेगा. वहीं दूसरा विजयी मुहूर्त जब सूर्यास्त होता है और आसमान में कुछ तारे दिखने लगते हैं, तब होता है. अभिजित मुहूर्त सुबह 11 बजकर 43 मिनट से दोपहर 12 बजकर 28 तक रहेगा. अपराह्न पूजा का समय दोपहर 01 बजकर 13 मिनट से 03 बजकर 28 मिनट, गोधूलि मुहूर्त शाम 05 बजकर 43 मिनट से 06 बजकर 09 मिनट और सायाह्न पूजा मुहूर्त शाम 05 बजकर 43 मिनट से 07 बजे तक रहेगा. रावण दहन की बात करें तो यह सूर्यास्त बाद प्रदोष काल में होता है, जो 24 अक्टूबर को शाम 05 बजकर 43 मिनट के बाद है. रावण दहन का शुभ मुहूर्त रात्रि 07 बजकर 19 मिनट से 08 बजकर 54 मिनट तक है.

दशहरा पर बन रहे हैं बेहद शुभ संयोग

इस वर्ष दशहरे पर दो बेहद खास और दुर्लभ संयोग बन रहे हैं. ये दोनों शुभ योग रवि और वृद्धि है. रवि योग सुबह 6 बजकर 27 मिनट पर शुरू होगा और दोपहर 3 बजकर 38 मिनट तक रहेगा. इसके बाद शाम को 6 बजकर 38 मिनट से फिर से रवि योग लगेगा और 25 अक्टूबर को सुबह 6 बजकर 28 मिनट पर समाप्त होगा. इसके साथ ही दोपहर 3 बजकर 40 मिनट से वृद्धि योग शुरू होकर पूरी रात तक रहेगा.

भगवान राम ने इसी दिन किया था रावण का वध

हिंदू मान्यता के अनुसार, रावण ने जब माता सीता के अपहरण किया था, उसके बाद रावण और प्रभु श्रीराम के बीच दस दिनों तक युद्ध चला था. अंत में आश्विन शुक्ल दशमी तिथि को भगवान राम ने रावण का अंत कर दिया. रावण की मृत्यु को असत्य पर सत्य और न्याय की जीत के उत्सव के रूप में मनाया जाता है. प्रभु राम ने रावण पर विजय प्राप्त की थी इसलिए यह दिन को विजया दशमी भी कहते हैं.

माता दुर्गा ने विजयादशमी के दिन ही महिषासुर का किया था वध

हिंदू धर्म के अनुसार, नवरात्र में मां दुर्गा ने 9 दिनों तक असुरों के स्वामी महिषासुर से युद्ध किया था. दशमी के दिन मां ने उस असुर का वध कर विजय प्राप्त की थी. कहा जाता है कि महिषासुर नामक इस दैत्य ने तीनों लोक में उत्पात मचाया था. देवता भी जब इस दैत्य से परेशान हो गये थे. पूरी दुनिया और देवताओं को महिषासुर से मुक्ति दिलाने के लिए देवी ने आश्विन शुक्ल दशमी तिथि को महिषासुर का अंत किया था. देवी की विजय से प्रसन्न होकर देवताओं ने विजया देवी की पूजा की और तभी से यह दिन विजया दशमी कहलाया.

दशहरे के दिन ऐसे करें पूजा

दशहरा के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें. इसके बाद गेहूं या फिर चूने से दशहरा की प्रतिमा बनाएं. इसके बाद गाय के गोबर से नौ गोले (कंडे) बना लें. इन कंडों पर जौ और दही लगाएं. इस दिन बहुत से लोग भगवान राम की झांकियों पर जौ चढ़ाते हैं और कई जगह लड़के अपने कान पर जौ रखते हैं. इसके बाद गोबर से दो कटोरियां बना लें. एक कटोरी में कुछ सिक्के भर दें और दूसरी में रोली, चावल, फल, फूल और जौ डाल दें. बनाई हुई प्रतिमा पर केले, मूली, ग्वारफली, गुड़ और चावल चढ़ाएं. इसके बाद उसके समक्ष धूप-दीप आदि प्रज्वलित करें. इस दिन लोग अपने बही-खाता की भी पूजा करते हैं. ऐसे में आप अपने बही-खाते पर भी जौ, रोली इत्यादि चढ़ाएं. ब्राह्मणों और जरूरतमंदों को भोजन कराएं और सामर्थ्य के अनुसार उन्हें दान भी दें.

बेटियों का सम्मान ही मां की पूजा, विवाहित बेटियां भी बन सकेंगी 16 आना कमेटी की पदधारी

दिलीप कुमार। चांडिल

महादेवी वर्मा ने लिखा है कि हमारी संस्कृति मातृ सत्ता की रही है, ज्ञान और विवेक की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती, शक्ति की देवी दुर्गा, ऐश्वर्य की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी मानी जाती है. स्त्री के इन तीनों रूपों में रखकर मनीषियों ने पूरी संस्कृति को बांध दिया है. नवरात्रि में विशेष रूप से स्त्री शक्ति का प्रतिनिधित्व करती मां दुर्गा के नौ रूपों की विधिवत पूजा की जाती है, इसलिए यह पर्व विशेष हो जाता है. खास तौर पर स्त्रियों के लिए क्योंकि दुर्गा पूजा से यह सिद्ध हो जाता है कि हमारी संस्कृति में स्त्रियां आदिकाल से ही सर्व शक्तिमान रही हैं. सार्वजनिक पूजा कमेटी 16 आना चांडिल बाजार में इसका पूरा अनुपालन किया जा रहा है.

विवाहित बेटियों को बनाया सक्रिय सदस्य, ले सकेंगी पद : सार्वजनिक पूजा कमेटी 16 आना चांडिल बाजार पूजा आयोजन के 150वें वर्ष अपने गांव के सभी विवाहित बेटियों को कमेटी का सक्रिय सदस्य बनाया है. अब विवाहित बेटियां भी अपनी पसंद के अनुसार कमेटी के पद पर दावेदारी कर सकती है और पद ले सकती है. पूरे क्षेत्र में ऐसा पहली बार हो रहा है कि विवाहित बेटियों को मायके के पूजा कमेटी में सक्रिय सदस्य बनाते हुए कमेटी में भी स्थान देने का फैसला लिया गया हो. कमेटी का मानना है कि स्त्री शक्ति की पूजा में गांव की बेटियों को सम्मान नहीं मिले तो दुर्भाग्य की बात है. कमेटी का मानना है कि नवरात्रि पर कन्या पूजन भी हमें बेटियों का सम्मान करने का संदेश देता है. बेटियां ही सर्वगुणसंपन्न, सर्वशक्तिमान हैं, वे ही सृजन है. उन्हीं से सृष्टि का श्रृंगार हो सकता है, वरना विनाश निश्चित है.

अपनी भाषा और संस्कृति बचाने पर जोर

सार्वजनिक पूजा कमेटी 16 आना चांडिल बाजार दुर्गोत्सव पर अपनी भाषा-संस्कृति बचाए रखने पर बल दे रहा है. पहले कमेटी की ओर से बांग्ला जातरा अनुष्ठान का आयोजन किया जाता था. अब स्थान के अभाव में अनुष्ठान का आयोजन नहीं हो रहा है. पूजा के 150वें वर्ष कमेटी मंदिर परिसर में ही स्थानीय कलाकारों के सहयोग से महाषष्ठी की रात बांग्ला जातरा अनुष्ठान किया. मृत्युर बासोरे फूलोसज्जा नामक बांग्ला जातरानुष्ठान देखने के लिए बड़ी संख्या में कलाप्रेमी पहुंचे थे. वहीं सप्तमी के अवसर पर मानभूमि सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

कॅरियर-काउंसिलिंग

मीडिया मैनेजमेंट की पढ़ाई कर बना सकते हैं अपना कॅरियर

एजुकेशन रिपोर्टर रजनीश प्रसाद

मीडिया प्रबंधन एक सामान्य नौकरी का शीर्षक है, जो उन लोगों के बारे में बताता है, जो मीडिया पेशेवरों के लिए प्रतिभा का प्रबंधन करते हैं जैसे फोटो, साउंड सिस्टम और वीडियो में काम करने वाले लोग. यह मनोरंजन प्रबंधन का एक रूप है, एक ऐसा क्षेत्र जो शो व्यवसाय में प्रतिभा का प्रबंधन करता है. मीडिया प्रबंधन क्षेत्र के पेशेवर अभिनेता, कलाकार, लेखक और संगीतकारों सहित कई प्रकार की मीडिया-संबंधित प्रतिभाओं के साथ काम करते हैं. व्यवसाय में मीडिया प्रबंधन कंप्यूटर में मीडिया प्रबंधन से भिन्न होता है क्योंकि कंप्यूटर शब्द उन गतिविधियों को संदर्भित करता है जिनमें संगीत, वीडियो और चित्र फाइलों जैसी कंप्यूटर मीडिया फाइलों को संसाधित करना शामिल होता है. मीडिया प्रबंधन की धारा मीडिया प्लेटफार्मों की एक श्रृंखला के लिए डिजिटल सामग्री को रणनीतिक बनाने के इस क्षेत्र से संबंधित है. प्रत्येक व्यवसाय के लिए एक मजबूत ऑनलाइन उपस्थिति बनाना एक आवश्यकता बन गई है और इसके लिए, प्रत्येक उद्योग को ऐसे पेशेवरों की आवश्यकता होती है जो विभिन्न मीडिया प्लेटफार्मों को प्रभावी ढंग से संभाल सकें. डिजिटल युग के साथ, उन्नत प्रौद्योगिकियों ने मीडिया उद्योग को काफी हद तक प्रभावित किया है. यदि आप बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में विशिष्ट रूप से डिजाइन की गई मास्टर डिग्री हासिल करने की योजना बना रहे हैं, तो मीडिया प्रबंधन में एमबीए आपको उन्हीं पुराने एमबीए पेशेवरों से अलग कर सकता है और आपको ऑनलाइन मीडिया और संचार की विशाल दुनिया में गहरी अंतरदृष्टि कर सकता है.

कवर किए गए विषय

- प्रबंधन की अवधारणाएं और प्रक्रियाएं
- प्रबंधकीय व्यवहार और संचार
- सूचान प्रौद्योगिकी
- प्रबंधकीय पदों के लिए लेखांकन
- प्रबंधकीय पदों के लिए अर्थशास्त्र
- एच आर प्रबंधन
- विपणन प्रबंधन
- प्रोडक्शन - टेलीविजन और रेडियो
- व्यापार और औद्योगिक कानून
- इवेंट मैनेजमेंट
- बिक्री और विज्ञापन प्रबंधन
- रिपोर्टिंग और संपादन
- प्रिंट और टेलीविजन पत्रकारिता

एमबीए के समान पाठ्यक्रम

- टेलीविजन प्रबंधन में एमबीए/एमएस
- डिजिटल मीडिया में एमएससी
- फिल्म निर्माण में एमएससी
- मल्टीमीडिया पत्रकारिता में एमए
- डिजिटल और कंटेंट मार्केटिंग में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र
- मीडिया प्रैक्टिस में मास्टर
- व्यावसायिक संचार के मास्टर
- इवेंट मैनेजमेंट पाठ्यक्रम
- लक्जरी ब्रांड प्रबंधन

शीर्ष कंपनियों की सूची

- टाइम नेटवर्क
- जी नेटवर्क
- हिन्दू
- द्वार दर्शन
- ऑल इंडिया रेडियो
- इंडिया टुडे
- आउटलुक
- रिपब्लिक टेलीविजन नेटवर्क

मीडिया मैनेजमेंट की पढ़ाई के लिए प्रमुख संस्थान

- इंटरनेशनल स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मीडिया, बेंगलुरू
- प्रिंट इंस्टिट्यूट ऑफ कम्युनिकेशन, अहमदाबाद
- इंदिरा स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन, पुणे
- एपीजे इंस्टिट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन, नई दिल्ली
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- अन्नपूर्णा इंटरनेशनल स्कूल ऑफ फिल्म एंड मीडिया, हैदराबाद
- एशियन स्कूल ऑफ मीडिया स्टडीज, नोएडा
- क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु
- इंटरनेशनल स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मीडिया, बेंगलुरु
- मणिपाल यूनिवर्सिटी, मणिपाल
- सिम्बायोसिस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, पुणे
- व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट, मुंबई
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, दिल्ली

मीडिया मैनेजर की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां

1. मीडिया प्रबंधन में एमबीए की डिग्री कॅरियर के अवसरों की एक श्रृंखला के द्वार खोलती है. मीडिया स्ट्रैटिजिस्ट और मार्केटिंग एनालिस्ट के रूप में काम करने से लेकर टीवी प्रोड्यूसर या ऑडियो-वीडियो एडिटर के रूप में कॅरियर शुरू करने तक, ऐसे कई जॉब प्रोफाइल हैं जिनमें आप काम कर सकते हैं. नीचे सूचीबद्ध कुछ प्रमुख जिम्मेदारियां हैं जिन्हें आपको बनाना होगा इस क्षेत्र में मजबूत कॅरियर
2. मीडिया से संबंधित सामग्री को लिखने, संपादित करने और प्रूफ-रीडिंग के अलावा, आपको मीडिया उद्योग का गहन शोध करना और फिर उसके अनुसार सार्वजनिक अभियानों का प्रबंधन करना भी आवश्यक होगा.
3. आप एक मीडिया हाउस में मानव संसाधन, वित्त, संचालन और उत्पादन जैसे विभिन्न प्रबंधन विभागों को संभालने के लिए उत्तरदायी होंगे.
4. एक मीडिया प्रबंधक के रूप में, आपको संचार टीम का प्रभारी बनाया जाएगा, इसलिए आप विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर बाजार अभियानों की योजना बनाएंगे, प्रबंधन करेंगे और उन्हें क्रियान्वित करेंगे.
5. आपको प्रबंधन के सैद्धांतिक ज्ञान को उद्योग के व्यावहारिक पहलुओं के साथ शामिल करना होगा.

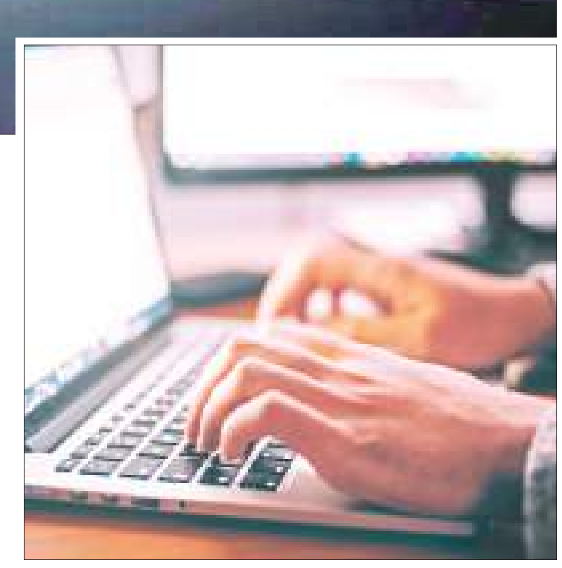

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)